मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.2	24.0
जमशेदपुर	31.9	24.5
डालटनगंज	33.7	23.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in ● रांची, शनिवार 19 अक्टूबर 2024 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 02, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 189 ● आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	72,900
चांदी (किलो)	97,000

ब्रीफ खबरें

विराट कोहली ने पूरे किए अपने 9000 रन

बेंगलुरु। भारतीय टीम के बल्लेबाज विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में एक जबरदस्त रिकॉर्ड लिस्ट में अपनी जगह बनाई. वह टेस्ट में 9 हजार रन पूरा करने वाले भारत के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं. उनसे पहले इस मुकाम तक महान सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ ही पहुंच सके. बेंगलुरु टेस्ट के तीसरे दिन दूसरी पारी में विराट कोहली ने हाफ सेंचुरी जड़ी. इस दौरान 42वें ओवर की चौथी गेंद पर सिंगल लेते हुए टेस्ट करियर में 9 हजार रन पूरे किए.- **खेल पेज भी देखें**

शीर्ष कोर्ट की सुनवाई का होगा सीधा प्रसारण

नयी दिल्ली। एक अहम कदम उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सभी मामलों की सुनवाई का सीधा प्रसारण करने का फैसला किया है. शीर्ष अदालत की सभी बेंचों की लाइव-स्ट्रीमिंग की सुविधा देनेवाला एक ऐप परीक्षण के अंतिम चरण में है. इससे पहले यानी अब तक सिर्फ संविधान पीठ के समक्ष मामलों की सुनवाई का ही सीधा प्रसारण होता था, लेकिन चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की पहल पर इसे सभी बेंच तक विस्तारित करने का फैसला किया गया है. यह पहला मौका है जब हर रोज की सुनवाई का नियमित सीधा प्रसारण करने का फैसला किया गया है.

मोदी ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने रूस जाएंगे

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रूस जाएंगे. विदेश मंत्रालय के मुताबिक पीएम मोदी कज़ान में आयोजित हो रहे 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर रूस की यात्रा करेंगे. पीएम मोदी 22-23 अक्टूबर तक रूस के दौरे पर रहेंगे. अपनी यात्रा के दौरान पीएम के कज़ान में ब्रिक्स सदस्य देशों के अपने समकक्षों और आमंत्रित नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे. इस वर्ष के सम्मेलन का विषय न्यायसंगत वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना है.

आप नेता सत्येंद्र जैन को मिली जमानत

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन को दिल्ली हाईकोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत दे दी है. कोर्ट ने उन्हें सशर्त जमानत दी है, वह देश से बाहर नहीं जा सकेंगे. कोर्ट ने कहा कि सत्येंद्र जैन ने करीब 18 महीने तक जेल में बंद रहकर सजा काटी है. हालांकि ईडी ने सत्येंद्र जैन की जमानत का विरोध किया. लेकिन कोर्ट ने कहा कि उन्होंने जेल में लंबी सजा काटी है. कोर्ट ने कहा कि सत्येंद्र जैन की जमानत अर्जी मंजूर की जाती है, उन्हें 50,000 रुपए का निजी मुचलके पर बेल दी जाती है.

झारखंड विस चुनाव : एनडीए में सीटों के बंटवारे पर लगी मुहर

आजसू 10, जदयू दो लोजपा को 1 सीट

बाकी 68 सीटों पर भाजपा उतारेगी प्रत्याशी, जल्द जारी होगी पहली सूची

शुभम किशोर। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए में सीटों का बंटवारा हो गया है. आजसू 10 सीटों पर लड़ेगी, जबकि जदयू को 2 सीट दी गई है. वहीं चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी को चतरा की एक सीट दी गई है, बाकी 68 सीटों पर भाजपा चुनाव लड़ेगी. केंद्रीय कृषि मंत्री और झारखंड के लिए भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने कहा, झारखंड में भाजपा, ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू), जनता दल यूनाइटेड और लोक जनशक्ति पार्टी (आर) मिलकर चुनाव लड़ेंगे. सीट बंटवारे पर भी सहमति बन गई है और जल्द ही उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी.

असम के मुख्यमंत्री और झारखंड भाजपा चुनाव सह प्रभारी हिमंता विस्वा सरमा ने कहा कि चुनाव पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा. भाजपा 68 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और आजसू को 10 सीटें दी गई हैं. शुक्रवार को रांची के हरमू स्थित झारखंड भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा और आजसू के नेताओं ने सीट शेयरिंग का ऐलान किया. हिमंता विस्वा सरमा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सीटों के बंटवारे की घोषणा सभी पार्टियों से बातचीत के बाद की गई है. हालांकि एक-दो सीटों में आपसी सहमति से बदलाव की संभावना है. उन्होंने कहा कि एनडीए पूरी मजबूती के साथ चुनावी मैदान में उतरेगा. हमें पूरा विश्वास है कि हम राज्य में बहुमत की सरकार बनाएंगे.

प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो और चंद्रप्रकाश चौधरी भी मौजूद रहे. इस मौके पर आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि झारखंड के मौजूदा हालातों को लेकर जनता को आगाह करने का काम करेंगे. यह चुनाव पीएम मोदी के मार्गदर्शन में लड़ा जाएगा. उन्होंने भरोसा जताया कि राज्य में एनडीए की सरकार बनेगी. चुनाव में हम पूरी जान लगा देंगे.

समय के हिसाब से सीट शेयरिंग में हो सकता है परिवर्तन

हिमंता विस्वा सरमा ने कहा कि यह चुनाव हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए के साथ लड़ेंगे. झारखंड में एनडीए के प्रमुख घटक दल आजसू, जदयू और लोजपा हैं. सीट पर चर्चा आगे भी चलेगी और समय के हिसाब से परिवर्तन भी होगा. हिमंता ने कहा कि बाकी सीट पर बीजेपी चुनाव लड़ेगी. हालांकि एक-दो सीट पर चर्चा चल रही है.

आजसू इन 10 सीटों पर चुनाव लड़ेगी

1-सिल्ली
2- रामगढ़
3- गोमिया
4- ईचागढ़
5- मांडू
6- जुगसलाई
7- डुमरी
8- पाकुड़
9- लोहरदगा
10- मनोहरपुर

2 सीटों पर जदयू

1-जमशेदपुर पश्चिम
2- तमाड़

एक सीट चतरा पर लोजपा लड़ेगी

रीजनल और नेशनल सब्जेक्ट को साथ लेकर चलेंगे : सुदेश

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि हमने झारखंड विधानसभा चुनाव संयुक्त रूप से लड़ने की घोषणा की है. राज्य की जनता दोनों दलों को एक साथ देखना चाहती है. हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 2019 में जिन्होंने कमान संभाला, हर लोग इस तकलीफ से निजात चाहता है. जनता का समीकरण तैयार हो रहा है. कहा कि निजी हित और स्वार्थ में शासन और विकास विलुप्त है. राजनीतिक जवाबदेही के रूप में हम मिलकर नया जनादेश देने की तैयारी कर चुके हैं. हम रीजनल और नेशनल सब्जेक्ट को साथ लेकर चलेंगे. राज्य को तरक्की के पैमाने पर खड़ा करना हमारी प्राथमिकता है. उन्होंने कहा कि कुछ सीट को लेकर चर्चा चल रही है. जो भी करेंगे, मिलकर करेंगे. हमारी कोशिश है कि एनडीए की बड़ी जीत हो.

झारखंड सरकार ने जनता को जमकर ठगने का किया है काम : बाबूलाल मरांडी

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इंडिया गठबंधन ने पांच वर्षों में झारखंड की जनता को सिर्फ छला है. जनता ठगा महसूस कर रही है. एनडीए जनता को इस तकलीफ से निकलना चाहती है. झारखंड सरकार ने राज्य के नौजवानों को भी ठगने का काम किया है. कहा कि हेमंत सोरेन ने अपने पिताजी का कसम खाकर कहा था कि अगर पांच लाख नौकरी नहीं मिलेगी तो हम संन्यास ले लेंगे. लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया. उन्होंने विधानसभा में खड़े होकर बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही थी. लेकिन आज तक नहीं मिला. हेमंत सोरेन लड़कियों को भी सुरक्षा भी नही दे पाये. 2022 में दुष्कर्म के मामले में पूरे देश में झारखंड प्रथम स्थान पर रहा. आदिवासियों की जमीन का फर्जी कागजात बना कर बेच डाला. आज झारखंड की डेमोग्राफी भी बदल गयी है. संथाल में आदिवासियों की संख्या 44 से घटकर 28 फीसदी पहुंच गयी है. आदिवासी आज चिंतित है. लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा को किसी बात की चिंता नहीं है. क्योंकि वह वोट बैंक की राजनीति कर रही है. कहा कि झारखंड की डेमोग्राफी को भी हमें ठीक करना है. सारे मुद्दों को लेकर जनता के बीच जायेंगे. कहा कि आज या कल बीजेपी की पहली सूची जारी हो सकती है.

पूर्व मंत्री रजक चंदनकियारी और केदार हाजरा जमुआ से हो सकते हैं झामुमो के प्रत्याशी

हेमंत ने कहा : भाजपा को सभी 81 सीटों पर इस बार डिब्बे में बंद करने का काम करेगी जनता

शुक्रवार को रजक और हाजरा को झामुमो में शामिल करते सीएम हेमंत सोरेन व कल्पना.

आजसू के उपाध्यक्ष उमाकांत रजक व जमुआ के भाजपा विधायक झामुमो में शामिल

कौशल आनंद। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही टिकटों को लेकर नेताओं में मारामारी तेज हो गई है. राजनेताओं में एक-दूसरी पार्टी में शामिल होने की होड़ लगने लगी है. शुक्रवार को एक तरफ भाजपा प्रदेश मुख्यालय में एनडीए के नेता सीट शेयरिंग को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में व्यस्त थे, वहीं भाजपा और आजसू के दो नेता झारखंड मुक्ति मोर्चा के पाले में चले गए. जमुआ विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक केदार हाजरा और चंदनकियारी विधानसभा सीट से पूर्व विधायक उमाकांत रजक अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ जेएमएम में शामिल हुए.

इस मौके पर सीएम हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने दोनों नेताओं का पार्टी में स्वागत किया. वहीं, सीएम हेमंत सोरेन ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि इस चुनाव में राज्य की सभी 81 विधानसभा सीट से बीजेपी को डिब्बे में बंद कर देंगे. जनता खुद फैसला करेगी. साथ ही कहा कि सब कुछ तय सीमा पर हो जाएगा, चिंता ना करें. जानकारी के अनुसार झामुमो केदार हाजरा को जमुआ और उमाकांत रजक को चंदनकियारी से महासमर में उतारेगा.

बाहरी नेता आकर झारखंड का माहौल खराब कर रहे - रजक : झामुमो की सदस्यता ग्रहण करने के बाद उमाकांत रजक ने कहा कि वह घर वापसी कर रहे हैं. भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बाहरी नेता आकर झारखंड का माहौल खराब करने का साजिश रच रहे हैं. ऐसे लोगों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में रोकने का काम किया जाएगा. उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में चंदनकियारी से नौजवान काम के सिलसिले में प्रवास कर गए हैं. वह चंदनकियारी की तस्वीर बदलेंगे. उन्होंने सवाल उठाया कि चुनाव के समय ही भाजपा को घुसपैठ क्यों नजर आ रहा है? इससे पहले रघुवर दास की सरकार में घुसपैठ क्यों नजर नहीं आया. यह एक गलत धारणा बनाने का भाजपा का षड़यंत्र है जिसे जनता समझ चुकी है. -शेष पेज 07 पर

सामंती सोचवाले झारखंड के विकास की बात कर रहे : सीएम

हेमंत सोरेन ने अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में दोनों नेताओं को झामुमो की सदस्यता दिलाने के बाद कहा कि केदार हाजरा और उमाकांत रजक का पार्टी में स्वागत है. मेरे बड़े भाई दुर्गा सोरेन के साथ लड़ने वाले और झारखंड आंदोलनकारी की भूमिका में रहने वाले उमाकांत रजक भी पार्टी में आशा के साथ हमसे जुड़े. कई वीर शहीदों और आंदोलनकारियों की बदौलत ही झामुमो आज भी झारखंडी हित में काम कर रहा है. इसी का परिणाम है कि सवा तीन करोड़ जनता सुख की नींद सो रही है. हेमंत ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि सामंती सोच वाले आज राज्य के विकास की बात करते हैं. कितने संघर्षों के बाद राज्य में आदिवासी-मूलवासी की सरकार बनी है. संवैधानिक संस्थाओं को कैसे निष्क्रिय कर दिया गया, यह किसी से छिपा नहीं है. लेकिन, झारखंड के लोग न कभी झुकें हैं ना कभी टूट सकते हैं. आज जरूरत है कि इस राज्य के आदिवासी दलित ताकत को एकजुट होकर साथ खड़े रहें, तभी हम अपना अधिकार और हक को बचा पाएंगे. मिलन समारोह में विधायक कल्पना सोरेन, भूषण बाड़ा, महासचिव विनोद पांडेय, सुप्रियो भट्टाचार्य सहित कई नेता शामिल रहे.

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला : कानून में कुछ खामियां, इसे दूर करने की जरूरत

बाल विवाह वाले कानून पर असर नहीं डाल सकता कोई पर्सनल लॉ

एजेंसियां। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को देश में बढ़ते बाल विवाह के मामलों से जुड़ी याचिका पर फैसला सुनाया. 10 जुलाई की सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था. यह याचिका सोसाइटी फॉर एनलाइटनमेंट एंड वॉलेंटरी एक्शन ने 2017 में लगाई थी. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बाल विवाह रोकथाम अधिनियम जरूरी है. इसमें किसी भी मजहब का पर्सनल लॉ आड़े नहीं आ सकता.

अदालत ने कहा कि बाल विवाह गलत है और इससे किसी के भी मनपसंद जीवनसाथी चुनने का अधिकार प्रभावित होता है. कोर्ट ने कहा कि बचपन में कराए गए विवाह अपनी पसंद का जीवन साथी चुनने का विकल्प छीन लेते हैं. सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने देश में बाल विवाह रोकथाम कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कई दिशा-निर्देश भी जारी किए. प्रधान न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि बाल विवाह की रोकथाम के कानून को पर्सनल लॉ के जरिए प्रभावित नहीं किया जा सकता. उन्होंने कहा कि इस तरह की शादियां नाबालिगों की जीवन साथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का उल्लंघन हैं. पीठ ने कहा कि अधिकारियों को बाल विवाह की रोकथाम और नाबालिगों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और उल्लंघनकर्ताओं को अंतिम उपाय के रूप में दंडित करना चाहिए. पीठ ने यह भी कहा कि बाल विवाह निषेध कानून में कुछ खामियां हैं. इसे दूर करने की जरूरत है.जागरूकता और शिक्षा की जरूरत बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 बाल विवाह को रोकने और इसका उन्मूलन सुनिश्चित करने के लिए लागू किया गया था. -शेष पेज 07 पर

नियंत्रण को लेकर क्या है आदेश

- बाल विवाह रोकने से जुड़े सभी विभागों के लोगों के लिए विशेष ट्रेनिंग की जरूरत
- हर समुदाय के लिए अलग अलग तरीके अपनाए जाएं
- हर मामले में दंडात्मक तरीके से सफलता नहीं मिलती
- समाज की स्थिति को समझ कर ही रणनीति बनाएं

शीर्ष कोर्ट की टिप्पणी

बाल विवाह निषेध कानून को पर्सनल लॉ से ऊपर रखने का मसला संसदीय कमेटी के पास लंबित है. इसलिए कोर्ट उस पर टिप्पणी नहीं कर रहा, लेकिन यह सच है कि कम उम्र में शादी लोगों को अपने पसंद का जीवनसाथी चुनने के अधिकार से वंचित कर देती है.

देश के नए चीफ जस्टिस संजीव खन्ना होंगे

नयी दिल्ली। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को रिटायर होंगे. उन्होंने अपने उत्तराधिकारी के तौर पर जस्टिस संजीव खन्ना के नाम की सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी है. जस्टिस खन्ना का नाम प्रस्तावित करते हुए सीजेआई ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है, जिसमें उन्हें देश का अगला चीफ जस्टिस बनाने का अनुरोध किया है. जस्टिस संजीव खन्ना का जन्म 14 मई 1960 को हुआ था. उन्होंने डीयू के कैंपस लॉ सेंटर से कानून की पढ़ाई की और 1983 में दिल्ली बार काउंसिल में वकील के रूप में अपना पंजीकरण कराया. अपने करियर के शुरुआती दिनों में उन्होंने तीस हजारी कोर्ट में प्रैक्टिस की और बाद में दिल्ली हाईकोर्ट में कार्य किया. उन्हें 18 जनवरी 2019 को सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत किया गया.

मधु कोड़ा के चुनाव लड़ने की उम्मीदों पर फिरा पानी

दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज की सजा को निलंबित करनेवाली याचिका

विधि संवाददाता। रांची/ दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट से झारखंड के पूर्व सीएम मधु कोड़ा को झटका लगा है. कोर्ट ने पूर्व सीएम की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने आगामी चुनाव लड़ने के लिए कोयला घोटाला मामले में अपनी सजा पर रोक लगाने की मांग की थी. जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने कहा, आवेदन खारिज कर दिया गया है.

मधु कोड़ा, पूर्व कोयला सचिव एचसी गुप्ता, झारखंड के पूर्व मुख्य सचिव एके बसु और कोड़ा के करीबी सहयोगी विजय जोशी को भ्रष्टाचार में लिप्त होने के लिए एक निचली अदालत ने तीन साल की जेल की सजा सुनाई थी. कोर्ट की एकल न्यायाधीश पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा, अपीलकर्ता को किसी भी सार्वजनिक पद पर चुनाव लड़ने की सुविधा देना उचित नहीं होगा, जब तक कि वह पूरी तरह बरी न हो जाए. कोर्ट ने कहा कि कोड़ा पर प्रथम दृष्टया मामला बनता है. लेकिन अदालत यह मानने को राजी नहीं है कि सिर्फ इसी आधार पर उनकी सजा पर रोक लगाई जा सकती है. अदालत ने कहा, मुकदमे के बाद ही अपीलकर्ता को अपराध के लिए दोषी ठहराया गया है.

बता दें कि कोलकाता स्थित कंपनी, विनी आयरन एंड स्टील उद्योग लिमिटेड (वीआईएसयूएल) को राज्य में राजहरा नॉर्थ कोल ब्लॉक के आवंटन में आपराधिक साजिश रचने और यूपीए राज के कोयला घोटाले में क्रमशः वीआईएसयूएल, कोड़ा और गुप्ता पर 50 लाख रुपए, 25 लाख रुपए और 1 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया था. वहीं, एके बसु पर भी 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया. दोषियों को उनकी अपील के लंबित रहने के दौरान जमानत दे दी गई थी.

पहले हाईकोर्ट ने फैसला रख लिया था सुरक्षित

इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने 3 सितंबर को झारखंड के पूर्व सीएम मधु कोड़ा की ओर से अपनी सजा के खिलाफ दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. इसमें उन्होंने 4,000 करोड़ रुपए के कोयला घोटाले में अपनी दोषसिद्धि को निलंबित करने की मांग की. इस दौरान सीबीआई ने कोड़ा की याचिका की स्वीकार्यता पर सवाल खड़े किए थे. जांच एजेंसी ने कहा था कि दोषसिद्धि को निलंबित करने की मांग वाली इसी तरह की याचिका को पहले भी खारिज किया जा चुका है. इसके साथ ही ये भी कहा था कि चूंकि 2020 के दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले ने अंतिम रूप ले लिया है, इसलिए नई याचिका दायर करके इस मुद्दे को फिर से नहीं उठाया जा सकता. बता दें कि पूर्व सीएम मधु कोड़ा को कोयला घोटाले में दोषी पाया गया था. उन्हें 16 दिसंबर, 2017 को पटियाला हाउस कोर्ट परिसर में एक स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने उन्हें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत तीन साल जेल की सजा सुनाई थी और 25 लाख रुपए का जुर्माना ठोंका गया था.

चिंताजनक हालात देश में महंगाई ने त्योहारों के उत्साह को किया फीका, लोगों के चेहरे भी लटके

इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स और दूसरी महंगी चीजों की शॉपिंग टाल रहे लोग!

लगातार न्यूज नेटवर्क

प्याज और टमाटर समेत खाने के तेल की कीमतों में उछाल ने उपभोक्ताओं के बजट को बिगाड़ कर रख दिया है. ये महंगाई तब आई है जब त्योहारी सीजन चल रहा है. अक्टूबर के आखिर में धनतरेस, दिवाली और नवंबर महीने के पहले हफ्ते में छठ महापर्व है. ऐसे में खाद्य वस्तुओं की महंगाई ने लोगों को अपने दूसरे खर्चों में कटौती करने को मजबूर कर दिया है.

इस त्योहारी सीजन में कमरतोड़ महंगाई के चलते भारतीय उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम्स जैसी महंगी खरीदारों को कम रहे हैं या फिर उसे टाल रहे हैं. बता दें कि अक्टूबर महीने से नवरात्रि के साथ त्योहारी सीजन की शुरुआत हो चुकी है, जो नवंबर महीने के मध्य तक जारी रहेगा. फेस्टिव सीजन की शुरुआत बेहद फीकी रही है. रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक इस फेस्टिव सीजन में इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेस के सेल्स की रफ्तार बेहद धीमी रही है. बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक इस वर्ष अक्टूबर में इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेस के सेल्स में बीते साल के मुकाबले केवल 5.7 फीसदी की बढ़ोतरी आई है. जबकि 8-10 फीसदी सेल्स में बढ़ोतरी का अनुमान था. हालांकि उन्होंने उम्मीद जाहिर करते हुए कहा कि सेल्स आने वाले दिनों में रफ्तार पकड़ सकती है.

अर्थव्यवस्था में सुस्ती के संकेत

ग्रामीण इलाकों में डिमांड और खपत में उछाल की बदौलत भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2025-25 के लिए आर्थिक विकास दर के 7.2 फीसदी के दर से बढ़ने का अनुमान जताया है. लेकिन ऑटो सेल्स और मैन्युफैक्चरिंग, पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स जैसे हाई इंडीकेटर्स और जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े अर्थव्यवस्था में कमजोरी के संकेत दे रहे. उसपर से आसमान छूती महंगाई कोढ़ में खाज का काम कर रही है. खाद्य वस्तुओं और खासतौर से सब्जियों की कीमतों में उछाल के चलते सितंबर 2024 में खुदरा महंगाई दर 5.49 फीसदी पर जा पहुंची है को खाद्य महंगाई दर 9.24 फीसदी रही है. साग-सब्जियों की महंगाई दर 36 फीसदी रही है. सीएआईटी के नेशनल प्रेसीडेंट बी सी भारतिया ने कहा कि प्याज और दूसरी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में उछाल का लोगों की खरीदारी पर असर पड़ा है. ट्रेंडर्स की संस्था सीएआईटी ने इस वर्ष त्योहारी सीजन में 4.25 लाख करोड़ रुपए के सेल्स का अनुमान जताया है जो पिछले साल के मुकाबले 13 फीसदी ज्यादा है.

ऑनलाइन सेल्स में छाई सुस्ती

ऑनलाइन सेल्स की रफ्तार भी धीमी है जिसकी इस दौरान कुल सेल्स में 15 फीसदी हिस्सेदारी है. क्रिसिल मार्केट इंटेलीजेंस एंड एनलटिक्स ते डायरेक्ट रिसर्च पुषाण शर्मा ने कहा कि एंट्री लेवल के मोबाइल फोन की सेल्स में कमजोरी नजर आ रही है. हालांकि प्रीमियम मॉडल्स की सेल्स बेहतर है. कंसलटेंसी फर्म रेडसीयर ने मौजूदा फेस्टिव सीजन में 1 से 1.2 ट्रिलियन डॉलर के सेल्स का अनुमान जताया है जो पिछले साल से 13 फीसदी ज्यादा है. हालांकि कस्टमर्स को लुभाने के लिए रिलायंस रिटेल अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स कंपनियां भारी डिस्काउंट ऑफर कर रही हैं. रिलायंस रिटेल के सीनियर एग्जीक्यूटिव दिनेश तलुजा ने एनालिस्ट्स को बताया कि जुलाई से सितंबर के दौरान फैशन कैटगरी में कमजोर सेल्स देखने को मिली थी लेकिन अब तेजी आ रही है.

विधानसभा चुनाव : पहले चरण की 43 सीटों पर चुनाव की अधिसूचना जारी, नॉमिनेशन शुरू

संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है. राज्य की 81 सीटों पर दो चरणों में मतदान होगा. पहले चरण का चुनाव 13 नवंबर और दूसरे चरण का 20 नवंबर को होगा. वहीं 23 नवंबर को चुनाव के नतीजे आयेंगे. झारखंड में पहले चरण के तहत 43 विधानसभा सीटों पर चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गयी. इसके साथ ही शुक्रवार से झारखंड की 43 विधासभा सीटों पर प्रत्याशियों के नॉमिनेशन की प्रक्रिया शुरू हो गयी. रांची, कांके व जमशेदपुर प. सीट से एक-एक नॉमिनेशन भरा गया. इस बार नामांकन पत्र ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों मोड में भरे जा सकेंगे. रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालयों में प्रत्याशी सुबह 11 बजे से 3 बजे तक नॉमिनेशन करा सकते हैं. प्रत्येक प्रत्याशी के साथ अधिकतम चार व्यक्ति आरओ चैंबर के अंदर प्रवेश कर पायेंगे. उम्मीदवार अगर रजिस्टर्ड पार्टी का है तो उसके लिए एक मतदाता प्रस्तावक होगा. वहीं निर्दलीय व गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टी के प्रत्याशी के साथ दस प्रस्तावक होने चाहिए. आरओ कार्यालय से 100 मीटर की दूरी तक प्रत्याशी तीन से अधिक वाहन नहीं ला सकते हैं. उम्मीदवार के लिए प्रदेश की किसी भी विधानसभा मतदाता सूची में नाम होना जरूरी है.

एक प्रत्याशी चुनाव में कर सकता है 40 लाख खर्च

उम्मीदवार अपने नये बैंक अकाउंट से चुनाव के सभी लेन-देन का काम करेंगे. चुनाव का हिसाब-किताब रखने के लिए एक खर्च रजिस्टर उम्मीदवार के पास और एक निर्वाचन कार्यालय में रखा जायेगा. एक प्रत्याशी 40 लाख रुपये इस चुनाव में खर्च कर सकता है. नामांकन के लिए सामान्य (जनरल) उम्मीदवार को दस हजार रुपये और अनुसूचित वर्ग के उम्मीदवार को पांच हजार फीस जमा करवानी होगी.

30 अक्टूबर तक नाम वापस ले सकते हैं प्रत्याशी

पहले चरण में जिन सीटों पर आज से चुनावी प्रक्रिया शुरू हो गयी है, उनमें कोडरमा, बरकट्ठा, बरही, बड़कागांव, हजारीबाग, सिमरिया, चतरा, बहरागोड़ा, घाटशिला, पोटका, जुगसलाई, जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिमी, ईचागढ़, सरायकेला, चाईबासा, मझगांव, जगन्नाथपुर, मनोहरपुर, चक्रधरपुर, खरसावां, तमाड़, तोरपा, खूंटी, रांची, हटिया, कांके, मांडर, सिसई, गुमला, बिशुनपुर, सिमडेगा, कोलेबिरा, लोहरदगा, मनिका, लातेहार, पांकी, डालटनगंज, विश्रामपुर, छतरपुर, हुसैनाबाद, गढ़वा और भवनाथपुर विधानसभा सीट शामिल है. 25 अक्टूबर को पहले चरण के नॉमिनेशन करने की अंतिम तारीख होगी. 28 अक्टूबर को नॉमिनेशन की स्क्रूटनि की जायेगी. वहीं 30 अक्टूबर को प्रत्याशियों के नॉमिनेशन वापस लेने का अंतिम दिन होगा. 13 नवंबर को पहले चरण का मतदान होगा.

सुविधा ऐप के जरिये ऑनलाइन भी नामांकन पत्र भर सकते हैं उम्मीदवार

चुनाव आयोग की ओर से जारी सुविधा ऐप के जरिए भी इच्छुक उम्मीदवार इस बार नामांकन पत्र ऑनलाइन भर सकेंगे. नामांकन फार्म भरते समय उम्मीदवार को अपनी तीन लेटेस्ट पासपोर्ट साइज फोटो, शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्र की फोटो कॉपी, चुनाव के लिए खुलवाये गये नये बैंक अकाउंट की कॉपी और एक एफिडेविट देना होगा, जिसे फॉर्म 26 कहा जाता है. इस शपथ पत्र में उम्मीदवार को अपनी चल-अचल संपत्ति, ऋण, देनदारी, आपराधिक रिकॉर्ड का पूरा विवरण देना है.

विस चुनाव 2024 : पुलिस महानिरीक्षक ने कानून व्यवस्था बनाए रखने का दिया निर्देश

हिस्ट्रीशीटर्स, सक्रिय अपराधकर्मियों, उपद्रवियों को चिह्नित कर कार्रवाई की जाए : आईजी

संवाददाता। रांची

विधानसभा चुनाव 2024 की तैयारियों को लेकर पुलिस महनिरीक्षक सह- राज्य पुलिस नोड्ल पदाधिकारी अमोल वेनुकांत होमकर की अध्यक्षता में शुक्रवार को राज्य में अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था बनाये रखने को लेकर की गयी तैयारियों की समीक्षा की गयी.

बैठक में पुलिस महानिरीक्षक ने लंबित वारंट, कुर्की जब्ती आदेश के निष्पादन की स्थिति, निरोधात्मक कार्रवाई, हिस्ट्रीशीटर्स और सक्रिय अपराधकर्मियों सहित अन्य उपद्रवियों को चिह्नित कर उनके विरूद्ध की जा रही कार्रवाई की जानकारी ली. अन्तरराज्यीय चेक पोस्ट को सक्रिय करने, शराब सहित अवैध मादक पदार्थों, अवैध हथियार और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान की जानकारी ली.

नक्सल अभियान की स्थिति पर चर्चा की गयी : विधानसभा आम चुनाव के दौरान प्रतिनियुक्ति किये जाने वाले सीएपीएफ/ सैप सहित अन्य केंद्रीय बलों के आवासन व परिवहन की पर्याप्त/ वैकल्पिक व्यवस्था, उग्रवादियों के विरूद्ध लगातार चलाये जा रहे नक्सल अभियान की स्थिति, नक्सल आसूचना व आपराधिक आसूचना के आदान-प्रदान की स्थिति पर चर्चा की गयी. इसके साख ही नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी एसओपी के अनुपालन की स्थिति, एरिया सैनेटाइजेशन प्लान, सोशळ मीडिया मॉनिटरिंग सेल की स्थिति, चुनाव संबंधी प्रशिक्षण की स्थिति और पूर्व के चुनावों से संबंधित लंबित कांडों की वर्तमान स्थिति के संबंध में विस्तार से चर्चा की गयी.

आचार संहिता का अक्षरशः अनुपालन कराया जाए

पुलिस महानिरीक्षक एवी होमकर ने सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग के लिए सभी जिलों में अफवाह फैलाये जाने केमामलों को लेकर विशेष निगरानी रखने सहित चुनाव पर्यवेक्षक/ महत्वपूर्ण व्यक्तियों/उम्मीदवारों को पर्याप्त सुरक्षा देने के साथ आगामी विधानसभा चुनाव- के मद्देनजर आदर्श चुनाव आचार संहिता का अक्षरशः अनुपालन कराने के संबंध में भी चर्चा की गयी. बैठक में आईजी एवी होमकर, पुलिस महानिरीक्षक अभियान प्रभात कुमार, पुलिस महानिरीक्षक, विशेष शाखा सह-नोड़ल पदाधिकारी वीआईपी मॉनिटरिंग अन्नेपु विजयालक्ष्मी, पुलिस महानिरीक्षक प्रशिक्षण सह-नोड़ल पदाधिकारी प्रशिक्षण इंद्रजीत महथा, पुलिस उप-महानिरीक्षक झारखंड जगुआर धनन्जय कुमार सिंह, पुलिस उप-महानिरीक्षक जे.वा.के. स्कूल, नेतरहाट अश्विनी कुमार सिन्हा, पुलिस उप-महानिरीक्षक संचार एवं तकनीकी सेवाएं कार्तिक एस सहित पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष शाखा सहित अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया.

प्रदेश कांग्रेस ने नेशनल मैनिफेस्टो कमेटी के कोऑर्डिनेटर को सौंपा घोषणा पत्र का प्रारूप

संवाददाता। रांची

प्रदेश कांग्रेस मैनिफेस्टो कमेटी द्वारा तैयार पार्टी का चुनावी घोषणा पत्र का प्रारूप (ड्रॉफ्ट) नेशनल मेनिफेस्टो कमेटी के कोऑर्डिनेटर अमिताभ दुबे को सौंपा गया. प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार सम्मेलन के दौरान प्रदेश कांग्रेस मैनिफेस्टो कमेटी के अध्यक्ष बंधु तिर्की सहित अन्य सदस्यों ने अमिताभ दुबे को प्रारूप दिया. मौके पर अमिताभ दुबे ने बताया कि बहुत सारी पार्टियां एजेंसी द्वारा तैयार मैनिफेस्टो जारी करती है. मगर कांग्रेस में ऐसा नहीं है. कांग्रेस जमीनी स्तर पर उतरकर जनता से बात करके उनके सुझावों को समाहित कर घोषणा पत्र तैयार करती है. कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र पूरी तरह रियलिटी पर आधारित होगा. पार्टी कोई भी खोखला दावा नहीं करेगी. वही वादा करेगी, जो कांग्रेस सरकार गठन के बाद कर सकती है या अपनी सरकार में उसे करवा सकती है. इस ड्राफ्ट को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी और अन्य राष्ट्रीय नेताओं के समक्ष रखा जायेगा. सभी बिंदुओं पर विचार करने और केंद्रीय नेताओं के सुझाव को इस घोषणा पत्र में समाहित करने के बाद इसे जारी किया जायेगा.

- **सभी बिंदुओं पर विचार कर पहले चरण के चुनाव से पहले कांग्रेस जारी करेगी घोषणा पत्र**

2019 के घोषणा पत्र का 95% काम, हमारी सरकार ने पूरा किया : बंधु तिर्की

इस मौके पर प्रदेश मैनिफेस्टो कमेटी के अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि हमारा घोषणा पत्र झारखंड के जल जंगल जमीन, भाषा संस्कृति, किसान, ग्रामीण बेरोजगारों और महिलाओं को केंद्र बिंदु में रखकर तैयार किया गया है. इसके साथ ही इस प्रदेश में रहने वाले दूसरे प्रदेश के लोगों के हितों की अनदेखी न हो इसका भी समावेश किया गया है. उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि पिछले चुनावी घोषणा पत्र का 95% वादा हमारी सरकार ने पूरा कर दिया है. आगे जो भी घोषणा पत्र जारी होगा, उसका हर छह माह में सोशल ऑडिट कराया जायेगा. इस मौके पर ड्राफ्ट कमेटी के सदस्य विधायक प्रदीप यादव, नेहा शिल्पी तिर्की, उमाशंकर अकेला, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, अशोक चौधरी, लाल किशन नाथ शाहदेव, राजेश गुप्ता छोटू सहित कई उपस्थित रहे

नीतीश एनडीए तो तेजस्वी इंडिया ब्लॉक से भरेंगे हुंकार

राजद और जदयू को झारखंड चुनाव में खोई जमीन तलाशने की चुनौती

संवाददाता। रांची

बिहार में ताकतवर मानी जाने वाली पार्टियां राजद और जदयू झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव में उतरने को लेकर तैयार हैं. ये दोनों पार्टियां पहले भी झारखंड के चुनावी समर में उतरती रही हैं लेकिन इनकी ताकत लगातार कमजोर होती रही है. इस चुनाव में एक बार फिर ये दोनों पार्टियां अपनी धमक दिखाने के लिए आतुर हैं. ऐसा नहीं कि बिहार की पार्टियां कोई पहली बार झारखंड के चुनावी समर में ताल ठोकने को तैयार हैं. बिहार से झारखंड के अलग होने के बाद से ही बिहार की पार्टियां झारखंड में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही हैं. शुरुआती दौर में जदयू और राजद ने झारखंड में अपनी ताकत का एहसास भी कराया था. हालांकि, बाद में इनका वोट बैंक खिसकता चला गया. झारखंड अलग राज्य बनने के बाद विधानसभा चुनाव 2005 में हुआ. इसके बाद हुए चुनावों में राजद और जदयू की उपस्थिति

लगातार कमजोर होती गई. झारखंड राज्य बनने के बाद हुए पहले चुनाव में जदयू के 16 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरे जिसमें से छह विजयी हुए. उस चुनाव में जदयू को चार प्रतिशत वोट मिले थे. इसके बाद जदयू के विधायकों की संख्या 2009 के विधानसभा चुनाव में घटकर दो रह गई. 2014 में हुए विधानसभा चुनाव में जदयू ने 19 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारे, लेकिन एक भी प्रत्याशी विधानसभा तक नहीं पहुंच सका. 2019 में भी जदयू को एक भी सीट नहीं मिली. इस बार एनडीए फोल्डर में जदयू को दो सीटें जमशेदपुर पश्चिम और तमाड़ दी गई हैं. देखना है कि रिजल्ट क्या आता है. बिहार की मुख्य विपक्षी पार्टी राजद की स्थिति भी कमोबेश जदयू की तरह है. 2005 के विधानसभा चुनाव में राजद ने 51 प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतारे और सात उम्मीदवार चुनाव जीतकर विधानसभा भी पहुंचे. लेकिन, इसके बाद 2009 के चुनाव में उनके विधायकों की संख्या घटकर पांच हो गई. वर्ष 2014 में हुए विधानसभा चुनाव में राजद ने सात सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे लेकिन एक भी प्रत्याशी चुनाव नहीं जीत सके. 2019 में राजद के सात उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरे और एक प्रत्याशी की जीत हुई. एक बार फिर राजद झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में है. लोगों का मानना है कि जदयू और राजद झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव में अपने सहयोगी दलों के साथ चुनावी मैदान में उतर कर अपने ग्राफ को बढ़ाने की कोशिश करेंगे.

समर्थकों संग पहुंचे झामुमो के रांची केंद्रीय कार्यालय, 51 हजार की पर्ची कटाई

दशरथ गागराई के भाई डॉ विजय ने चक्रधरपुर सीट से पेश की दावेदारी

शंभू कुमार। चक्रधरपुर

झारखंड मुक्ति मोर्चा के सक्रिय सदस्य सह पीपुल्स वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव व खरसावां विधायक दशरथ गागराई के छोटे भाई डॉ विजय सिंह गागराई चक्रधरपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से ताल ठोंकने की तैयारी में जुट गए हैं. डॉ विजय शुक्रवार को भारी संख्या में समर्थकों के साथ रांची गए और चक्रधरपुर सीट से बतौर झामुमो उम्मीदवार अपनी दावेदारी प्रस्तुत की. उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय कार्यालय में आवेदन पत्र जमाकर 51 हजार रुपये की पर्ची कटाई. बता दें कि झारखंड मुक्ति मोर्चा में जिन प्रत्याशियों को टिकट की चाह होती है, उन्हें सबसे पहले पार्टी कार्यालय में एक निर्धारित फॉर्म भरकर आवेदन देना पड़ता है. आवेदन जमा करने के साथ ही 51 हजार रुपये की फीस भी पार्टी फंड में जमा करनी पड़ती है.

अपने समर्थकों के साथ डॉ विजय सिंह गागराई

पार्टी का निर्णय सर्वमान्य होगा : डॉ विजय सिंह गागराई

दावेदारी पेश करने के बाद डॉ विजय सिंह गागराई ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव लड़ने का सबको समान अधिकार है. चक्रधरपुर से अपना आवेदन पार्टी कार्यालय में दे दिया है. पार्टी का निर्णय सर्वमान्य होगा. उन्होंने कहा झामुमो पार्टी मुझे टिकट देती है तो जीत सुनिश्चित करेंगे. उन्होंने कहा कि उन्हें चक्रधरपुर विधानसभा के मुखिया, मानकी, मुंडा, पंचायत प्रतिनिधि तथा ग्रामीणों का समर्थन प्राप्त है. सभी लोगों की मांग पर वह चक्रधरपुर का विकास व बदलाव को लेकर चुनाव लड़ना चाहते हैं. पार्टी मुझे एक बार मौका दे, उसे निराश नहीं होना पड़ेगा. उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में भी सांसद जोबा माझी को जिताने के लिए काफी संघर्ष किया था. जिसका परिणाम है कि आज जोबा मांझी सांसद बनीं हैं. पार्टी को टिकट देने पर जरूर विचार करना चाहिए. इस मौके पर बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता, मुखिया, मुंडा,मानकी व ग्रामीण उनके साथ उपस्थित थे.

मनोहरपुर विधानसभा सीट आजसू के खाते में गई

भाजपा नेता गुरुचरण नायक बोले हर हाल में मनोहरपुर से लड़ेंगे चुनाव

संवाददाता। चक्रधरपुर

एनडीए गठबंधन के तहत मनोहरपुर विधानसभा सीट आजसू के खाते में जाने के बाद मनोहरपुर के पूर्व विधायक सह वरिष्ठ भाजपा नेता गुरुचरण नायक ने बागी तेवर अपना लिया है. उन्होंने शुक्रवार को चक्रधरपुर प्रखंड कार्यालय के समीप पत्रकारों से कहा कि उन्होंने भाजपा के एक सच्चे सिपाही की तरह तन, मन व धन से काम किया. इसके बावजूद भाजपा ने उन्हें प्रत्याशी न बनाकर मनोहरपुर विधानसभा सीट आजसू के हवाले कर दिया. उनके समर्थकों में रोष है. वे इस बार चुनाव अवश्य लड़ेंगे. हालांकि अभी यह तय नहीं हुआ है कि वे किसी पार्टी के सिंबल से चुनाव लड़ेंगे या निर्दलीय खड़े होंगे.

डॉ. अजय पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप, आयोग से शिकायत

जमशेदपुर। चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर डॉ अजय कुमार स्पोर्ट्स किट, बैकपैक, जूता एवं अन्य सामग्री वितरित कर रहे थे. वोटरों को प्रलोभन देने का आरोप लगाकर भाजपा के पूर्व जिला प्रवक्ता अंकित आनंद ने इस मामले में केंद्रीय चुनाव आयोग, राज्य चुनाव आयोग और जिला निर्वाचन पदाधिकारी को ईमेल द्वारा पत्र भेजकर संज्ञान लेने और कठोर कार्रवाई करने का आग्रह किया है. मामले में केंद्रीय चुनाव आयोग ने संज्ञान लिया है और झारखंड राज्य चुनाव आयोग को मामले में आगे की कार्रवाई को कहा है.

बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेगा गैंगस्टर अमन साहू

आशीष टैगोर। लातेहार

गैंगस्टर अमन साहू ने बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की घोषणा की है. साहू द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, लातेहार मनोज कुमार सिंह की अदालत में शुक्रवार को एक याचिका एमसीए संख्या 677/ 2024 दाखिल की गई है. दाखिल याचिका में अपीलार्थी ने बालूमाथ थाना कांड संख्या 152/20 में हुई सजा को स्टे करने की मांग की है. पूछे जाने पर प्रार्थी के अधिवक्ता सुनील कुमार ने बताया कि अमन साहू को अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी प्रणव कुमार की अदालत ने तीन साल के कारावास और पांच हजार रुपये जुर्माना की सजा गत 27 जून को सुनाई थी. प्रार्थी ने उक्त आदेश को प्रधान सत्र न्यायाधीश की अदालत में क्रिमिनल अपील संख्या 40/ 2024 गत 20 जुलाई 2024 को दायर की थी. अदालत ने उस अपील की सुनवाई करते हुए गत 26 जुलाई 2024 को एडमिट कर लिया था. अधिवक्ता ने बताया कि साहू विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी होने की इच्छा रखते हैं, लेकिन इस कांड में सजा हो जाने से उन्हें परेशानी हो सकती है. इसलिए सजा को फाइनल हियरिंग तक स्टे करने की अपील गत 18 अक्टूबर को सेशन कोर्ट में याचिका दाखिल कर की गई है.

ऐलान पिता के मान-सम्मान को चोट नहीं पहुंचने दूंगा, जनता का साथ चाहिए : प्रकाश लाल सिंह

माधव लाल सिंह ने लिया संन्यास, बेटे प्रकाश संभालेंगे विरासत

संवाददाता। गोमिया

करीब आधा दर्जन बार के विधायक, संयुक्त बिहार सरकार में पूर्व मंत्री रहे माधव लाल सिंह ने राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है. उन्होंने अपनी विरासत अपने बेटे प्रकाश सिंह को सौंपने की घोषणा भी की. यह ऐलान उन्होंने अपने समर्थकों के साथ आहुत बैठक में किया. उन्होंने साफ कहा कि अब आगे की राजनीतिक विरासत वो अपने बेटे प्रकाश लाल सिंह को सौंप रहे. यहां की जनता 1985 से लेकर लगातार चुनाव में मदद करते आयी है. मुझे आशा है कि वही प्यार और अपनापन और विश्वास जनता मेरे पुत्र के साथ भी कायम रखेगी. उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से गोमिया की जनता मुझे वोट देकर चुनाव जिताती रही है, उसी प्रकार से आज मेरे पुत्र को जनता ने पुरजोर समर्थन और आर्थिक सहयोग देकर अपना इरादा साफ कर दिया है. उससे यह तय है कि गोमिया की जनता मेरे पुत्र को सहर्ष स्वीकार कर विधायक के रूप में देखना चाहती है.

प्रकाश ने कहा- पिता ने अपने कार्यों से गोमिया की जनता के दिलों में जो जगह बनाई और जो मान-सम्मान और प्रतिष्ठा पायी, उसे बरकरार रखूंगा.

प्रकाश लाल सिंह ने कहा कि पिताजी ने जो अपने कार्यों से गोमिया की जनता के दिलों में जो जगह बनाई है और जो मान-सम्मान इज्जत और प्रतिष्ठा पायी है. हमारा प्रयास रहेगा कि उस प्रतिष्ठा और मान सम्मान पर कभी भी आंच नहीं आने दूं. जनता के सुख-दुख में हमेशा साथ रहूंगा चाहे वो बेरोजगारी की समस्या हो या विकास या फिर किसी भी काम को ईमानदारी से करने का. इस बैठक के दौरान मौके पर महुआटांड़ मुखिया पति फूलचंद केवट, पूर्व पंचायत समिति लोधी एनुल अंसारी, समाजसेवी अमर सोनी, प्रमोद सिंह, बासुदेव यादव, बबलू यादव, ललित यादव, रोहित यादव, भुनेश्वर यादव, कैस्टो यादव, प्रदीप रवानी, आदित्य पांडे, राजेंद्र अग्रवाल, गोकुल सोनकर, चिदरी पंचायत समिति सरजू रविदास, पूर्व जिला परिषद गुल शरीफ, अंसारी, चैता मियां, बलराम पासवान, द्वारका रवानी, अंकुश भंडारी, धर्मेंद्र सिंह, चंद्रमा यादव, मुन्ना सिंह, बिट्टू प्रसाद सहित अन्य मौजूद थे.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शनिवार 19 अक्टूबर 2024 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 02, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 189 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

वकील को सामने लाने के लिए हाईकोर्ट में याचिका

रांची। ईडी को मैनेज करने के लिए कांके सीओ जय कुमार राम, धनबाद के डीटीओ दिवाकर द्विवेदी समेत लैंड स्कैम के अन्य आरोपियों से वसूली करने से जुड़े केस में जिस अधिवक्ता के ठिकाने पर एजेंसी ने रेड की थी, उस अधिवक्ता को पेश करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी है. याचिका में कहा गया है कि ईडी के नाम पर वसूली के बाद एजेंसी ने जांच शुरू की थी और पुलिस भी इस मामले में जांच कर रही है. इस बीच अधिवक्ता सुजीत कुमार पिछले कई दिनों से लापता है और उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल रही है, इसलिए उन्हें सामने लाया जाना चाहिए.

होमगार्ड जवानों को दें एरियर का लाभ

रांची। होम गार्ड के जवानों द्वारा दाखिल अवमानना याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के बाद कोर्ट ने सरकार को यह निर्देश दिया कि 25 अगस्त 2017 से होम गार्ड के जवानों को बढ़े वेतन के साथ एरियर दिया जाए. इसके साथ ही मौखिक में कहा कि 5 जनवरी तक एरियर का लाभ नहीं मिलता, तो कोर्ट ज़िम्मेदारों पर अवमानना की कार्रवाई शुरू करेगा. सुनवाई जस्टिस डॉ एसएन पाठक ने की. दरअसल 10 अगस्त को सीएम ने जवानों को पुलिस के समकक्ष समान कार्य का समान वेतन देने का आदेश जारी किया. लेकिन कोर्ट ने कहा कि जब से आदेश दिया है, उसी तारीख से जवानों को समान वेतन का लाभ देना है.

कोयला चोरी के आरोपों की सीबीआई जांच पर रोक

रांची/दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें हाईकोर्ट ने धनबाद में कोयला चोरी और इसमें पुलिस संलिप्तता की सीबीआई जांच का आदेश दिया था. जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत 3 अक्टूबर को इस मामले में प्रतिवादी बने सभी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ जांच करने का निर्देश सीबीआई को दिया था. हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रूख किया था. शुक्रवार को सुनवाई करते हुए शीर्ष कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है. रोक के बाद सीबीआई कथित रूप से कोयला चोरी और इसमें पुलिस की संलिप्तता की जांच नहीं कर पाएगी.

कोल परियोजना में लगे हाइवा में आगजनी

बालूमाथ (लातेहार)। लातेहार में उग्रवादियों और आपराधिक संगठनों का उत्पात कम होने का नाम नहीं ले रहा है. वे लगातार लेवी के लिए विकास कार्य में लगे वाहनों में आगजनी की घटना को अंजाम देते हैं. एक बार फिर बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत संचालित मगध कोल परियोजना क्षेत्र में आगजनी की गयी है. आपराधिक संगठन ने लेवी की मांग को लेकर कोयला ढुलाई में लगे एक हाइवा में आगजनी की है. इस आगजनी में हाइवा पूरी तरह से जलकर खाक हो गया. अपराधियों ने घटनास्थल पर शूटर प्रदीप गंझु के नाम का पर्चा भी छोड़ा है.

प्रखंड एवं अंचल कार्यालय का चक्कर लगाने को विवश हैं लोग, मुख्य सचिव व प्रधान सचिव से शिकायत

झारनेट ठप रहने से प्रभावित हो रहीं सरकारी सेवाएं

सुनील पांडेय। जमशेदपुर

झारखंड सरकार द्वारा क्रियान्वित व्यापक नेटवर्क संरचना, झारखंड स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क (झारनेट) इन दिनों सरकारी कर्मचारियों एवं आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया है. पर्याप्त नेटवर्क कनेक्टिविटी नहीं होने के कारण सरकारी सेवाएं बाधित हो रही हैं. महीनों से कई सेवाएं ठप हैं. जिसके चलते लोगों को प्रतिदिन प्रखंड एवं अंचल कार्यालयों का चक्कर लगाना पड़ रहा है. सरकारी कर्मचारी नेटवर्क की समस्या बताकर अपना पल्ला झाड़ ले रहे हैं.

सबसे ज्यादा भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग की झारभूमि पोर्टल पर प्रभाव

झारनेट से सबसे ज्यादा भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग की झारभूमि पोर्टल प्रभावित हो रही हैं. उक्त पोर्टल के माध्यम से दाखिल-खारिज, सीमांकन, परिशोधन, अपीलवाद जैसे कार्य होते हैं. सभी सेवाओं की समयावधि तय है. लेकिन झारनेट सेवा प्रभावित होने के कारण लोगों को समय पर सरकारी सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है. ज्ञात हो कि पूर्व में बीएसएनएल अथवा दूसरी सेवा प्रदाता कंपनियों की इंटरनेट सेवा के माध्यम से सरकार के विभागीय पोर्टल खुल जाते थे. जिससे कर्मचारी अपना आईडी एवं पासवर्ड डालकर लॉगिन कर सेवाएं प्रदान करते थे. कुछ महीने पहले ही सरकार ने दूसरी कंपनियों की सेवाएं हटाकर सभी को झारनेट से जोड़ दिया. जिसके कारण सर्वर ठीक ढंग से काम नहीं कर रहा है.

मुख्य सचिव से शिकायत

सरकार की झारनेट सेवा के ठीक से काम नहीं करने तथा ठप होने की शिकायत आरटीआई कार्यकर्ता कमलेश श्रीवास्तव ने मुख्य सचिव एवं भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग के प्रधान सचिव से की. कहा कि जिस मंशा से सरकार ने अपने सभी विभाग एवं सेवाओं को झारनेट से जोड़ने का निर्णय लिया है. वह धरातल पर फेल साबित हो रहा है. खासकर भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग की सेवाओं से लोग वंचित रह रहे हैं. वहीं कहा कि जब से सामाजिक सुरक्षा विभाग के अंतर्गत मंईयां सम्मान योजना झारनेट से जोड़ा गया है तब से स्थित और बदतर हो गई हैं. योजना का फॉर्म सर्वर ठप होने की वजह से लॉगिन नहीं हो पा रहा है.

एनआईसी से की गई है शिकायत : अंचलाधिकारी

अंचल अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि सरकार की अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन हैं. झारनेट सेवा ठीक से काम नहीं करने के कारण काम करने में काफी कठिनाइयां हो रही हैं. इसकी शिकायत एनआईसी (नेशनल इंफोरमेटिक्स सेंटर) से की गई हैं.

गहमागहमी : इंडिया गठबंधन में चुनावी तैयारियां जोरों पर

झारखंड में लूट के ही लिए बना आज नापाक गठबंधन : झामुमो

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने झारखंड में बने एनडीए गंठजोड़ पर तंज कसा है. कहा कि आज झारखंड में लूट, समाज को बांटने, समाज में जहर घोलने, जाति-धर्म की फसाद खड़ा करने के लिए एक नापाक गंठजोड़ का स्वरूप दिखा. आजसू पर तंज कसते हुए कहा कि जो पिछली बार गांव की सरकार बनाने निकले थे, अब सरकार बदलने के लिए वह पार्टी दस पर आकर अटक गयी. अब सरकार बदलने के लिए पता नहीं 10 में एक सीट भी जीत पाएंगे या नहीं, यह तो 23 नवंबर को पता चल पाएगा. जिसकी बदौलत केंद्र में सरकार में है, जिसकी बैशाखी पर दिल्ली में सरकार है, वह दो सीट पर आकर सिमट गए. एक केंद्रीय मंत्री एक सीट के लिए याचना करते रहे. मगर झारखंड में यह गंठजोड़ नहीं चलेगा, आगामी 13 एवं 20 नवंबर को झारखंड के आदिवासी-मूलवासी, किसान, युवा, ग्रामीण, महिला ऐसी चोट करेंगे कि यह लोग डबल डिजिट में भी नहीं आ पाएंगे. रही बात भाजपा की तो यहां पर कॉरपोरेट लूट के लिए यह गंठजोड़ उसने बनाया है. यह बातें पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने आयोजित एक प्रेस वार्ता में कही.

झामुमो में एक नहीं हजारों आने को तैयार, मगर हमने कह दिया अभी नो एंट्री : सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि आज जो लोग झामुमो में आए वह एक बानगी थी. अभी तो इनके कैंडिडेट आने बाकी हैं, सूची जारी होते ही तबाही मचेगी. एक नहीं हजारों हमारे दल से संपर्क में हैं. मगर हमने कहा दिया है कि अभी नो एंट्री, पहले पश्चयताप करो, फिर संघर्ष करो तब ही मिलेगी एंट्री. उन्होंने कहा कि उनके पार्टी में आज दो दलित नेता शामिल हुए. उन्होंने बताया कि वो जहां थे, वहां न तो उन्हें बोलने की आजादी थी, ना अपने लोगों के लिए कुछ करने की. वे लोग घुटन महसूस कर रहे थे. इससे पता चलता है कि भाजपा एवं उनके सहयोगी दलों में आदिवासी, दलित और वंचित समाज के लोगों की क्या स्थिति है, क्या सोच है.

सुप्रियो के बोल

एनडीए गठबंधन पर झामुमो ने कसा तंज

पिछली बार गांव की सरकार बनाने निकले आज अटक गए 10 पर, देश के केंद्रीय मंत्री एक सीट के लिए करते रहे याचना, जिसके बैसाखी पर केंद्र में सरकार वे दो पर ही आकर सिमट गए.

कांग्रेस चुनाव समिति ने 81 सीटों पर तीन-तीन नाम तय किये, अब केंद्रीय नेतृत्व लेगा निर्णय

कांग्रेस की प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में शामिल पार्टी के वरिष्ठ नेता.

विशेष संवाददाता। रांची

- दिन भर रही कांग्रेस भवन में दावेदारों की गहमा-गहमी, बड़े नेताओं को अपना नाम प्रस्तावित करने का करते रहे निवेदन
- मांडू और पौड़याहाट सीट ग्रास रूट कांग्रेसियों को देने की गुहार, मांडू पर झामुमो के दावे से जेपी पटेल दिखे व्याकुल

प्रदेश कांग्रेस चुनाव समिति की बैठक शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस भवन में हुई. बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने की.

बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर शामिल हुए. बैठक में सभी 81 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा हुई. समिति के सदस्यों द्वारा प्रत्येक विधानसभा के लिए तीन-तीन नामों की अनुशंसा की. यह रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को सौंप दी गयी. अब इसमें केंद्रीय नेतृत्व सीट शेयरिंग और प्रत्याशियों के चयन के लिए अधिकृत किया गया. इससे पूर्व बैठक में शामिल सदस्यों ने विधानसभा वार सीटों के संदर्भ में गठबंधन पर समीकरणों के साथ चर्चा की साथ ही शीर्ष नेतृत्व द्वारा घोषित उम्मीदवार की जीत के लिए एकजुट होकर कार्य करने पर बल दिया गया. बैठक में सह प्रभारी सप्तगिरि शंकर उल्का, सीरीबेला प्रसाद श्री राजेश ठाकुर, प्रदीप कुमार बालमुचू, सुबोधकांत सहाय, कालीचरण मुंडा, सुखदेव भगत, प्रणव झा, बन्ना गुप्ता, दीपिका पांडे सिंह, प्रदीप यादव, रामचंद्र सिंह, भूषण बाड़ा, विक्सल कोनगाड़ी, सोनाराम सिंकू, उमाशंकर अकेला, शिल्पी नेहा तिर्की, बंधु तिर्की, अंबा प्रसाद, धीरज प्रसाद साहू, फुरकान अंसारी, चंद्रशेखर दुबे, संजय लाल पासवान, जलेश्वर महतो, जयशंकर पाठक, रविंद्र सिंह, शहजादा अनवर, मानस सिन्हा, अमूल्य नीरज खलको, रमा खलको, भीम कुमार, अशोक चौधरी, सुल्तान अहमद, आलोक दुबे, मणिशंकर, अभिजीत राज, गुंजन सिंह, विनय होरो, नेली नाथन उपस्थित थे.

कई सीटों को लेकर गहमा-गहमी, जेपी पटेल दिखे टेंशन में : बैठक को लेकर आज दिन भर कांग्रेस भवन में दावेदारों की गहमा-गहमी रही. बैठक के बाहर दावेदार बड़े नेताओं को अपना नाम लिखकर देते हुए दिखे. निवेदन करते रहे कि सर, मेरा नाम आप जरूर प्रस्तावित कीजिएगा. दावेदारों में बैचनी भी दिखी. प्रदीप यादव की सीट पौड़याहाट और जेपी पटेल की सीट मांडू को लेकर महौल गर्म रहा.

इन सीटों पर कांग्रेस के ग्रास रूट कांग्रेस को ही टिकट देने की मांग उठी. वहीं मांडू सीट पर झामुमो की दावेदारी से जेपी पटेल बचैन और व्याकुल दिखे. बतातें चलें कि निलंबित सीटिंग विधायक जेपी पटेल भाजपा के टिकट पर लड़े थे मगर लोकसभा चुनाव में वे कांग्रेस में शामिल हो गए, इस कारण कांग्रेस मांडू सीट झामुमो से मांग रही है. मगर फिलहाल झामुमो इस सीट को छोड़ने के मूड में नहीं दिख रहा है. इससे जेपी पटेल की टेंशन बढ़ी हुई है. रांची के बदले कांग्रेस सिल्ली सीट छोड़ने का दबाव बन रही है. इस सीट से रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व आजसू नेता राकेश किरण महतो जोर अजमाईश कर रहे हैं.

हेमंत से मिले चमरा की नाराजगी खत्म विशुनपुर से लड़ेंगे चुनाव

रांची। मुख्यमंत्री और झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन के बुलावे पर पार्टी के विशुनपुर विधायक चमरा लिंडा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पहुंचे. जहां पर दोनों के बीच लंबी मंत्रणा हुई. इस बातचीत के बाद चमरा लिंडा की नाराजगी और शिकायतें दूर हो गयी. अब चमरा लिंडा ही विशुनपुर से झामुमो के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे. मिली जानकारी के अनुसार बहुत जल्द ही चमरा लिंडा को पार्टी निलंबन मुक्त कर सकती है. बतातें चलें कि गत लोकसभा चुनाव में गठबंधन प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव लड़ने के कारण उन्हें छह वर्ष के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया गया था. जानकारी के अनुसार बैठक में अपने स्वास्थ्य कारणों से चमरा लिंडा ने अपनी पत्नी को चुनाव लड़ाने की बात सीएम के समक्ष रखी. मगर सीएम ने यह कह कर मना कर दिया कि उनके लिए बहुत अधिक ताकत लगानी होगी. इसलिए आप ही लड़िए चुनाव. पार्टी और आपको दोनों को सहूलियत होगी.

आज राहुल के आने के बाद उठेगा 'इंडिया' की सीट शेयरिंग का पर्दा

विशेष संवाददाता। रांची

- तेजस्वी रांची पहुंचे, पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा शुरू, आज एकसाथ बैठ सकते हैं राहुल, हेमंत सोरेन और तेजस्वी
- आज राहुल गांधी एक बजे से शाम छह बजे तक सिविल सोसायटी द्वारा आयोजित संविधान सम्मान सम्मेलन में हिस्सा लेंगे

विस चुनाव को लेकर शुक्रवार को रांची का राजनीतिक पारा चढ़ा रहा. जहां एनडीए के सीट शेयरिंग का पर्दा उठा, वहीं इंडिया ब्लॉक में चर्चा और कयासबाजी चली.

झामुमो ने बड़ी सेंध लगाते हुए आजसू के उमाकांत रजक और भाजपा विधायक केदार हाजरा को अपनी पार्टी में इंट्री दे दी. कांग्रेस का दिन व्यस्त कार्यक्रमों और राहुल गांधी के दौरे की तैयारी में बीता. वहीं, राजद नेता तेजस्वी यादव देर शाम रांची पहुंचे. इसलिए सीट शेयरिंग का मामला शुक्रवार को सुलझा. अब 19 को राहुल गांधी के रांची आने के बाद ही इंडिया गठबंधन के सीट शेयरिंग से पर्दा उठने की बात कही जा रही है. जानकारी के अनुसार राहुल शाम छह बजे के बाद हेमंत सोरेन और तेजस्वी यादव के साथ मुलाकात करेंगे. इसके बाद ही फाइनल रूप से सीट शेयरिंग की पूरी तस्वीर सामने आएगी.

राहुल गांधी आज पांच घंटे संविधान सम्मान सम्मेलन में रुकेंगे : रांची के विभिन्न सिविल सोसायटी के द्वारा 19 अक्टूबर को रांची के जैप भवन में संविधान सम्मान सम्मेलन का आयोजन किया गया है. जिसमें वे महिलाओं, दलितों, आदिवासी, अन्य पिछड़ा वर्ग, धार्मिक अल्पसंख्यकों, सवर्ण गरीब एवं बहुजन गरीब, प्रत्येक कमजोर और पिछड़े भारतवासी के अधिकारों को पारिभाषित करने वाले संविधान पर चर्चा में हिस्सा में लेंगे. इस कार्यक्रम में राहुल गांधी बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे. वे दिन के एक बजे से शाम के छह बजे तक रुकेंगे. अंत में राहुल गांधी का भाषण होगा. यह पूरी तरह से गैर राजनीतिक कार्यक्रम होगा.

रांची पहुंचने के बाद तेजस्वी होटल में देर रात तक नेताओं कार्यकर्ताओं से करते रहे चर्चा

उधर, तेजस्वी यादव शाम को साढ़े सात बजे सड़क मार्ग से रांची पहुंचे. उनके साथ सांसद मनोज झा, संजय यादव भी आए हैं. रांची पहुंचने के बाद एक होटल में वे पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिलते रहे और चर्चा करते रहे. मिली जानकारी के अनुसार तेजस्वी यादव शनिवार को पार्टी नेताओं के साथ चुनावी रणनीति, सीट शेयरिंग और प्रत्याशियों पर चर्चा करेंगे. इसके बाद शाम को वे हेमंत सोरेन से मिलेंगे.

पलामू:माओवादियों के खिलाफ पुलिस को मिली बड़ी सफलता

- झरना पहाड के पास से .303 मैगजीन व बोल्ट लगा एक राईफल समेत 994 कारतूस बरामद

मेदिनीनगर। पलामू के पिपरा थाना पुलिस ने माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे हैं अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है. पुलिस ने पहलदेवा से चेरीधाम जाने वाले रास्ते में स्थित झरना पहाड के तराई के पास से एक .303 मैगजीन एवं बोल्ट लगा राइफल जिस पर 23857 लिखा हुआ है समेत 0.22 एमएम का 914, पैंदे पर 30-06 एसपीआरजी पीपीयू लिखा 54, तथा 30-06 एसपीआरजी एसएंडपी लिखा 26 कारतूस बरामद किया है. इस संबंध में कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में पलामू एसपी रिष्मा रमेशन ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पीपरा झरना पहाड के पास किसी अप्रिय घटनाओं को अंजाम देने को लेकर माओवादी नितेश यादव उर्फ इरफान, संजय यादव उर्फ गोदराम व इनताज अंसारी उर्फ ठेंगन मिंया समेत अन्य पांच माओवादियों द्वारा भारी मात्रा में हथियार एवं गोली को जमीन में छुपाकर रखा गया है. सूचना के बाद छापामारी के दौरान हथियार व कारतूस के अलावा एक पुराना बिना ढक्कन का स्टील कैन को बरामद किया गया है. उन्होंने बताया कि इस संबंध में संबंधित लोगों पर आर्म्स एक्ट की धारा-25 (1)/26/35 के तहत पीपरा थाना कांड सं0-50/24 दर्ज किया गया है और पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है.

सारंडा में नक्सलियों के प्रेशर बम की चपेट में आने से युवक की मौत

संवाददाता। किरीबुरु

- पुलिस ने टोंटो जंगल से एक आइइडी किया बरामद

टोन्टो थानान्तर्गत वनग्राम लुईया के आसपास शुक्रवार को जंगली/पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाये गये एक आइइडी बरामद कर बम निरोधक दस्ता की सहायता से नष्ट कर दिया गया है. यह जानकारी एसपी आशुतोष शेखर ने दी.

एसपी ने बताया कि इसके अलावा 17 अक्टूबर की सुबह 7 बजे जराईकेला थानान्तर्गत वनग्राम समठा के आस-पास हरादिरी जंगल में एक प्रेशर बम विस्फोट की घटना हुई है. उक्त घटना में सुनील सुरीन (40), पिता मंगरा सुरीन ग्राम मकरंडा टोला नवाडीह थाना जराईकेला गंभीर रूप से जख्मी हो गया था. जख्मी अवस्था में ग्रामीणों ने उसे घर ले गये और इलाज कराने लगे. सुनील सियाल पत्ता तोड़ने जंगल गया था. उक्त घटना की सूचना शुक्रवार को दोपहर 12 बजे सुनील सुरीन की मृत्यु के बाद थाना को दी गई है. उक्त घटना की सूचना प्राप्त होते ही चाईबासा पुलिस मृत सुनील सुरीन का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज रही है.

एसपी ने कहा कि एक संयुक्त अभियान गोईलकेरा थानान्तर्गत ग्राम कुईड़ा, छोटा कुईडा, मारादिरी, मेरालगडा, हाथीबुरु, तिलायबेडा बोयपाईससांग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय, लेमसाडीह के सीमावर्ती क्षेत्र तथा टोन्टो थानान्तर्गत ग्राम हुसिपी, राजाबासा, तुम्बाहाका, रेगडा, पाटातोख, गोबुरू, लुईया के सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रारंभ किया गया है. अभियान अभी आगे भी जारी रहेगा.

अच्छी खबर : शुभम संदेश से बातचीत में बोले कवि, उपन्यसकार और लेखक नीलोत्पल मृणाल

इंटरनेट से कोई फर्क नहीं, खूब बढ़ी है अच्छी किताबों की पठनीयता

विश्वजीत भट्ट। जमशेदपुर

बहुत हाय-तौब मची थी कि इंटरनेट आने के बाद किताबों खासकर हिंदी, की पठनीयता बहुत कम हो जाएगी. हिंदी साहित्य की अच्छी किताबों ने इस मिथक को तोड़ा. नेट आने के बावजूद किताबों की पठनीयता बढ़ी.

उदाहरण के रूप आप मेरी ही किताब डार्क हार्स को ले सकते हैं जिसकी अब तक 10 लाख प्रतियां बिक चुकी हैं. भारत में हिंदी के किसी जीवित लेखक की किताब की इतनी अधिक प्रतियां बिकने का यह अपने आप में एक रिकार्ड है. यह रील बनाने वाले जो लड़के हैं. इनकी जीभ पर मोमो चढ़ा हुआ है. चाऊमीन की लत लगी हुई है. पिज्जा सटा हुआ है. यह परत हम लोग खोलते हैं. अपने गीतों से. अपनी कविताओं से. कलम से. हम लोग वह परत उतारते हैं. हम समाज के लिए लिखते हैं. हमारा ईंधन अपने समाज से ही आएगा. हम इससे जुड़े नहीं रहेंगे तो हम कुछ कर नहीं पाएंगे.

उपरोक्त बातें कवि, उपान्यसकार व लेखक नीलोत्पल मृणाल ने कही. वे शुक्रवार को सरायकेला जिला प्रशासन की ओर से आदित्यपुर में आयोजित छाप साहित्य महोत्सव में भाग लेने के लिए आए थे. वे शुभम संदेश से अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे. उन्होंने कहा कि एक भ्रम बहुत बड़े आकार में यह फैला हुआ था कि मंच और गंभीर लेखन एक साथ संभव नहीं है. हमने इस भ्रम को तोड़ने का बहुत हद तक प्रयास किया. मंचों पर पूरी तरह सक्रिय रहे और गंभीर लेखन भी करते रहे. पद्य और गद्य दोनों को एक साथ साधने की कोशिश लगातार जारी है.

उन्होंने कहा कि 20 वर्षों से हिंदी कविता व साहित्य में देशभक्ति व श्रृंगार का बाजार बूम पर है. इस मिथक को भी तोड़ते हुए मंचों पर हम युवा जोश, प्रकृति व सामान्य जीवन समेत अन्य विषयों को लेकर आए. एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि झारखंड साहित्य का भविष्य बहुत धुंधला नजर आ रहा है. चाहे हिंदी साहित्य हो या आदिवासी साहित्य, दोनों की स्थिति खराब है. जागरूकता की कमी है. पाठन-पाठन का सामाजिक व सांस्कृतिक माहौल कहीं भी नजर नहीं आ रहा है. ऐसे में छाप साहित्य महोत्सव जैसे कार्यक्रम उम्मीद जगाते हैं. पाठन-पाठन का माहौल बनाते हैं और भविष्य के लिए एक साफ सुथरा व चौड़ा रास्ता बनाते हैं. सरायकेला के उपायुक्त रविशंकर शुक्ला का साहित्य के प्रसार में विशेष योगदान है. ये जब दुमका में थे तब संथाल परगना में साहित्य के प्रसार के लिए खूब काम किया. राष्ट्रीय स्तर के आयोजन कराए. सरायकेला आए तो यहां भी साहित्य के प्रसार के लिए बेहतर प्रयास कर रहे हैं. साहित्य के प्रति गहरी रुचि रखने वाले ऐसे प्रशासकों के प्रयास से एक बेहतर माहौल बनता है.

डार्क हार्स ने खूब दिलाई प्रसिद्धि: डार्क हॉर्स किताब लिखकर सुर्खियों में आए नीलोत्पल मृणाल किसी परिचय के मोहताज नहीं है. नीलोत्पल मृणाल वर्तमान परिदृश्य में पुरानी बातों को गंवई अंदाज में कह कर लोगों के बीच काफी प्रसिद्ध हो चुके हैं. सरकार से लेकर सरकारी व्यवस्था पर कटाक्ष करती उनकी कविताएं सिस्टम को झकझोर देती है. साथ ही युवाओं के क्रियाकलाप पर भी वे काफी गहराई से लिखते हैं.

नीलोत्पल मृणाल की बेस्ट सेलर किताबें

डार्क हार्स	अब तक 10 लाख प्रति
औघड़	अब तक तीन लाख प्रति
यार जादूगर	अब तक एक लाख प्रति

कौन हैं नीलोत्पल

नीलोत्पल बिहार के मुंगेर जिला के रहने वाले हैं. वर्तमान समय में झारखंड के दुमका में रहते हैं. इनके पिता विजय कुमार सरकारी अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं. नीलोत्पल पिछले 10 सालों से लेखन व कविताओं से जुड़े हुए हैं. इनकी शिक्षा दीक्षा संत जेवियर्स कॉलेज रांची से हुई है. इनके चाचा गोपाल जी तिवारी आईएएस अधिकारी हैं. नीलोत्पल ने दिल्ली में यूपीएससी की तैयारी के दौरान लेखन शुरू किया. इनकी कविताएं इलाहाबाद के लड़कों..., दुनिया ऐसी हुआ करती थी... और हम मिट्टी के लोग हैं बाबू... आदि बहुत ही प्रसिद्ध हैं.

ब्रीफ खबरें

घर के बाहर खड़ी बाइक चुरा कर ले भागे बदमाश

लातेहार। चारों ने घर के बाहर रखी बाइक को चुरा कर ले गये. घटना जिले के मनिका थाना क्षेत्र की है. वाहन मालिक सत्येंद्र यादव ने इसकी शिकायत मनिका थाना में की है. उन्होने बताया कि 17 अक्टूबर को वह बंदुआ पंचायत के बागडेरवा गांव गया था. उसकी नानी की मृत्यु हो गयी थी और उनके अंतिम संस्कार में वह भाग लेने गया था. शाम अधिक होने के कारण वह वहीं रूक गया था. उसने अपनी बाइक (जेएच-9डी-5487) को नानी घर के बाहर हैंडल लॉक कर खड़ा किया था. सुबह जब वह उठे और बाहर देखा तो उनकी बाइक वहां नहीं थी.

दो बाइक की टक्कर में एक युवक की मौत

गढ़वा। बिशुनपुरा थाना क्षेत्र के पिपरी गांव में दो मोटरसाइकिल के टक्कर में एक की मौत हो गई. मृतक पिपरी कला गांव निवासी कन्हाई चंद्रवंशी का पुत्र रंजीत कुमार 19 वर्ष बताया गया है घटना के संबंध में प्रजनन में बताया कि रंजीत कुमार अपने घर से मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव में ही डीलर के यहां अंगूठा लगाने के लिए गया हुआ था वहां से अंगूठा लगाकर वापस आने के क्रम में पिपरी गांव के पास विपरीत दिशा से आ रही बाइक सवार ने उसकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दिया.

कीटनाशक खाकर महिला ने जान देने की कोशिश की

गढ़वा। थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव निवासी दीपक राम की पत्नी रूपा देवी 22 वर्ष ने कीटनाशक खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया. उसे इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है.घटना के संबंध में रूपा देवी की मां धरमडीहा गांव निवासी लाल बिहारी राम की पत्नी शकुंतला देवी ने आरोप लगाया है कि रूपा देवी की शादी 3 साल पूर्व दीपक राम से किया था. शादी के कुछ दिन में बाद से दीपक राम उसे बराबर मारपीट करते रहता था. लेकिन दीपक राम पंचायत में अपनी गलती स्वीकार पंचायत में माफी मांग कर निकल जाता था.

किराना दुकान से शराब बरामद, विक्रेता गिरफ्तार

गढ़वा। गढ़वा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गढ़वा थाना क्षेत्र के डुमरो फोरलेन के पास एक किराना की दुकान से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब पुलिस ने जप्त किया है. शराब की बिक्री कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान गढ़वा थाना क्षेत्र के डुमरो गांव निवासी ओमकार कुमार बताया गया है.

मतदान केंद्रों पर रैंप, व्हील चेयर, चेयर व मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का दिया निर्देश

प्रमंडलीय आयुक्त ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

संवाददाता । गढ़वा

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शुक्रवार को प्रमंडलीय आयुक्त बाल किशुन मुंडा गढ़वा जिले के 80-गढ़वा एवं 81-भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केन्द्रों का भ्रमण किया. भ्रमण के दौरान आयुक्त ने मतदान केंद्रों पर दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं के लिए चुनावी प्रक्रिया को सुगम बनाने के निमित्त उन्हें उपलब्ध कराई जाने वाली आवश्यक न्यूनतम सुविधाओं का आकलन और मूल्यांकन किया. उन्होंने दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं के लिए निबंधन, मतदान दिवस के दिन परिवहन की सुविधा, मतदान केन्द्रों पर रैंप, व्हील चेयर, चेयर की उपलब्धता का आकलन किया. साथ ही वोलेंटियर का सहयोग लेने संबंधी जानकारी ली. उन्होंने मतदान केन्द्रों

मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते प्रमंडलीय आयुक्त.

पर कार्यरत बीएलओ एवं उपस्थित पदाधिकारियों से निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन के तहत किये जा रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति से अवगत हुए. उन्होंने मतदान केंद्रों के मतदान कक्ष में मतदान के दिन के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पंखा को ठीक एवं चालू स्थिति में रखने का निदेश दिया. आयुक्त ने मतदान केन्द्रों पर महिला एवं पुरुष के लिए अलग-अलग शौचालय व्यवस्था को भी देखा और वहां रनिंग वाटर की व्यवस्था एवं शौचालय जाने के रास्तों में साइनेज लगाने का निदेश दिया. इसके अलावा कुछ मतदान केन्द्रों की रैंप को मरम्मत करवाने का भी निदेश दिया.

उन्होंने मतदान केन्द्रों पर चिकित्सा किट, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट आदि अन्य आवश्यक न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध कराने का भी निदेश दिया. उन्होंने बीएलओ से मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं की संख्या से भी अवगत हुए. साथ ही जो मतदाता मतदान केन्द्र पर पहुंचने में असमर्थ हैं, उनके लिए फॉर्म 12डी को भरवाने का निदेश दिया, ताकि मतदान केंद्रों पर पहुंचने में अक्षम मतदाताओं का होम वोटिंग कराया जा सके. आयुक्त ने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध न्यूनतम सुविधाओं की मामूली कमियों को तत्काल दूर करने का निदेश देते हुए कहा कि आवश्यक न्यूनतम सुविधाएं होने से मतदाताओं में मतदान के प्रति उत्साह एवं रूझान बढ़ेगा. उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा मतदान केंद्रों पर उपलब्ध कराए जा रहे न्यूनतम सुविधाओं के संबंध में मतदाताओं को जागरूक करने का भी निदेश दिया.

आयुक्त ने 80-गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के आर.के सीएम एक्सीलेंस स्कूल, गढ़वा, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय मेन रोड, गढ़वा एवं रामा साहू सीएम स्कूल ऑफ एक्सिलेंस, गढ़वा तथा 81- भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के पीएमश्री राजकीय मध्य विद्यालय सिलीदाग, उत्क्रमित मध्य विद्यालय रमना, राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय रमना के मतदान भवन में अवस्थित विभिन्न मतदान केन्द्रों का भ्रमण किया.

आयुक्त के भ्रमण के दौरान गढ़वा के उपायुक्त शेखर जमुआर, आयुक्त के सचिव बिजय वर्मा, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुशील कुमार राय, जिला आपूर्ति पदाधिकारी राम गोपाल पाण्डेय, संबंधित विस क्षेत्र के सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, प्रमंडलीय जनसम्पर्क कार्यालय के एपीआरओ बिजय कुमार ठाकुर तथा संबंधित मतदान केन्द्रों पर बीएलओ तथा बीएलओ सुपरवाइजर उपस्थित रहे.

जमीन विवाद में घायल पारा शिक्षक की इलाज के दौरान रिम्स में हो गयी मौत

संवाददाता । सतबरवा (पलामू)

जमीन विवाद में घायल पार शिक्षक अर्जुन मेहता की मौत इलाज के दौरान गुरुवार की रात में रिम्स रांची में हो गई. शुक्रवार को शव मंगर बांध रांकी खुर्द गांव प हुंचा, श व पहुंचते ही पूरा गांव गमगीन हो गया. शव का दाह संस्कार रांकी कला के औरंगा नदी के तट पर कर दिया गया. पुत्र चंद्र गुप्त मोर्य उर्फ गुलशन ने पिता को मुखाग्नि दी. मृतक के दो पुत्री,एक पुत्र है, दोनों पुत्री का विवाह हो गया है.

मृतक अर्जुन मेहता का फाइल फोटो

बताते चलें कि दो अक्टूबर को मृतक अर्जुन मेहता 55 व उसकी पत्नी चमेली देवी अपने खेत में जोत कोड़ कर रहे थे. इसी बीच दस, पंद्रह की संख्या में लोग आकर धारदार हथियार से मार कर बुरी तरह से घायल कर दिया. घायल अवस्था में तुंबागडा नव जीवन अस्पताल लाया गया. जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए मरीज को रेफर कर दिया. मरीज को मेदिनीनगर के नरायणा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सर का ऑपरेशन किया गया. आठ दिनों के बाद यहां से मरीज के परिजनों ने रांची रिम्स में ले जाकर भर्ती किया , जहां ईलाज के दौरान मौत हो गई.

जमीन विवाद में हुई मारपीट के तीन आरोपी : विनोद उरांव पिता चैतू उरांव, रविंद्र उरांव पिता विनोद उरांव,पुनिता देवी पति संतोष उरांव सभी ग्राम सलैया को सतबरवा पुलिस ने गिरफ्तार कर चार अक्टूबर को जेल भेज दिया है.

डालटनगंज से 5, विश्रामपुर से 8, पांकी से 6 व हुसैनाबाद से 4 नामांकन पत्र बिके

पलामू जिला मुख्यालय में रही दिन भर चहल-पहल

संवाददाता । मेदिनीनगर

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर पहले चरण के मतदान की अधिसूचना जारी होने के साथ ही शुक्रवार से नामांकन का कार्य शुरू हो गया. हालांकि पहले दिन पलामू जिले के पांचो विस क्षेत्र में किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन नहीं किया है. वहीं, नामांकन को लेकर डाल्टनगंज के लिए निर्वाची पदाधिकारी सदर एसडीओ, पांकी के लिए निर्वाची पदाधिकारी जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीती किस्कू, बिश्रामपुर के लिए निर्वाचित पदाधिकारी अपर समाहर्ता कुंदन कुमार सहायक निर्वाचित पदाधिकारी के साथ अपने कार्यालय कक्ष में बैठे रहे. इस बीच, पलामू जिले के डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र से 5 प्रत्याशियों ने नामांकन प्रपत्र खरीदा है. नामांकन प्रपत्र खरीदनेवालों में लक्ष्मी नारायण तिवारी, कृष्णा नंद त्रिपाठी, महेश साव, सुनील प्रजापति व ओम प्रकाश गुप्ता, पांकी विधानसभा क्षेत्र से 6 प्रत्याशियों में पूर्व विधायक देवेंद्र सिंह उर्फ बिट्टू सिंह, बच्चन सिंह, नागेंद्र सिंह, विनोद कुमार, सुमित कुमार यादव व लाल सूरज, हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र से 4 प्रत्याशियों में मनोज कुमार मेहता, वीरेंद्र कुमार, राजद प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव व नरेश कुमार पासवान, तथा विश्रामपुर विस क्षेत्र के लिए आठ प्रत्याशियों में बिश्रामपुर से पूर्व प्रत्याशी रही अंजू सिंह, भाकपा माले मास लाइन

नामांकन पत्र लेते अंजु अभिमन्यु टीम के लोग.

के डॉ अनिल मिस्त्री, बसपा नेता गोपाल राम, राजद नेता नरेश प्रसाद सिंह, राजीव रंजन पांडेय, रौशन सिंह, सिराजुद्दीन खान व शाहने आरा खान शामिल हैं.

लातेहार व मनिका विस के लिए एक-एक नामांकन प्रपत्र खरीदे गये : लातेहार आसन्न विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में लातेहार जिले के मनिका और लातेहार विधानसभा मे आगामी 13 नवंबर को चुनाव होगें. 18 अक्टूबर को इसके लिए अधिसूचना जारी हुई और इसके साथ नामांकन प्रपत्रों की बिक्री भी शुरू हो गयी. पहले दिन शुक्रवार को लातेहार व मनिका विधानसभा सीट के लिए एक-एक नामंकन प्रपत्र खरीद गये. लातेहार सीट के लिए अनुमंडल कार्यालय, लातेहार से आजसू नेता श्रवण पासवान ने नामांकन प्रपत्र खरीदा. जबकि मनिका विधानसभा क्षेत्र के लिए महुआडांड़ अनुमंडल कार्यालय से मनिका प्रखंड के जिप सदस्य बलवंत सिंह ने नामांकन पत्र खरीदा है. नामांकन प्रपत्रों बिक्री को लेकर लातेहार व महुआडांड अनुमंडल कार्यालय परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजामात किये गये हैं. अनुमंडल कार्यालय के चारों ओर से बेरेकेडिंग व नाका लगाये गये हैं. अनुमंडल कार्यालय में प्रवेश से पहले कई जगहों पर पुलिस के जवानों के द्वारा आने- जाने वाले लोगों की मेटल डिटेक्टर से जांच की जा रही है. अनुमंडल कार्यालय के बाहर बैरिकेटिंग लगाया गया है. इसमें महिला और पुरूष बल की तैनाती की गई है. बलवंत सिंह के नामांकन प्रपत्र खरीदने पर बाजार में चर्चा गरम

मनिका विधानसभा सीट से मनिका जिप

- मनिका से भाजपा के बलवंत सिंह ने खरीदा नामांकन प्रपत्र
- भाजपा ने अभी तक प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है

सदस्य बलवंत सिंह के द्वारा नामांकन प्रपत्र खरीदने पर यहां चर्चाओं का दौर गरम है. बता दें कि बलवंत सिह भाजपा के नेता हैं और अभी तक मनिका या लातेहार विधानसभा सीट के लिए भाजपा ने अपना प्रत्याशी घोषित नहीं किया है. ऐसे में बलवंत सिंह के द्वारा नामांकन प्रपत्र क्रय किये जाने से भाजपा में भी खलबली है. बलवंत सिंह पूर्व में झामुमो के जिला कार्यकारिणी सदस्य थे और इसी वर्ष जनवरी माह में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है. शुभम संदेश से बातचीत करते हुए बलवंत सिंह ने कहा कि उन्होने नामांकन प्रपत्र खरीदा है और नामांकन भी करेंगें. यह पूछे जाने पर कि भाजपा ने अभी तक अपना प्रत्याशी घोषित नहीं किया है, इस पर उन्होंने कहा कि अगर संगठन सिंबल देती है तो ठीक है नहीं तो वे निर्दलीय चुनाव लडेंगे.

सघन वाहन जांच अभियान चलाया

लातेहार। आचार संहिता लागू होते ही पुलिस प्रशासन रेस हो गया है.

आदर्श आचार संहिता के अनुपालन के लिए प्रशासन का रवैया सख्त हो गया है. शुक्रवार को प ुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के निर्देश पर सदर थाना के पास सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया. इस दौरान वाहनों के कागजातों के अलावा डिक्की आदि की भी जांच की गयी. सदर थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा ने बताया कि वाहन जांच अभियान नियमित चलाया जायेगा. उन्होने वाहनों के कागताज व ड्राइविंग लाइसेंस आदि दुरूस्त कर सड़क पर वाहन चलाने की अपील की.

किशनपुर में अवैध शराब के विरूद्ध चला अभियान

पाटन (पलामू): पाटन थाना क्षेत्र के किशुनपुर ओपी क्षेत्र के विभिन्न ग्राम करर, लोइंगा, किशनपुर में छापामारी कर करीब 150 लीटर जावा महुआ तथा भट्ठी को नष्ट किया. छापेमारी में पाटन थाना प्रभारी लाल जी, ओपी प्रभारी किशनपुर, निलेश कुमार व प्रभात किरण मौजूद थे.

सौ लीटर शराब नष्ट

पाटन (पलामू): नावा जयपुर थाना प्रभारी कमल किशोर पांडे के नेतृत्व में ग्राम जयपुर में करीब 100 लीटर जावा महुआ को नष्ट किया गया.आचार संहिता लगने के बाद पुलिस के द्वारा लगातार अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी की जा रही है. जिसके तहत नया जयपुर थाना प्रभारी के द्वारा छापेमारी की गई.

न्यूज अपडेट

एनएसयूआई ने परीक्षा नियंत्रक को सौंपा ज्ञापन

मेदिनीनगर। छात्र संगठन एनएसयूआई ने शुक्रवार को एनपीयू के परीक्षा नियंत्रक डॉ रविशंकर सिंह से मिलकर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा . बीएड प्रायोगिक परीक्षा सत्र 2022- 24 के तृतीय सेमेस्टर व बीएड सत्र 2021-23 के प्रथम सेमेस्टर तथा स्नातक सत्र 2021- 24 चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम जल्द घोषित करने की मांग की. एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष अमरनाथ तिवारी ने कहा कि यदि एक सप्ताह के अंदर रिजल्ट घोषित नहीं होता है तो एनएसयूआई के बैनर तले छात्र संगठन विश्वविद्यालय परिसर में गांधी वादी तरीके से धरना प्रदर्शन करेंगे. मौके पर जीएलए कॉलेज अध्यक्ष रिशु दुबे, आशीष कुमार ठाकुर, ओमप्रकाश त्रिपाठी, सत्य प्रकाश आदि उपस्थित थे.

शरारती तत्वों ने सुरक्षा बैरिकेडिंग को खेतों में फेंका

चंदवा (लातेहार)। शरारती तत्वों नें सड़क में लगाये गये सुरक्षा बैरिकेडिंग को सड़क से हटाकर खेतों में फेंक दिया है. बता दें कि चंदवा थाना क्षेत्र के हिसरी पेट्रोल पंप के नजदीक अगस्त महीने में बगल गांव के ही एक युवक को एक बोलेरो वाहन ने धक्का मार दिया था. इसमें उसकी मौत हो गयी थी. इसके विरोध में गांव के युवकों ने पहल कर गति नियंत्रण के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन से मांग बैरिकेडिंग की व्यवस्था कराया था. बीती रात्रि कुछ शरारती तत्वों ने सड़क से उठाकर खेत में फेंक दिया है. बैरिकेडिंग के सड़क से उठाकर खेत में फेंके जाने से स्थानीय ग्रामीण और समाजसेवियों में भारी रोष है. नव युवा मंच के विशाल पांडेय ने ऐसे तत्वों पर कार्रवाई की मांग की है.

पलामू की सभी विस सीटों पर चुनाव लड़ेगा झालोमो

मेदिनीनगर। झारखंड लोकतांत्रिक मोर्चा पलामू जिला के सभी विस सीटों से चुनाव लड़ेगी. इस संबंध में मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार मेहता ने जारी प्रेस बयान में कहा है कि पलामू जिला के सभी सीटों पर मोर्चा प्रत्याशियों की लिस्ट जल्द ही जारी कर दी जाएगी. डाल्टनगंज और पाटन-छतरपुर में प्रत्याशियों का चयन कर लिया गया है. शेष विधानसभा क्षेत्र में कई चेहरे संपर्क में है. पार्टी के संसदीय बोर्ड सभी प्रतीक्षारत प्रत्याशियों की सूची पर विचार कर रही है. अगले एक-दो दिन में सभी सीटों पर प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी जाएगी. श्री मेहता ने कहा कि सभी पार्टियों से जनता ऊब चुकी है. अब नौजवान उनकी तथा झारखंड की बात करनेवाली पार्टी पर ही विश्वास करेंगे. श्री मेहता ने कहा कि जयराम महतो की धरती के उपज पुत्र हैं और झारखंड के युवाओं के धड़कन बन चुके हैं.

बीडीओ ने चुनावी तैयारी को ले समीक्षा बैठक की

बालूमाथ (लातेहार)। शुक्रवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में बीडीओ सोमा उरांव के नेतृत्व में आसन्न विधानसभा चुनाव को लेकर एक बैठक आयोजित की गयी. बैठक में प्रखंड के कर्मी व अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया. मौके पर बीडीओ ने कहा कि विधानसभा चुनाव संबंधित कार्यों में किसी भी प्रकार के कोताही नहीं बरती जानी चाहिए. उन्होने अपने-अपने क्षेत्र के बूथों पर मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा करने व वहां पाई जाने वाली कमियों की सूचीबद्ध कर संबंधित पदाधिकारियों को इसकी रिपोर्ट करने का निर्देश दिया. कहा कि चुनाव से पूर्व सभी मूलभूत सुविधाओं से बूथ लैस करना आवश्यक है. बैठक में एमओ सुमित कुमार सिन्हा, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मुजफ्फर कमाल, राजीव रंजन, आशीष केसरी समेत रोजगार सेवक एवं पंचायत सेवक, कंप्यूटर ऑपरेटर व अन्य मौजूद थे.

स्वीप कार्यक्रम के तहत वोटरों को किया जा रहा है जागरूक

संवाददाता । मेदिनीनगर

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारी जोरों पर है. पलामू जिले के सभी पांच विधानसभा सीट पर नामांकन का कार्य आज से प्रारंभ हो गया. वहीं, 13 नवंबर को मतदान ज्यादा से ज्यादा हो इसे लेकर जिला प्रशासन स्वीप कार्यक्रम के तहत शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में एक कैलेंडर के अनुसार कई गतिविधियों का आयोजन कर रहा है. इस अभियान का शुभारंभ सर्वप्रथम उन बूथों से किया गया जहां पिछले चुनाव में कम वोट पड़े थे. ऐसे सभी कम मतदान वाले बूथों को चिन्हित करते हुए बीएलओ द्वारा उन बूथों अंतर्गत आवासन कर रहे मतदाताओं के घर-घर जाकर उन्हें मॉकपोल के माध्यम से मतदान करने को लेकर प्रेरित किया गया. मतदाताओं को जागरूक

करने को लेकर जेएसएलपीएस की महिलायें अपने हाथों में 13 नवंबर को मतदान सबंधी मेहंदी लगाकर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक कर रही है. वहीं रंगोली बनाकर 13 नवंबर को मतदान करने की भी अपील की जा रही है.

महिलायें ग्रामसभा के माध्यम से चुनाव पर चर्चा कार्यक्रम आयोजित कर रही हैं. सतबरवा के मलय डैम में रविवार को विभिन्न प्रकार के जल क्रीड़ा कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को मतदान करने को लेकर प्रेरित किया जायेगा.

श्रीमद्भागवत के श्रवण से अष्ट सिद्धि की प्राप्ति होती है : जीयर स्वामी

संवाददाता । मेदिनीनगर

मेदिनीनगर नगर निगम के सिंगरा में चल रहे श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की पूर्णाहुति गुरुवार की शाम में हुई. मौके पर श्री लक्ष्मीप्रपन्न जीयर स्वामीजी महाराज ने चार माह से अनवरत चल रहे श्रीमद्भागवत कथा-प्रवचन को विश्राम और विराम् देते हुए कहा कि उद्धव जी ने भगवान् श्रीकृष्ण से पुछा कि मनुष्य मात्र के आत्मकल्याण के लिये श्रेष्ठ साधन कौन सा है. भगवान् श्रीकृष्ण ने उद्धवजी से कहा कि भगवान् को प्रसन्न करने के लिए अनेकों साधन बतलाए गए हैं, उनमें कोई श्रेष्ठ साधन है तो वह है भगवान् की कथा. श्रीमद्भागवत कथा श्रवण से अष्ट सिद्धियों और नव निधियों को प्राप्त किया जा सकता है. स्वामी जी महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत का यह उपदेश सबसे पहले अपनी अह्लादनी शक्ति लक्ष्मी जी को दिया.

जीयर स्वामी ने जनकपुरी मंदिर में की आरती

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर नगर निगम अंतर्गत सिंगरा में चल रहे श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के समापन के बाद श्री प्रपन्न जीयर स्वामीजी महाराज शुक्रवार को बारालोटा स्थित जनकपुरी मंदिर पहुंचे. यहां श्री राम जानकी मंदिर न्यास समिति के पदाधिकारियों व ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया. मंदिर पहुंचे जीयर स्वामीजी महाराज ने भगवान की आरती की. वहीं स्वामी जी ने मंदिर परिसर स्थित राम दरबार का दर्शन किया. इस अवसर पर स्वामीजी का दर्शन करने के लिए काफी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित थे. स्वामीजी ने सभी को आशीर्वाद दिया और प्रसाद का भी वितरण किया. मौके पर श्री राम जानकी मंदिर न्यास समिति के अध्यक्ष लव तिवारी, सच्चिदानंद तिवारी, कोषाध्यक्ष बुद्ध नाथ तिवारी, श्यामलाल तिवारी आदि मौजूद थे.

उसके बाद आगे चलकर ब्रह्मा जी को दिया. ब्रह्मा जी ने अपने पुत्र स्वयंभू मनु को दिया. स्वयंभू मनु ने भृगु, अंगिरा, मरिचि को, पुलह को, पुलस्त्य को, अनेक ऋषि-मुनियों को यह उपदेश दिया. आगे चलकर इन ऋषि-मुनियों ने अपने संतानों को और देवताओं को दिया. इसी कथा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का विश्राम हो गया. देश के कोने कोने से आए यज्ञाचार्य के मंत्रोच्चार के साथ महायज्ञ पूर्णाहुति की आहुति के साथ शांतिपूर्ण महायज्ञ पूर्ण हुआ.

शुक्रवार की सुबह आरती और भजन के साथ त्रिदंडी लक्ष्मी प्रपन जीयर स्वामी की विदाई गई. विदाई समारोह में भक्तों ने स्वामी का आर्शीवाद प्राप्त किया. गुरुवार की रात्रि में सिंगरा गांव सहित आस पास के सैकड़ो भक्तो ने वैष्णव संप्रदाय की दीक्षा प्राप्त की. सात वर्षित विवान गौतम मिश्रा व आठ वर्षीय अविज्ञा गौतम दीक्षा समारोह के केंद्र बिंदु रहे. इसके अलावे सुनील तिवारी रेडमा, मनोज सिंह सहित दर्जनों लोगों ने स्वामी लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी से दीक्षा प्राप्त की.

निरीक्षण हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी कोषांगों का जायजा लिया

कोषांग में कार्यरत पदाधिकारियों से ली कार्यों की जानकारी

हुसैनाबाद (पलामू)।

हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी डॉ कृष्ण कांत कनवाडिया ने शुक्रवार को एक बजे दिन में हुसैनाबाद अनुमंडल कार्यालय में अवस्थित सभी कोषांगों का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान एलआरडीसी गौरांग महतो, मोहम्मदगंज बीडीओ पारितोष प्रियदर्शी, हुसैनाबाद सीओ पंकज कुमार शामिल थे. निरीक्षण के दौरान निर्वाचित पदाधिकारियों डॉ कृष्ण कांत कनवाडिया ने कहा कि कोषांग में उपस्थित सभी पदाधिकारी अपने कार्य के प्रति सजग होकर कार्य का निष्पादन करें. जिन्हें जो

कोषांग का बारी-बारी से जायजा लेते एसडीओ.

जिम्मेदारी सौंपी गई है उस कार्य को बखूबी निभायें. उन्होंने कहा कि 18 अक्टूबर से नामांकन प्रपत्र की बिक्री प्रारंभ कर दी गई है. जिसे जिम्मेदारी दी गई है उसे हर हाल में पुरा करें. उन्होंने कोषांग में उपस्थित सभी पदाधिकारी को निर्देशित किया. निरीक्षण के दौरान सामाग्री कोषांग, निर्वाचन कोषांग, अनुमति कोषांग, सेवा मतदाता कोषांग, स्वीप कोषांग, प्रवेक्षक कोषांग, कम्प्यूटर कोषांग व मीडिया कोषांग की जानकारी ली.

खास बातें

- 18 अक्टूबर से नामांकन प्रपत्र की बिक्री प्रारंभ कर दी गई है
- जो जिम्मेदारी सौंपी गई है , उस कार्य को बखूबी निभायें

उन्होंने कोषांग में उपस्थित सभी पदाधिकारी को समय से कार्य का निष्पादन करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि अगर कोई सुझाव लेना है तो वे वरिय पदाधिकारी से सहयोग या जानकारी लेकर कार्य का निष्पादन करें.झारखंड में चुनाव की घोषणा के साथ आदर्श आचार संहिता लागू हो गया है. इसपर सभी पदाधिकारी ध्यान रखेंगे. कोषांग में मुख्य रूप से एल आर डी सी गौरांग महतो, अंचल पदाधिकारी पंकज कुमार, बीडीओ सुनील कुमार वर्मा, हुसैनाबाद नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी अरनीश कुमार, हैदर नगर बीडीओ विश्व प्रताप मालवा, अंचल पदाधिकारी संतोष कुमार के अलावा मोहम्मद गंज बीडीओ, अंचल पदाधिकारी, पिपरा हरिहरगंज बीडीओ व अंचल पदाधिकारी, शंकर प्रसाद सिंह, अरुण कुमार सिंह, काली शर्मा, सोनी, अनुमंडल के प्रधान सहायक अशोक कुमार सिंह, सुर्य प्रताप आदि कई लोग उपस्थित थे.

निर्वाचन कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: डीसी

संवाददाता । लातेहार

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने शुक्रवार को निर्वाचन के विभिन्न कोषांगों का निरीक्षण किया. उन्होंने हेल्पलाइन एवं जन शिकायत, प्रशिक्षण, निर्वाचन, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी सेल), कार्मिक, निर्वाचन व्यय लेखा अनुश्रवण, आदर्श आचार संहिता विधि व्यवस्था नियंत्रण, ईवीएम, वेब कास्टिंग कोषांग, सामग्री, एमसीएमसी व स्वीप कोषांग का निरीक्षण किया एवं प्रभारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया. उन्होंने कोषांगों में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं कर्मियों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली. कहा कि चुनाव कार्य में पूरी निष्ठा के साथ कार्य करें. निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण

कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. हेल्पलाइन एवं जन शिकायत कोषांग के निरीक्षण के क्रम में 24 घंटा एक्टिव रहने का निर्देश दिया. प्रत्याशियों द्वारा किए जा रहे हर चुनावी गतिविधियों पर पैनी नजर रखने एवं जनसभा, रैली और नुक्कड़ सभा की वीडियोग्राफी कराने वं व्यय का सटीक आंकलन कर अनुश्रवण टीम को जानकारियां उपलब्ध कराने का निर्देश दिया. एमसीएमसी कोषांग का निरीक्षण के दौरान उन्होंने सोशल मीडिया, समाचार पत्र और टीवी चैनल आदि पर पेड न्यूज व विज्ञापनों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया. इस दौरान उन्होने कोषांगों में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया. मौके पर डीडीसी सुरजीत कुमार सिंह, अपर समाहर्ता रामा रविदास, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन, उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, नगर प्रशासक राजीव रंजन, गोपनीय शाखा के प्रभारी श्रेयांश आदि मौजूद थे.

नामांकन प्रारंभ, 25 अक्टूबर को नामांकन की अंतिम तिथि : डीसी

संवाददाता। लोहरदगा

अधिसूचना जारी

- लोहरदगा विस के 48 मतदान केंद्रों पर चार बजे तक, शेष बूथों पर पांच बजे तक होगी वोटिंग
- बिशुनपुर विस के 34 मतदान केंद्रों पर चार बजे तक,शेष बूथों पर पांच बजे तक होगी वोटिंग

पत्रकारों को संबोधित करते हुए डीसी

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि विधानसभा आम निर्वाचन,2024 को लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई, शुक्रवार से नामांकन पत्रों की बिक्री व नामांकन प्रारंभ हो गया. नामांकन करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर 2024 है. नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी 28 अक्टूबर को की जाएगी. नामांकन से अपना नाम वापस लेने के लिए अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2024 होगी. मतदान 13 नवंबर 2024 को होगा. मतों की गिनती 23 नवंबर 2024 को होगी. उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि मतदाता सूची से किसी भी प्रविष्टि को हटाया या संशोधित नहीं किया जा सकेगा. जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 के अंतर्गत मुद्रणालयों पर नियम लागू होंगे. लाइसेंसी हथियार ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा. नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा जारी रहेगी. राजनीतिक दलों के द्वारा किये गये व्यय का लेखा-जोखा चुनाव की घोषणा की तिथि से लेकर चुनाव की समाप्ति तक किया जाएगा. चुनाव के दौरान नगदी के आवागमन पर नियम लागू होंगे. विधानसभा निर्वाचन 2024 में प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए 40 लाख तक का व्यय निर्धारित है. इस हेतु एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग टीम गठित है. जिला द्वारा निर्धारित दर पर प्रति तथा सुलभ प्रसंग हेतु आदर्श आचार संहिता की मार्गदर्शिका सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को उपलब्ध करायी गई है. नियंत्रण कक्ष स्थापित है जिसका टॉल फ्री संख्या 1950 है. सी-विजिल की मॉनिटरिंग के लिए टीम बनायी गई है जिससे चौबीसों घंटे निगरानी की जा सकेगी.

प्रेस कॉन्फ्रेंस में जीतेंद्र मुण्डा, अपर समाहर्ता सह वरीय पदाधिकारी, मीडिया कोषांग, धीरज ठाकुर, उप निर्वाचन पदाधिकारी, शिवनंदन बड़ाईक, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी, मीडिया कोषांग समेत अन्य उपस्थित थे.

निर्वाची व सहायक निर्वाची पदाधिकारी

72 –लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र के लिए निर्वाची पदाधिकारी अमित कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी, लोहरदगा हैं. इनके साथ सहायक निर्वाची पदाधिकारी सदर प्रखण्ड के अंचल अधिकारी अशुतोष कुमार, किस्को प्रखण्ड के अंचल अधिकारी अजय कुमार और कुडू प्रखण्ड की अंचल अधिकारी मधुश्री मिश्रा हैं. यहां पर

69–बिशुनपुर (अंश) विधानसभा क्षेत्र के लिए निर्वाची पदाधिकारी राजीव कुमार, भूमि सुधार उप समाहर्ता, गुमला हैं. वहीं सहायक निर्वाची पदाधिकारी सुजाता कुजूर, भूमि सुधार उप समाहर्ता लोहरदगा, दिनेश कुमार, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी घाघरा और रंजीत कुमार सिंह प्रखण्ड विकास पदाधिकारी बिशुनपुर हैं.

स्वीप कोषांग ने चलाया जागरूकता अभियान

लोहरदगा। मतदाता जागरूकता के लिए स्वीप कोषांग ने जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका, सहायिका, महिला पर्यवेक्षिका, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी और स्थानीय लोगों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया. इसमें ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग आगामी 13 नवंबर को किये जाने की अपील की गई. बताया गया कि अपना या अपने परिवार, आसपास के लोगों का अगर नाम मतदाता सूची में नहीं जुड़ पाया है तो अविलंब अपने बीएलओ या वोटर हेल्पलाईन एप के माध्यम से अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने की अपील की गई.

पुलिस ने दो हजार किलो जावा महुआ नष्ट किया

गढ़वा। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गढ़वा थाना क्षेत्र के महुलिया गांव निवासी नंदू 105 लीटर महुआ का देसी शराब बरामद किया है. इस संबंध में बताया गया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि महुआ का शराब महुलिया गांव में अवैध तरीके बनाकर बेचा जा रहा है. इसके बाद पुलिस ने उक्त सूचना के आधार पर महुलिया गांव पहुंचकर नंदू बैठ के घर में छापामारी किया. इस दौरान पुलिस ने दो हजार किलो जमा महुआ को नष्ट कर दिया. इसके अलावा उसके घर से जनरेटर बर्तन समरसेबूल मोटर स्टार्टर बिजली के तार सहित कई सामान पुलिस ने उसके घर से जब किया है . छापामारी के दौरान नंदू बैठ के घर के सभी लोग वहां मे फरार हो गए.

मंत्री मिथिलेश 21 को करेंगे नामांकन, सीएम हेमंत होंगे शामिल

अपनी ताकत का अहसास कराएगी जनता, होगा महाजुटान: मिथिलेश

संवाददाता। गढ़वा

मंत्री ने लिया लोगों का हाल-चाल

गढ़वा। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद व युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने गुरुवार को जनसंपर्क अभियान चलाया. इस दौरान मंत्री श्री ठाकुर ने लोगों से अपने पक्ष में मतदान कर पुनः जीताने की अपील की. साथ ही क्षेत्र में लोगों के घर पहुंचकर हाल चाल भी लिया भी लिया. मंत्री श्री ठाकुर छतरपुर निवासी अनिल गुप्ता की माताजी की मृत्यु की खबर सुनकर उनके घर पहुंचे. परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दिया. जाटा गांव में स्व. मिथिलेश राम के घर पहुंचकर परिजनों का हाल चाल लिया एवं उन्हें सांत्वना दी. साथ ही हाल ही में झामुमो में शामिल चिनियां रोड निवासी बबलू उपाध्याय के घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की. जबकि चिरौंजिया मोड़ पर डॉ ज्ञान प्रकाश गुप्ता के स्वास्थ्य किरण क्लीनिक में पहुंचकर नये क्लीनिक के उद्घाटन पर शुभकामनाएं दी. इस दौरान मंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाया. मौके पर झामुमो गढ़वा प्रखंड अध्यक्ष फुजैल अहमद, दिलीप गुप्ता, बबलू उपाध्याय सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे. मंत्री श्री ठाकुर छतरपुर निवासी अनिल गुप्ता की माताजी की मृत्यु की खबर सुनकर उनके घर पहुंचे. परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दिया. जाटा गांव में स्व. मिथिलेश राम के घर पहुंचकर परिजनों का हाल चाल लिया एवं उन्हें सांत्वना दी. साथ ही हाल ही में झामुमो में शामिल चिनियां रोड निवासी बबलू उपाध्याय के घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की. जबकि चिरौंजिया मोड़ पर डॉ ज्ञान प्रकाश गुप्ता के स्वास्थ्य किरण क्लीनिक में पहुंचकर नये क्लीनिक के उद्घाटन पर शुभकामनाएं दी. इस दौरान मंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाया. मौके पर झामुमो गढ़वा प्रखंड अध्यक्ष फुजैल अहमद, दिलीप गुप्ता, बबलू उपाध्याय सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण में होने वाले चुनाव के लिए गढ़वा-रंका विधानसभा क्षेत्र से गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर 21 अक्टूबर को झारखंड मुक्ति मोर्चा से नामांकन करेंगे. मंत्री श्री ठाकुर के नामांकन में प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी शामिल होंगे. जानकारी देते हुए मंत्री श्री ठाकुर ने बताया कि उनके नामांकन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित महागठबंधन के कई नेता शामिल होंगे. नामांकन कार्यक्रम में महागठबंधन के कार्यकर्ता, पदाधिकारी सहित आमजनों का महाजुटान होगा.

विधानसभा क्षेत्र के गढ़वा, रंका, मेराल, चिनियां, रमकंडा व डंडा सभी प्रखंडों के प्रत्येक गांव से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता व क्षेत्र की जनता शामिल होंगे. सभी लोग रामासाहू उच्च विद्यालय के स्टेडियम में एकत्रित होंगे. वहां से मंझिआव मोड़, मेन रोड, रंका मोड़ होते हुए रैली टाउन हॉल के मैदान में पहुंचेगी. टाउन हॉल से मंत्री श्री ठाकुर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ नामांकन के लिए जाएंगे. नामांकन के बाद टाउन हॉल के मैदान में मुख्यमंत्री एवं मंत्री श्री ठाकुर जनसभा को संबोधित करेंगे. मंत्री ने गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के सभी लोगों से नामांकन में शामिल होने की अपील की है. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की चाबी जनता के हाथ में होती है. जनता अपनी ताकत का अहसास कराएगी. गढ़वा की जनता अपना हक अधिकार लूटने वालों एवं विकास विरोधियों को उखाड़ फेंकने के लिए पूरी तरह से तैयार है.

आचार संहिता का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई : एसडीपीओ

चैनपुर(पलामू)। आदर्श आचार संहिता का करें पालन उल्लंघन करने वाले पर करें कानूनी कार्रवाई. उक्त बातें एसडीपीओ मणि भूषण प्रसाद ने कहीं. वे शुक्रवार को चैनपुर थाना कक्ष में पुलिस कर्मियों के साथ आचार संहिता को लेकर बैठक को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा की आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर क्षेत्र में आचार संहिता लागू हो चुका है पुलिस के कंधे पर शांतिपूर्ण वातावरण में चुनाव संपन्न कराने की जिम्मेवारी है. पुलिस क्षेत्र में आचार संहिता के पालन करने को लेकर तत्परता से कार्य करें कोई भी आचार संहिता का उल्लंघन करें तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दे पुलिस त्वरित कार्रवाई करेगी. उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब ,अवैध वाहन सहित चुनाव को प्रभावित करने वाले को कुकृतियों पर पैनी नजर रखेगी.

तालाब में डूबने से मौत

कैरो/लोहरदगा। कैरो थाना क्षेत्र के सढ़ाबे निवासी 58 वर्षीय फूलदेव उरांव का गुरुवार रात्रि तालाब में डूबने से हो गया. जानकारी के अनुसार फूलदेव उरांव चूंगारी पहाड़ पर लगने वाले पहाड़ जतरा की पूर्व संध्या पर होने वाले कार्यक्रम में गया हुआ था. यहां पर रात्रि में लौटने के क्रम में बकसी सढ़ाबे रास्ता किनारे नरेगा द्वारा खोदे गए जामुन झरिया तालाब में गिरने और गहरे पानी मे डूब जाने के कारण मृत्यु हो गई. इसकी जानकारी होने पर मुखिया सुमित्रा उरांव ग्रामीण के के साथ पहुंचकर मृतक को तलाब से निकाला और पुलिस को सूचना दी गई.

उत्क्रमित मवि सिलदाग के सचिव को दिन में एक बजे स्कूल बंद मिला

- मनातू प्रखंड में कागज के सहारे चल रहे हैं कई स्कूल बड़े अधिकारी मौन
- बच्चों को देने वाली एमडीएम के सभी पोशाक मेन्यू नहीं दी जाती

सुधीर यादव। मनातू (पलामू)

इस विषय में बीईईओ ने कहा- जांच होगी

दूरभाष के माध्यम से संपर्क किया एवं स्कूल के विषय में पूरे जानकारी अवगत कराई गई पत्रकार के द्वारा इस विषय में तो उन्होंने कहा कि आप लोग वहीं रहे हैं और रंजीत यादव जो सचिन मास्टर उनसे मुझे बात कराएंगे जब इनसे बात कराया गया तो रंजीत यादव ने परमेश्वर साहू को बताया कि सर बच्चे खेलने गए हैं . फील्ड में लेकिन जब पत्रकारों ने गया फिल्ड में तो बच्चे का नजर एक भी नहीं देखने को मिला.

झारखंड राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होते ही सरकारी स्कूल का टाइम से स्कूल पहले ही बंद करने का मामला प्रकाश में आया है. मनातू प्रखंड के डुमरी पंचायत अंतर्गत सिलदाग उत्क्रमित मध्य विद्यालय स्कूल के टीचर रंजीत यादव के द्वारा दिन गुरुवार को एक बजे ही स्कूल बंद कर दिया गया. शुभम संदेश के संवाददाता ने उस स्कूल के प्रांगण में दिन के एक बजे पहुंचे तो देखा गया कि एक भी बच्चे स्कूल में उपस्थित नहीं है. स्कूल में जबकि दो टीचर पाए गए. स्कूल के सचिव रणजीत यादव से जब इस विषय में बात किया गया. तो पत्रकार के द्वारा तो उन्होंने अपने गलती को छुपाने के लिए इधर-उधर स्कूल के कैंपस में घूरने लगे. लेकिन उनका जुबान से एक भी सही बात नहीं बताया गया.स्कूल के एक सहायक टीचर हैं जिनका नाम है. मुक्तेश्वर सिंह उनसे जब इस विषय में बात की गई तो उन्होंने बताया कि बात सही है. आज एक बजे ही बच्चों को छुट्टी कर दिया गया है.

उन्होंने बताया कि मेरी मर्जी से स्कूल बंद नहीं किया गया है सचिव रणजीत यादव खुद अपने से बच्चों को छुट्टी किए हैं इन्होंने बताया कि मेरा इसमें कोई गलती नहीं है .हम इसी स्कूल में रहते हैं 24 घंटा खाना पीना बनाना मेरा यही स्कूल में होता है सचिन रंजीत यादव के माध्यम से मेरा कई बार धमकी भी दिलाया गया है .जो कहने लायक नहीं है मैं बहुत यहां पर कष्ट जैसे आभास करते हुए प्रतिदिन की तरह स्कूल में बच्चों को पढ़ाते हैं, लेकिन आज का जो काली सच करतूत है यह सब सचिव महोदय ही बताएंगे.

मतदाता जागरूकता के लिए गतिविधियां होंगी संचालित: नगर आयुक्त

मेदिनीनगर। नगर निगम के नगर आयुक्त मोहम्मद जावेद हुसैन ने बताया कि पलामू में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारी तेजी से चल रही है. जिला प्रशासन का यह प्रयास है कि चुनाव में अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें. इसी उद्देश्य को लेकर जिला प्रशासन ने सभी मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने का निर्णय लिया है. जिला प्रशासन के द्वारा एक्शन प्लान तैयार किया गया है और उस पर काम किया जा रहा है. सामग्री कोषांग के नोडल प्रभारी नगर आयुक्त मोहम्मद जावेद हुसैन ने शुक्रवार को निगम कार्यालय के सभागार में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में चुनाव में वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा की गई तैयारी और संचालित गतिविधियों की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि सभी आयु वर्ग के मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत कई तरह की गतिविधियां संचालित किया जाएगा. उन्होंने बताया कि सभी आयु वर्ग के मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अलग अलग गतिविधियां संचालित जाएगी. 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं को व्यक्तिगत रूप से मोटिवेट किया जाएगा.

भाजपा कुडू मंडल की चुनावी रणनीति बैठक संपन्न

एनडीए प्रत्याशी को जीताने में कार्यकर्ता निभाएं अहम भूमिका: विश्वजीत

संवाददाता। कुडू/लोहरदगा

आगामी चुनाव विधानसभा चुनाव के निमित्त तैयारी बैठक भाजपा की कुड़ में संपन्न हुआ. इस बीच बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष विश्वजीत भारती द्वारा की गई. बैठक में पंचायत संयोजक सह संयोजक मंडल पदाधिकारी मंडल कार्यसमिति एवं भारतीय जनता पार्टी के मंच मोर्चा के सभी अध्यक्ष सहित पदाधिकारी सम्मिलित हुए. बैठक में मंडल अध्यक्ष विश्वजीत भारती ने कहा कि आगामी चुनाव के मद्देनजर यह बैठक रखी गई है और बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि एनडीए गठबंधन के लोहरदगा विधानसभा के प्रत्याशी को हर हाल में जिताना है, सभी कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया गया कि सभी का एक ही लक्ष्य हो की एनडीए प्रत्याशी को हर हाल में पूर्ण बहुमत के साथ हम जितने का प्रयास करेंगे. उन्होंने कहा वर्तमान के झारखंड सरकार हेमंत सरकार ने जितने भी वादा किया जो भी योजनाएं लाई सभी विफल रहा और जनता का किसी भी तरह से लाभ नहीं हुआ है. मौजूदा झारखंड सरकार चुनाव के मात्र दो महीना पहले मंइयां सम्मान योजना लाकर सिर्फ जनता को गुमराह करने का काम किया है, एक तरह से उसने जनता को रिश्वत दिया है, ऐसे अनेकों कार्य हेमंत सोरेन ने सिर्फ जनता को बरगलाने के लिए किया है. उन्होंने कहा की हेमंत सरकार में बालू की किल्लत इतनी ज्यादा बढ़ गई और बालू का रेट भी आसमान छू गया है. जनता परेशान हो गये हैं. इसके अलावा जमीन घोटाला हो या कोयला घोटाला हो चाहे आम जनता को ठगने का कार्य हो यह सभी कार्य हेमंत सोरेन सरकार ने किया.

नेताओं की बढ़ी बेचैनी ### विस चुनाव को लेकर चौपालों में ग्रामीणों की जुबां पर चर्चाएं तेज

विस चुनाव का बिगुल बजते ही चुनावी चौपाल शुरू

हुसैन अंसारी। लोहरदगा

चुनावी चौपाल पर रणनीति तैयार करते ग्रामीण.

चुनाव आयोग की ओर से झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर विगुल फूंका जा चुका है. सभी राजनीतिक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के द्वारा डोर टू डोर कैंपेन तेज कर दिया गया है, नेता और उनके समर्थकों की टोली मतदाताओं को तरह-तरह के लोभ-लालच देकर वोट हासिल करने को लेकर नये-नये हत्थगंडे अपनाना शुरू कर दिए हैं. लेकिन इस बार लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र की जनता में कुछ अलग ही प्रतिक्रिया दिखाई दे रहा है. यहां की जनता बीते 2019 के विस चुनाव में नेताओं के जुमले बाज़ी कर वोट हासिल करने के बाद हाल तक पूछने नहीं आने वाले को दरकिनार करते हुए वैसे उम्मीदवार को लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने हेतु जिम्मेदारी सौंपने की बात कर रहे हैं, जो सर्वधर्म को एकसूत्र में बांधने और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास कर सके. जनता जनार्दन की माने तो वैसे उम्मीदवार को इस बार सबक सिखाया जाएगा जो सिर्फ चुनाव के दौरान अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर झूठ बोल कर वोट हासिल करने का कार्य करते हैं.

कांग्रेस से स्थानीय प्रत्याशी की मांग पकड़ी रफ्तार

कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं की ओर से स्थानीय प्रत्याशी की मांग दिन-ब-दिन जोर पकड़ता ही जा रहा है. यहां कांग्रेस पार्टी की ओर से विस चुनाव में 10 लोगों का नाम चयन कर आलाकमान को भेजा गया है. जिसमें वर्तमान विधायक डॉ रामेश्वर उरांव, जिलाध्यक्ष सुखेर भगत, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सह उड़ीसा प्रभारी अभिनव सिद्धार्थ भगत, पूर्व डीसी दिलीप कुमार टोप्पो, जिप अध्यक्ष रीना कुमारी, प्रभात भगत, पेशरार प्रखंड अध्यक्ष विनोद सिंह खेरवार व अन्य शामिल हैं. अब देखना यह होगा कि आलाकमान किन्हें लोहरदगा सीट से उम्मीदवार बनाती है.

एनडीए साथ-साथ हैं की तर्ज पर लड़ेंगे चुनाव

लोहरदगा विधानसभा चुनाव जैसे-तैसे करीब आ रहा है वैसे ही सभी राजनीतिक दलों की ओर से जोर आजमाईश का दौर तेज कर दिया गया है. यहां पर एनडीए गठबंधन की ओर से भाजपा, आजसू, जदयू और लोजपा हम साथ-साथ के तर्ज पर लोहरदगा सीट पर चुनाव लड़ने की पूरी तैयारी कर ली है. ऐसे में लोहरदगा विधानसभा का चुनाव इस बार फिर से हॉट सीट नजर आ रही है.

आलीशाद, अरित्रो, स्वर्णाली व शिवांगी चैंपियन

संवाददाता। गढ़वा

झारखंड राज्यस्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता

शहर के नवादा मोड़ स्थित बंधन मैरिज हॉल में आयोजित 24वीं झारखंड राज्य टेबल टेनिस प्रतियोगिता के तीसरे दिन खेले गए अंडर 11 बालक वर्ग के फाइनल में रांची के अरित्रो डे ने अपने ही जिले के फैजल खान को 3-1 (12-10, 11-7, 8-11, 9, 11-7) जबकि बालिका वर्ग में पूर्वी सिंहभूम की शिवांगी मिश्रा ने अपने ही जिले के रशिका शर्मा को 3-0 (11-7, 11-9, 11-7) से, अंडर 13 बालिका वर्ग में स्वर्णाली माझी ने शिवांगी मिश्रा को 3-0 (11-8, 11-8, 11-8) से, अंडर 13 बालक वर्ग में रांची के अलीशाद खान ने रांची के ही अर्थ घोष को 3-0 (11-4, 11-7, 11-8) से हराकर चैंपियन बने. इससे पहले अंडर 11 बालक वर्ग के सेमी फाइनल मैच में रांची के फैजल खान ने गढ़वा के कार्तिक पाल को 3-1 (11-9, 11-9, 8-11, 11-5), दूसरे सेमीफाइनल में रांची के ही अरित्रो डे ने पूर्वी सिंहभूम के वर्धन वशिष्ठ को 3-1 (11-5, 9-11, 11-4, 11-6), अंडर 11 बालिका वर्ग के पहले सेमीफाइनल में पूर्वी सिंहभूम के शिवांगी मिश्रा ने गढ़वा के पलक भारती को 3-0 (11-2, 11-2, 11-4) से, दूसरे सेमीफाइनल में पूर्वी सिंहभूम के रशिका शर्मा ने वहीं के अश्विका सिंह को 3-1 (11-9, 11-8, 9-11, 11-8) से, अंडर 13 बालिका वर्ग के सेमीफाइनल मैच में पूर्वी सिंहभूम के स्वर्णाली माझी ने गढ़वा के आयुषी कुमारी को 3-1 (11-5, 11-9, 9-11, 11-2) से, पूर्वी सिंहभूम के ही शिवांगी मिश्रा ने अनन्या साहा को 3-1 (14-12, 12-10, 9-11,11-6) से, अंडर 13 बालक वर्ग के सेमीफाइनल में रांची के आलीशाद खान ने हजारीबाग के राजवीर गोयल को 3-0 (11-4, 11-4, 11-4) से जबकि अंडर 13 बालक वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में रांची के अर्थ घोष ने रांची के आयुष बनर्जी को 3-1(11-3, 11-5,9-11, 11-6) से हराकर फाइनल में पहुंचे.

न्यूज अपडेट

मंडल कारा में डीसी और एसपी ने की छापेमारी

गढ़वा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शेखर जमुआर एवं पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में गुरुवार देर रात्रि में गढ़वा के मंडल कारागार में छापेमारी अभियान चलाया गया. छापेमारी दल में अपर समाहर्ता राज महेश्वरम ,गढ़वा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नीरज कुमार,परिवहन पदाधिकारी धीरज प्रकाश, आपूर्ति पदाधिकारी रामगोपाल पाण्डेय, कार्यपालक दंडाधिकारी, शहर थाना प्रभारी समेत बड़ी संख्या में पुलिस के जवान शामिल रहे. दो घण्टे से अधिक चली इस छापेमारी अभियान में केंद्रीय कारा के सभी वार्डो, सभी सेलों, कैंटीन समेत अन्य एरिया का सघन निरीक्षण किया गया. छापेमारी के क्रम में किसी भी प्रकार के कोई भी आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुआ.

कैरो में ऐतिहासिक सुंगरी पहाड़ जतरा संपन्न

कैरो/लोहरदगा। कैरो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सढ़ाबे पंचायत के सढ़ाबे,बक्शी ऐतिहासिक सुंगरी पहाड़ जतरा का आयोजन शुक्रवार को किया गया। जिसमें 50 से 60 अखाड़ा दलों को आयोजन समिति के द्वारा आमंत्रित किया गया था। ऐतिहासिक सुंगरी पहाड़ जतरा के अध्यक्ष राम उराव एवं समिति उपाध्यक्ष लखन उराव ने बताया की लोहरदगा और रांची जिला के आस पास पड़ने वाले लगभग 50, 60 गांवों को निमंत्रण दिया गया हैं साथ ही सढ़ाबे,गांव के तीन गांव भूयनरी बुलाया गया। जतरा में शामिल सभी अखाड़ा-खोढा दलों को आयोजन समिति के द्वारा विभिन्न प्रकार से सम्मानित किया। वहीं जतरा पहाड़ के ऊपर लगने के कारण लोगो में काफी उत्साह देखा गया। दिनों भर लोग पहाड़ पर चढ़ाते दिखाई दिए। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कैरो थाना पुलिस के द्वारा महिला एवं पुरुष बलों की तैनाती की गई थी.

अंजुमन के सदर और सेक्रेटरी के बयानों की निंदा

लोहरदगा। ऑल इंडिया मोमिन कांफ्रेंस के लोहरदगा युवा जिलाध्यक्ष ऐनुल अंसारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा के सदर और सेक्रेटरी के द्वारा खुद से फैसला करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में लोहरदगा सीट पर स्थानीय प्रत्याशी की मांग को लेकर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी गुलाम अहमद मीर को लिखित ज्ञापन सौंप कर स्थानीय प्रत्याशी की मांग करना न्यायसंगत नहीं है ऐनुल अंसारी ने कहा कि समाचार पत्रों के माध्यम से मिली जानकारी के मुताबिक लोहरदगा अंजुमन के सदर व सेकेट्री के द्वारा देही अंजुमन को दरकिनार करते हुए मुस्लिम समाज के नाम पर स्थानीय प्रत्याशी की मांग की गई जो काफी सोचनीय और दुखदाई है.

ग्रामीणों की सतर्कता चोर सामान छोड़ कर भागे

भवनाथपुर। टाउनशिप स्थित सेल के आवासीय परिसर में गुरुवार को मेंटनेंस कार्यालय से दिनदहाड़े इलेक्ट्रिकल ब्रेकर और तार चोरी की घटना सामने आई. चोरों ने चोरी का सामान एक ऑटो में लोड कर भवनाथपुर की ओर ले जाने की कोशिश की, लेकिन स्थानीय लोगों की सतर्कता और शोरगुल के बाद चोर भाग निकले.चोरी का सामान ले जा रहे ऑटो और उसके चालक जमींदार भुइंया को सीआईएसएफ जवानों ने टाउनशिप गोल चक्र के पास पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया. इस संबंध में सेल कर्मचारी विनय सिंह ने अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है. शुक्रवार को कानूनी कार्रवाई के बाद ऑटो चालक को न्यायालय में पेश किया गया.

झारखंड में कायस्थ समाज के लिए मांगी पांच सीटें

मेदिनीनगर। भाजपा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य अविनाश कुमार वर्मा ने वर्तमान विधायक राज सिन्हा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय समेत कम से कम पांच उम्मीदवार कायस्थ जाति से देने का आग्रह किया है. उन्होंने कहा है कि अब तक विभिन्न स्रोतों से जो सूचनाएं मिली है उसमें कयास लगाया जा रहा है कि 81 विधानसभा सीटों में से किसी भी विधानसभा से कायस्थ जाति के नेता को उम्मीदवार नहीं बनाया जा रहा है. इसे लेकर श्री वर्मा ने असम के मुख्यमंत्री सह झारखंड विधानसभा चुनाव के सह प्रभारी हेमंता विश्वा सरमा को पत्र मेल कर अपना दर्द बयां किया है.

मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को किया जागरूक

लोहरदगा। मतदाता जागरूकता हेतु स्वीप कोषांग की ओर से सभी विद्यालयों में स्वीप मतदाता जागरूकता हेतु के कार्यक्रम किये गये. इसमें विद्यालयों में दौड़ प्रतियोगिता और मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया. इसमें मतदान के लिए किसी के प्रभाव में नहीं आने व नैतिक मतदान करने का संदेश दिया गया. यहां पर मतदाता सूची तैयार करने में बीएलओ की महत्ता बतायी गई. मतदाताओं की सुविधा के लिए वोटर हेल्पलाईन, डायल 1950, सक्षम एप, होम वोटिंग आदि की सुविधाओं की जानकारी दी गई. जिला के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में आंगनवाड़ी सेविका, सहायिका, महिला पर्यवेक्षिका, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी और स्थानीय लोगों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया.

मुकुंदपुर, बलीगढ़ व परती कुशवानी के मुखिया को शोकॉज

केतार। जिला कार्यालय द्वारा प्रखंड में पूर्व से संचालित मनरेगा योजना की 2329 लंबित योजनाओं को वगैर बंद किए नई योजना शुरू नही करने के निर्देश के बाद भी मुकुंदपुर पंचायत में 96 बलीगढ़पंचायत में 58 एवं परती कुशवानी पंचायत में टीसीबी एवं मेडबंदी की 09 योजनाओं को मुखिया पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवक के द्वारा स्वीकृत कर उसमें भुगतान किए जाने के बाद बीडीओ प्रशांत कुमार ने मुखिया पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवक को पत्र प्रेषित कर 24 घंटों के अंदर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है.बीडीओ ने पूछा है कि जिला कार्यालय से रोक के बाद भी अपने योजना स्वीकृत करते हुए उसमें भुगतान कैसे किया आप भुगतान का मास्टर रोल एवं मापी पुस्तिका के साथ स्पष्टीकरण दें वर्ना आपके खिलाफ उच्चाधिकारी को पत्र प्रेषित कर करवाई की अनुशंसा कर दी जाएगी. बीडीओ द्वारा स्पष्टीकरण मांगे जाने के बाद मनरेगा की योजना में हो रहे बड़े पैमाने पर लूट खसोट का पर्दाफाश होने की उम्मीद है.

अपराध : कब्रिस्तान के समीप शव फेंककर शांति-व्यवस्था भंग करने का प्रयास भी पुलिस ने किया विफल

सकेंद्र भुईयां मर्डर केस का उद्भेदन, प्रेमिका पति समेत दो गिरफ्तार

संवाददाता। चतरा

जिले के ईटखोरी थाना क्षेत्र के नवादा गांव में घटित सकेंद्र भुईयां ब्लाईंड मर्डर केस का एसआईटी ने उद्भेदन कर दिया है. साथ ही घटना को अंजाम देकर मृतक के शव को कब्रिस्तान के समीप फेंककर इलाके में शांति व्यवस्था भंग करने के हत्यारों के प्रयासों पर भी पुलिस ने पानी फेर दिया है. पुलिस ने सकेंद्र भुइयां हत्याकांड मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है.

ईटखोरी थाना क्षेत्र के नवादा गांव में घटित सकेंद्र भुईयां मर्डर केस का उद्भेदन करते पुलिस अधिकारी.

पुलिस के अनुसार सकेंद्र की हत्या प्रेम प्रसंग को लेकर की गई थी. मृतक की प्रेमिका के पति ने इस निर्मम हत्याकांड को अंजाम दिया था. गिरफ्तार आरोपियों में मृतक की प्रेमिका का पति लालधारी भुईयां और मृतक के भाई बहादुर भुईयां का नाम शामिल है. पुलिस ने गिरफ्तार हत्यारों के पास से घटना में प्रयुक्त एक इंडक्शन चूल्हा, एक स्टील का पतीला और रेडमी कंपनी का एक मोबाइल फोन बरामद किया है. मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी मुख्यालय अमिता लकड़ा ने बताया कि नवादा में विगत 13 अक्टूबर को सकेंद्र भुईयां नामक व्यक्ति की निर्मम हत्या कर शव को गांव से सटे कब्रिस्तान के समीप फेंकने की सूचना मिली थी. इसके बाद हत्या के मामले में पुलिस अधीक्षक ने इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया था.

प्रेम-प्रसंग में दिया गया था निर्मम हत्याकांड को अंजाम : इसके बाद थाना प्रभारी ने गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी लालधारी भुइयां से पूछताछ की, जिसमें उसने अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि उसने 12 अक्टूबर की रात चौपारण में आरकेस्ट्रा देखने के बाद जब 13 तारीख को सुबह करीब 3 बजे वह घर लौटा तो उसने सकेंद्र भुइयां को अपनी पत्नी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पाया, जिसके बाद उसने गुस्से में मुंह दबाकर सकेंद्र भुइयां की हत्या कर दी, और फिर इंडक्सन चूल्हे में पानी गरम करके खौलता पानी उसके पीठ, पैर और बांह पर डाल दिया. साथ ही कब्रिस्तान को लेकर चल रहे भूमि विवाद के कारण विशेष समुदाय के लोगों को फंसाने की नियत से उसने मृतक के भाई बहादुर भुइयां के साथ मिलकर शव को कब्रिस्तान के पास ले जाकर फेंक दिया और अन्य लोगों के साथ मामले को सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास किया. डीएसपी मुख्यालय ने बताया कि पुलिस ने लालधारी भुइयां और बहादुर भुइयां को गिरफ्तार कर लिया है, और दोनों ने अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है. छापेमारी में पुलिस उपाधीक्षक अमिता लकड़ा, पुलिस निरीक्षक मंजू कुमारी, थाना प्रभारी इटखोरी अभिषेक सिंह, एसआई दिलबाग सिंह, हरिद्वार प्रसाद मंडल व एएसआई दुखी राम महतो आदि जवान शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

बीडीओ ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

विष्णुगढ़। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बीडीओ अखिलेश कुमार और थाना के पुलिस अधिकारियों ने विष्णुगढ़ के कई मतदान केंद्रों का शुक्रवार को जायजा लिया. इस क्रम में 2 विष्णुगढ़ उच्च विद्यालय, रमुआ प्राथमिक विद्यालय तथा विष्णुगढ़ पंचायत भवन के मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया. बीडीओ ने कहा कि निरीक्षण के क्रम में मतदान केंद्रों की कमियों की जानकारी ली गई ताकि ससमय जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके.

मतदाता जागरूकता अभियान चला

रामगढ़। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जिले के विभिन्न क्षेत्र में आंगनबाड़ी सहिया/ सेविकाओं ने पोषण की प्रदर्शनी के साथ सभी महिला मतदाताओं को सत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया. इस दौरान सहिया/ सेविकाओं ने उपस्थित सभी महिलाओं को अपने घर व आसपास के लोगों को मतदान करने हेतु प्रेरित करने की अपील की.

सफल प्रतिभागी किए गए सम्मानित

रामगढ़। रजरप्पा कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के बच्चों को विद्या विकास समिति, झारखंड द्वारा आयोजित प्रांतीय गणित-विज्ञान मेले में शानदार सफलता प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया. यह प्रतियोगिता 15 से 17 अक्टूबर तक सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगंडा गिरिडीह में आयोजित किया गया था. प्रतियोगिता में विज्ञान के आचार्य इंद्रजीत कुमार सिंह एवं ममता के नेतृत्व में 21बच्चे सम्मिलित हुए थे. प्राचार्य उमेश प्रसाद, प्रबंध समिति के अध्यक्ष रणधीर सिंह, उपाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी, कोषाध्यक्ष आशीष झा ने बच्चों को बधाई दी.

ईसीआरकेयू ने की कई रेलकर्मियों से मुलाकात

रामगढ़। बरकाकाना स्थित रेलवे के विभिन्न डिपुओं और कार्यालयों में ईसीआरकेयू प्रतिनिधियों ने रेलकर्मियों के बीच अपने संपर्क अभियान के तहत मुलाकात की. इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री मो ज़्याऊद्दीन कर रहे थे तथा साथ में एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओ पी शर्मा, शाखा सचिव महेंद्र प्रसाद महतो भी उपस्थित रहे. ईसीआरकेयू प्रतिनिधियों ने एईएन कार्यालय, डीटीएम कार्यालय तथा कंट्रोल कार्यालय में अवस्थित विभिन्न कंट्रोल बोर्ड सहित टीपीसी बोर्ड में कार्यरत रेलकर्मियों से ईसीआरकेयू के पक्ष में अपना मतदान करने का आग्रह किया.

विस चुनाव : आजादी के 75 वर्ष बाद भी चतरा में मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव

बेरोजगारी व पलायन है मुख्य मुद्दा

शुभम संदेश ग्राउंड रिपोर्ट

संवाददाता। चतरा

आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी जिले में मूलभूत सुविधा का घोर अभाव है. बेरोजगारी तथा युवाओं को रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों में पलायन मुख्य मुद्दा बना हुआ है. टंडवा प्रखंड में एशिया की सबसे बड़ी कोयला भंडार होने के बावजूद स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध नहीं हो रहा है. इसके साथ ही बेरोजगारी को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के दावे भी खोखले साबित हो रहे हैं. मजबूर होकर युवा रोजगार की तलाश में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में अन्य प्रदेशों में जाने को विवश हैं.

चतरा जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पेयजल तथा बिजली जैसी मूलभूत सुविधा भी यहां के निवासियों को उपलब्ध कराने में सरकार विफल साबित हो रही है. सरकारी योजनाओं में कमीशनखोरी चरम सीमा पर है. सरकारी विभागों में बिचौलियागिरी हावी है. प्रशासनिक पदाधिकारी बेलगाम हैं. कोयला, पत्थर, बालू सहित प्राकृतिक खनिजों की लूट मची है. भ्रष्टाचार की खबरें अखबारों में छपने के बाद कार्रवाई के बदले ये पदाधिकारी के लिए आमदनी का जरिया बन गए हैं. विश्व प्रसिद्ध कंपनियों का चतरा में होने के बाद भी जिले के लिए रेल लिंक, राष्ट्रीय राज्य मार्गों पर होने वाली मौतें, अफगानिस्तान के रास्ते पर बढ़ चुके चतरा में अफ़ीम की खेती और इस नशे के शिकार होते युवा, बेरोजगारी और रोजगार के लिए युवाओं का अन्य प्रदेशों में पलायन, एनटीपीसी सुपर थर्मल पावर होने के बावजूद चतरा में बिजली समस्या, जिला मुख्यालय में महिला चिकित्सक, तकनीकी शिक्षा के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आज भी मुख्य मुद्दा बना हुआ है. ये ऐसे मुद्दे हैं, जिनसे चतरा के लोग दशकों से जूझ रहे हैं. चुनाव के वक्त नेताओं के बड़े-बड़े वादे धरे के धरे रह गए हैं, क्योंकि जमीनी हकीकत अपरिवर्तित बनी हुई है.

बेरोजगारी का आलम, मंत्री का बेटा भी चपरासी बनने को मजबूर : कई कोयला परियोजनाएं और टंडवा में एनटीपीसी का 1980 मेगावाट क्षमता वाले बिजली संयंत्र होने के बावजूद स्थानीय युवकों को कोयला लोडर के रूप में रोजगार पाना भी मुश्किल हो गया है. कोयला कंपनियां भी लागत में कटौती के लिए मानव श्रम के बजाय मशीनों को प्राथमिकता देती हैं. बेरोजगारी की इस समस्या ने जिले के निवासियों को अफ़ीम की खेती के अवैध और आकर्षक नेटवर्क में धकेल दिया है. हाल ही में पुलिस द्वारा नशीली दवाओं के रैकेट का भंडाफोड़ करने के प्रयासों के बावजूद, चतरा एक प्रकार से अफ़ीम उत्पादन केंद्र बन गया है. चतरा के विभिन्न प्रखंडों से हर साल हजारों मजदूर रोजगार की तलाश में इंदौर, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, सूरत, पुणे सहित कई बड़े शहरों की तरफ रुख कर लेते हैं. हाल ही में झारखंड के श्रम नियोजन सह प्रशिक्षण एवं कौशल विकास मंत्री सत्यानंद भोक्ता के बेटे मुकेश कुमार भोक्ता का चयन चपरासी जैसे चतुर्थवर्गीय कर्मी के पद पर हुआ है. यह प्रकरण चौंकाने वाला तो नहीं लेकिन यह जरूर दर्शाता है कि जिले के युवक सरकारी नौकरी तथा रोजगार के लिए किस कदर जूझ रहे हैं.

युवाओं को उस सरकार का इंतजार जो उन्हें अपने शहर में रोज़गार देगी : चतरा शहर और प्रखंडों में दर्ज़नों कौशल विकास केंद्र चल रहे हैं. इस योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को रोज़गार से जोड़ना है, लेकिन प्रशिक्षण प्राप्ति के पश्चात उन्हें न तो कही नौकरी मिल पाती है और न ही स्वरोज़गार के अवसर. कुछ एक को मिलती भी है तो उन्हें तमिलनाडु, केरल और गुजरात जैसे राज्यों में मात्र 8-10 हजार रुपये मासिक अल्प वेतन पर नौकरी के लिए भेज दिया जाता है. ऐसी नौकरी पाकर प्रशिक्षण प्राप्त युवक अपना भी पेट नहीं भर पाते हैं. इस बाबत टंडवा से अवकाश प्राप्त शिक्षक अनिल प्रसाद का कहना है कि बिहार तथा अन्य स्थानों के हजारों लोगों को इन परियोजनाओं में रोजगार मिला है. रोजगार प्राप्त युवकों को अल्प वेतन से अपना तथा अपने परिवार का भरण पोषण करने में काफी कठिनाई होती है. सरकार यह देख सुनकर भी अनजान बनी है. स्थानीय युवा रोज़गार के अभाव के कारण हर साल बड़ी संख्या में पलायन कर रहे हैं. भुइयांडीह के हरेंद्र भुइयां का कहना है कि यहां से सैकड़ों लोग हर साल मज़दूरी करने बड़े शहरों की बड़ी निर्माण कंपनियों में चले जाते हैं और वह भी उन्हें कौशल और शिक्षा के अभाव के कारण उचित मानदेय नहीं मिलता है. इन सभी सवालों के बीच यहां के युवा यह उम्मीद लगाए बैठे हैं कि कोई तो सरकार आएगी जो उन्हें अपने ही ज़िले और शहर में रोज़गार उपलब्ध करवाएगी.

क्या कहते हैं विधायक सह मंत्री सत्यानंद भोक्ता

इस बाबत स्थानीय विधायक सह प्रदेश सरकार में श्रम नियोजन सह प्रशिक्षण एवं उद्योग मंत्री रहे सत्यानंद भोक्ता का कहना है कि जिले के सभी क्षेत्रों में सड़कों का जाल बिछाया गया है. स्थानीय युवकों को रोजगार से जोड़ने के लिए कई योजनाएं धरातल पर लाई गई हैं. इससे युवक जुड़कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं. सरकारी पावर ग्रिड को चालू कर कर जिले में निर्बाध बिजली आपूर्ति कराई जा रही है. क्षेत्र से पलायन को बहुत हद तक कम किया गया है. आने वाली इंडिया गठबंधन सरकार में इसे और मजबूत किया जाएगा. तकनीकी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, जिले के सभी प्रखंडों में महिला चिकित्सक सहित स्थानीय बेरोजगार युवकों को जिले में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे.

क्या कहते हैं पूर्व भाजपा प्रत्याशी जनार्दन पासवान

वहीं वर्ष 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में दूसरे नंबर पर रहे भाजपा प्रत्याशी जनार्दन पासवान ने कहा कि विगत 5 वर्षों में स्थानीय विधायक ने सायरन बजाकर झारखंड को लूटने का काम किया है. जिले में मूलभूत समस्याएं आज भी मुंह बाए खड़ी हैं. जिले के पदाधिकारी पर सरकार का नियंत्रण नहीं है. खनन विभाग की मौन सहमति से जिले में प्राकृतिक संसाधनों को लूटा जा रहा है. सरकार के विरोध में बोलने वाले को टारगेट करते हुए परेशान किया जा रहा है. चतरा विधानसभा क्षेत्र में लोकतंत्र कहीं दिखाई नहीं पड़ता. विकास के नाम पर सरकारी योजनाओं में कमीशनखोरी तथा बिचौलियागिरी हावी है. जनता की आवाज को ताकत के बल पर दबाने का काम किया गया है. जनता की मूलभूत सुविधा को उपलब्ध कराना इंडी गठबंधन सरकार के एजेंडा में नहीं है.

हजारीबाग सदर में प्लाई बोर्ड गिरने से मजदूर की हुई मौत

संवाददाता। हजारीबाग

खास बातें

- दुकानदार पर लगाया सुरक्षा में लापरवाही का लगाया आरोप
- 20 लाख रुपये मुआवजे की मांग की परिजनों ने

सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत बजरंगी चौक स्थित सीबी इंटरप्राइजेज में शुक्रवार को प्लाई बोर्ड गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई. मृतक मजदूर की पहचान चौपारण सिंहपुर निवासी अंकुश कुमार सिंह (33) के रूप में की गई है. शुक्रवार को इस घटना के बाद स्थानीय लोग घायल मजदूर को उठाकर मेडिकल कालेज अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. इसके बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया. परिजन दुकानदार पर लापरवाही का आरोप लगाते 20 लाख रुपये मुआवजा की मांग कर रहे थे. बाद में पुलिस के आने के बाद मामला शांत हुआ. फिर पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया.

इस संबंध में मृतक के परिजनों ने बताया कि चार दिन से बजरंगी चौक स्थित सीबी इंटरप्राइजेज वह काम कर रहा था. बताया जाता है कि प्लाईवुड का भारी वजन होने के कारण मजदूर पर गिर गया. फिर प्लाईवुड की गोदाम में ही मजदूर की मौत हो गई. परिजनों ने दुकानदार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि दुकानदार मजदूरों का शोषण कर रहा था. वह मजदूर के जैसा नहीं बल्कि पालतू पशु के जैसा बर्ताव करता था. चार आदमी का काम अकेले एक मजदूर को दे रखा था. यहां तक कि दुकानदार के पास मजदूरों के लिए सेफ्टी की भी कोई व्यवस्था नहीं थी. यह घटना दुकानदार की लापरवाही से हुई है. वहीं दुकानदार ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टिकोण से हेलमेट एवं सेफ्टी की सारी व्यवस्था दुकान में रखी हुई है, लेकिन मजदूर पहनना नहीं चाहते हैं. प्लाईवुड ले जाने के लिए गोदाम में तीन मजदूर लगे हुए थे.

चतरा जिले में विस चुनाव के पहले चरण में 13 नवंबर को होगा मतदान

दोनों सीटों के लिए जारी की गई अधिसूचना

संवाददाता। चतरा

जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्र चतरा एवं सिमरिया अनुसूचित जाति सुरक्षित सीट के लिए पहले चरण में ही 13 नवंबर को मतदान कराया जाएगा. मतदान सुबह के 7:00 बजे से लेकर शाम के 5:00 बजे तक होगी. इस आशय से संबंधित अधिसूचना शुक्रवार को जारी कर दी गई.

उक्त जानकारी उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी रमेश घोलप ने समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शुक्रवार को दी. उन्होंने बताया कि चतरा तथा सिमरिया विधानसभा के लिए 13 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए 18 अक्टूबर शुक्रवार से नामांकन प्रक्रिया जारी हो गई है. नामांकन की प्रक्रिया आगामी 25 अक्टूबर शुक्रवार तक चलेगी. आगामी 28 अक्टूबर सोमवार को सभी दाखिल नामांकन प्रपत्रों की स्कूटनी कराई जाएगी. इसके बाद 30 अक्टूबर बुधवार तक नाम वापस लिए जा सकेंगे. उसी दिन सभी वैध नामांकन प्रपत्रों के अधिकृत प्रत्याशियों के बीच चुनाव चिन्ह आवंटित किया जाएगा. मतदान की प्रक्रिया 13 नवंबर को संपन्न कराई जाएगी तथा चुनाव परिणाम 23 नवंबर शनिवार को घोषित किया जाएगा.

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी रमेश घोलप.

दोनों सीटों के लिए अलग-अलग निर्वाची पदाधिकारी नियुक्त : दोनों विधानसभा सीटों के लिए अलग-अलग निर्वाची पदाधिकारी की नियुक्त किए गए हैं. चतरा विधानसभा के लिए सदर अनुमंडल पदाधिकारी जहुर आलम को निर्वाची पदाधिकारी बनाया गया है. वहीं सिमरिया विधानसभा के लिए सिमरिया अनुमंडल पदाधिकारी आईएएस सन्नी राज निर्वाची पदाधिकारी होंगे. चतरा विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रत्याशी अपना नामांकन पर्चा सदर अनुमंडल कार्यालय चतरा तथा सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रत्याशी अपना नामांकन पर्चा सिमरिया अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में दाखिल करेंगे. उन्होंने बताया कि चुनाव को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गई हैं. इसको लेकर सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक कर जानकारी ली जा रही है. शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने को लेकर सशस्त्र बलों की तैनाती सभी संवेदनशील तथा अति संवेदनशील मतदान केंद्रों पर की जाएगी.

मांग देश के पूर्व वित्त एवं विदेश मंत्री ने फ्री कल्चर पर रोक लगाने की वकालत की

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना ही उनका सम्मान

- मंईयां सम्मान व गोगो दीदी योजना से सिन्हा के साथ पूर्व सांसद मेहता विरोध में

संवाददाता। हजारीबाग

झारखंड में इन दिनों गोगो दीदी योजना और मंईयां सम्मान योजना काफी सुर्खियों में है. इन दोनों योजना के जरिए पक्ष और विपक्ष महिला मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं. मंईयां सम्मान योजना झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है, जिसके तहत महिलाओं को प्रत्येक माह एक हजार रुपये मिलते हैं. इसी योजना की काट में भारतीय जनता पार्टी ने गोगो दीदी योजना लाने का वादा किया है, जिसमें महिलाओं को 2100 रुपये देने का वादा किया गया है. इसके बाद झारखंड सरकार ने मंईयां सम्मान योजना में फेरबदल किया और पिछले दिनों 2500 रुपये देने का प्रस्ताव कैबिनेट में पास कर दिया. ऐसे में यह एक चुनावी मुद्दा बन गया है.

इस संबंध में देश के पूर्व वित्त एवं विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा से जब यह पूछा गया कि इस तरह की योजना का क्या इंपैक्ट पड़ता है, तो उन्होंने बताया कि फ्री में बांटने का चलन अब समाप्त होना चाहिए. झारखंड में पक्ष और विपक्ष दोनों पैसा बांटने में लगे हुए हैं. इसका असर राज्य की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा. उन्होंने कहा कि अगर महिलाओं को सम्मान देना है तो उन्हें पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बनाना होगा ताकि वह मेहनत करके पैसा कमा लें. उन्होंने यह भी कहा कि फ्री में पैसा मिलने का लालच लोगों में भीख मांगने की प्रवृत्ति को बढ़ाता है. उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इस तरह की योजना का खुद और उनकी पार्टी अटल विचार मंच विरोध करती है. उन्होंने यह भी कहा कि अगर फ्री कल्चर लाना ही है तो संविधान में ही संशोधन कर दिया जाए. एक व्यक्ति को फ्री में राशन, आवास और कपड़ा दिया जाएगा. उन्होंने एतराज जताते हुए कहा कि झारखंड में एक गलत परिपाटी की शुरुआत हो गई है. वहीं हजारीबाग के पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, जिन्होंने यशवंत सिन्हा को चुनाव में हराया था, ने भी इस परिपाटी का विरोध किया है. उन्होंने कहा कि देश और समाज के लिए यह ठीक नहीं है कि मुफ्त में पैसा बांटा जाए. अगर सम्मान देना ही है तो पूर्ण आत्मनिर्भर बनाकर दिया जाए.

चतरा में पोस्ता की खेती नहीं करने दी जाएगी

- वन विभाग के साथ पुलिस का संयुक्त जागरूकता अभियान

संवाददाता। चतरा

जिले के हंटरगंज प्रखंड अंतर्गत वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र के सुदूर वर्ती गांव में वन विभाग के साथ वशिष्ठ नगर पुलिस ने शुक्रवार को पोस्ता उन्मूलन के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया. यह अभियान वन क्षेत्र पदाधिकारी सूर्यभूषण कुमार के निर्देश पर करेली बार पंचायत के ग्राम मानामाथ, सजनी, बंदर चूआ, कोल्हूआ, घटदारी तथा गिधातरी में संयुक्त रूप से चलाया गया. इस दौरान टीम में शामिल कर्मियों ने ग्रामीणों से व्यवस्था की फसल से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से बताते हुए इस फसल को नहीं लगाने की अपील की. उन्होंने कहा कि इस वर्ष से जिले के एक इंच भूमि पर भी पोस्ता की खेती नहीं करने दी जाएगी.

कर्मियों ने ग्रामीणों से कहा कि पोस्ते की फसल करने वाले, इस फसल को करने के लिए प्रोत्साहित करने वाले तथा इसका व्यापार करने वालों की पहचान प्रशासन ने कर ली है. अगर आप लोग नहीं संभले तो ऐसे लोगों को पर मुकदमा दर्ज कर सजा दिलाई जाएगी और अवैध रूप से अर्जित संपत्ति को भी सरकार जब्त करने का काम करेगी.

पुलिस महानिदेशक ने एक सप्ताह पूर्व दिया था निर्देश

ज्ञात हो कि एक सप्ताह पूर्व राज्य सरकार के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता तथा पुलिस महानिरीक्षक सुनील भास्कर ने समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में पुलिस पदाधिकारियों को सख्त लहजे में चतरा से पोस्ते की फसल को पूर्ण रूप से बंद कर जिले को नशा मुक्त करने को लेकर निर्देशित किया था. यह भी कहा था कि जिले के जिस भूभाग पर पोस्ते की एक भी फसल किए जाने की जानकारी प्राप्त होगी, उस थाना क्षेत्र के पुलिस पदाधिकारी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी.

न्यूज अपडेट

मंईयां सम्मान योजना से सैकड़ों महिलाएं वंचित

चतरा। झारखंड सरकार की अति महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से जिले की सैकड़ों महिलाएं अब भी वंचित हैं. हालांकि इन महिलाओं के मोबाइल फोन में मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना की तीसरी किस्त खाते में भेजने का झारखंड सरकार का मैसेज आया है. इसमें लिखा गया है कि आशा है यह सहायता राशि आपके घर परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध हो रही होगी. ऐसे में उक्त योजना मोबाइल फोन की शोभा बढ़ा रही है. महिलाएं इस तरह के मैसेज को अपने मोबाइल में देखकर बैंक का चक्कर लगा रही हैं. बैंक कर्मियों से खाते में राशि नहीं आने की बात सुनकर निराश हो घर वापस लौट रही हैं. हालांकि सैकड़ों ऐसी भी महिलाएं हैं, जिनके खाते में इस योजना की सम्मान राशि नियमित रूप से आ रही हैं. ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या जिन महिलाओं के खाते में उक्त पैसा नहीं आ रहा है उन्होंने आवेदन भरने में कहीं कोई गड़बड़ी तो नहीं की है. अगर ऐसी बात होती तो मैसेज भी नहीं आता. मैसेज में सम्मान राशि भेजे जाने की बात कही गई है. इस समस्या ने महिलाओं में ईर्ष्या की भावना भर दी है. महिलाओं के खाते में योजना की राशि नहीं आने का स्पष्ट कारण सरकार तथा प्रशासन द्वारा भी नहीं बताया जा रहा है.

लाखों से बने लिफ्टएरीगेशन से नहीं मिला पानी

हजारीबाग। पदमा के किसानों को लिफ्टएरीगेशन से खेतों में पानी नहीं मिल रहा है. इधर लिफ्टएरीगेशन में काम करने के उपरांत ठेकेदार ने मजदूरों को भुगतान नहीं किया तो मजदूर अपनी मजदूरी प्राप्त करने के लिए यहां संयंत्र में ताला जड़ दिया है. इधर पानी के अभाव में खेतों में तैयार फसल सूख रही हैं. शुक्रवार को स्थानीय किसान केवटा नदी के तट पर बने लिफ्टएरीगेशन स्थल पहुंचे तो देखा कि यहां मजदूरों ने ताला जड़ दिया है. किसान अशोक यादव, दशरथ मेहता, संजय मेहता, रंजीत मेहता, बालेश्वर मेहता, महावीर मेहता आदि ने जब मजदूरों से बात की तो पता चला ठेकेदार ने मजदूरों को अब तक पैसा नहीं दिया है, जिसके कारण मजदूरों ने यह कदम उठाया. किसानों ने कहा कि खेतों में लगी फसलें सूखने के कगार पर पहुंच गई हैं. स्थानीय जनप्रतिनिधि हम किसानों की पीड़ा नहीं देखते. ठेकेदार मनमाने ढंग से काम करा कर मजदूरों को पैसा नहीं देता. समय पर फसलों को पानी नहीं मिला तो पूरी मेहनत बेकार जाएगी. तत्कालीन विधायक पदमा प्रखंड का विकास करने की बात करते हैं, लेकिन किसानों को खेत में पानी भी नहीं दिला पा रहे हैं.

सदर सीट के लिए तीन ने लिया नामांकन फॉर्म

हज़ारीबाग़। विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण के मतदान के लिए शुक्रवार से नामांकन फॉर्म बिकने लगे. पहले दिन सदर विधान सभा से तीन अभ्यर्थियों ने नामांकन फॉर्म ख़रीदा, जिसमें तीन निर्दलीय प्रत्याशी प्रशांत कुमार वर्मा, विक्रम राणा, सच्चिदानंद पांडेय शामिल हैं. वहीं बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र से महेंद्र प्रसाद, नीतिका कुमारी, सुनील कुमार, ने नामांकन फॉर्म ख़रीदा. बरही विधानसभा क्षेत्र से बिनोद विश्वकर्मा, मो. सिराज ने नामांकन फॉर्म लिया. रिटर्निंग अफसर की कोर्ट में नामांकन प्रक्रिया सुबह 11 से पांच बजे तक पूरी की गई. नामांकन के पहले दिन ज्यादा कोई गहमा-गहमी नहीं रही. सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग कर दी गई है. साथ ही पूरे परिसर को कैमरों से लैस कर दिया गया है. सामान्य वर्ग के लिए नामांकन शुल्क 10 हजार और एससी व एसटी के लिए पांच हजार है. वहीं भाजपा ने और अन्य राजनीतिक दलों ने अभी प्रत्याशी को लेकर पत्ते नहीं खोले हैं.

मयूरहंड महिला प्रबंधित मतदान केंद्र बनेगा

मयूरहंड(चतरा)। प्रखंड में एक अनोखा तो दूसरा महिला प्रबंधित मतदान केंद्र घोषित होगा. प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू है. प्रखंड में 57मतदान केंद्र हैं, जहां अनोखा मतदान केंद्र के लिए मतदान केंद्र संख्या 269 उत्क्रमित मध्य विद्यालय हुसिया तथा महिला प्रबंधित मतदान केंद्र संख्या 273 राजकीय प्लस टू विद्यालय मयूरहंड को चिन्हित किया जायेगा. बिजली के खंभे, पुल पुलिया, दीवार लेखन वर्जित है. साथ ही आदर्श आचार संहिता के दौरान आम नागरिकों को कम से कम 50 हजार से 9 लाख 99 हजार तक लेकर जाने की छूट होगी, परंतु बैंक से निकासी का ब्यौरा सक्षम पदाधिकारी को प्रस्तुत करना होगा. वहीं आम नागरिकों को 10 हजार रुपये तक का समान ले जाने की छूट होगी. इससे अधिक समान व रुपये के साथ पकड़े जाने पर आचार संहिता उल्लंघन माना जाएगा.

नामांकन प्रक्रिया का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

रामगढ़। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने बड़कागांव विधानसभा निर्वाचन की नामांकन प्रक्रिया औचक निरीक्षण किया. इस दौरान निर्वाची पदाधिकारी 22 बड़कागांव -सह -भूमि सुधार उपसमाहर्ता दीप्ति प्रियंका कुजूर ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त को बताया कि प्रातः 9 बजे पूरी नामांकन प्रक्रिया का मॉक ड्रिल कराया गया ताकि पूरी नामांकन की प्रक्रिया सही तरीके से निष्पादित की जा सके. मौके पर दोनों विधानसभा के निर्वाची पदाधिकारी, सहायक निर्वाची पदाधिकारी, उपनिर्वाचन पदाधिकारी एवं आरओ सेल के सभी कर्मी उपस्थित थे।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रामगढ़। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने स्वीप नोडल पदाधिकारी इंदु प्रभा खालखो को विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों आदि के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने के लिए कई दिशा निर्देश दिये हैं. इसी क्रम में खालको एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी नीलम वर्मा के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न विद्यालयों व महाविद्यालयों में मतदाता जागरूकता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान शिक्षकों ने सभी बच्चों से अपने घर व आसपास के लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित करने की अपील की.

चुनाव के सफल संचालन के लिए कोषांग गठित

विष्णुगढ़। आगामी विधानसभा चुनाव को सफलता पूर्वक संपन्न कराने के लिए प्रखंड सह अंचल स्तर पर विभिन्न कोषांगों का गठन किया गया है. गठित कोषांगों में निर्वाचन कोषांग, कार्मिक कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, आदर्श आचार संहिता कोषांग एवं व्यय कोषांग, वाहन कोषांग, मीडिया कोषांग व सामग्री कोषांग शामिल है. तमाम कोषांगों के अलग अलग नोडल पदाधिकारी नियुक्त किये गए हैं. इन कोषांगों के नोडल पदाधिकारी क्रमशः कारू राणा, प्रवीण कुमार बक्सी, डॉ चंदेश्वर प्रसाद, पीयूष कुमार, दिव्या सिन्हा, मनीष कुमार, ममता सिंह, शीतल उषा किरण कंडीर तथा विनोद कुमार हैं.

मेहंदी लगाकर चलाया जागरूकता अभियान

चौपारण। विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर महिलाएं भी सक्रिय हो गई हैं. इसी क्रम में चौपारण की महिलाओं ने मेहंदी लगाकर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया. बता दें कि चौपारण में कुल 136711 मतदाता हैं, जिनमें पुरुष मतदाता 70249 और महिला मतदाता 64828 हैं. महिलाओं ने अपने हाथों में मेहंदी और रंगोली सजाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया. लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई गई. मौके पर रिंकू देवी, खुशबू कुमारी, पिंकी देवी, ज्योति देवी इत्यादि मौजूद रहीं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष कोई महत्वपूर्ण सौदा पूर्ण होने से मानसिक शांति मिलेगी. किसी से बहस हो सकती है. पर कोई धन फंसा हो तो प्रयास करें. वरिष्ठों से संबंध मधुर होंगे, परन्तु सहकर्मियों से मनमुटाव व टकराहट हो सकती है, इसलिए असावधानी न बरतें.

वृष विदेश में बसे लोगों के लिए समय उत्तम है. बाहरी आवरण से लाभ होगा. खर्च में वृद्धि होगा पर बाहर से कोई शुभ समाचार मिलेगा. आपकी सृजनात्मकता आपको अन्य साथियों से आगे ले जायेगी. किसी करीबी से धोखा मिल सकता है. जल और मिठाई का दान करें.

मिथुन समय अनुकूल है. आय के लिए किया गया सार्थक प्रयास लाभ देगा. आर्थिक स्थिति पूरी तरह से सामान्य रहेगी, धन की आवक सामान्य तौर पर बनी रहेगी. वहीं खर्च भी बढ़ सकते हैं. अपना धन किसी को उधार न दें. गणेश जी का ध्यान पूजन करें.

कर्क धन का अचानक आगमन होगा. समय लाभ का मौका देगा. बस कर्म पर ध्यान दें. समाज में मान-सम्मान मिलेगा. परिवार में सुख शांति भरपूर रहेगी. किसी शुभ कार्य के होने का भी संकेत सितारे दे रहे हैं. किसी विवाद में न पडें.

सिंह ससुराल में सम्मान मिलेगा. धार्मिक यात्रा सुखद और मनोरंजक होगी. जीवनसाथी से संबंध थोड़े बेहतर होंगे. क्या न करें- आज कहीं पैसा फंसने का भी योग बन रहा है और कोई भी जोखिम भरा कार्य न करें. सूर्य को अर्घ्य दें.

कन्या समय पक्ष में नहीं है. किसी से विवाद होगा. दिल के बदले दिमाग से कार्य करें. आप कार्य में अपनी पसंदीदा चीजों की तरफ ध्यान देंगे. किसी करीबी से धोखा मिल सकता है, अतः आंखें बंद करके किसी पर विश्वास न करें. अन्न और जल का दान करें.

तुला जीवनसाथी के साथ घूमने का योग है. व्यापार में नया कार्य का योग है. किसी नए शौक की तरफ रुझान रहेगा, जबकि स्पोर्ट्स, योग आपको तरोताजा होने में मदद करेंगे. कुछ गुप्त शत्रु नुकसान पहुंचा सकते हैं, अतः सतर्क रहें.

वृश्चिक मौसमी रोग से बचाव जरूरी है. ऋण लेने की नौबत आएगी. आपको एकाग्र होने में मदद मिलेगी और आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे. अपने रुझान में कूटनीतिक रहने की कोशिश करें और विवाद न करें.

धनु मानसिक तनाव के साथ साथ क्रोध बढ़ेगा. प्रेम में धोखा मिलेगा. गलतफहमियां दूर कर सकेंगे और नए वादे किए जाएंगे. मेहनत एवं अनुभव द्वारा कुछ नवीन स्थिति को पाएंगे. विषम परिस्थितियों में साहस न खोएं. शिवजी का पूजन ध्यान करें.

मकर माता से मतभेद होने की संभावना है. विदेशी कारोबार से जुड़े लोगो को अच्छे लाभ का योग है. पिता और उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा. बिना बात के किसी से भी उलझना भरी पड़ सकता है. गौ को चारा दें.

कुंभ सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. भाई के लिए दिन अच्छा है. आपके परिश्रम को उचित सम्मान मिलेगा एवं नयी जिम्मेदारी का भार भी आपके कंधों पर डाला जायेगा. नियमित जीवनचर्या एवं संयमित खानपान में कोताही न बरतें.

मीन दिन शुभ है. पैतृक संपत्ति का लाभ होगा. अपने कामकाज को बढ़ाने में सफल होंगे. कार्य से सम्बंधित यात्राओं का लाभ मिलेगा. किसी वाद-विवाद के कारण किसी प्रकार का नुकसान होने से बचें. अन्न और जल का दान करें. आलस का त्याग करें.

गैंगस्टर अमन साहू के शूटर राहुल दुबे को हाईकोर्ट से बेल

रांची। अमन साहू गैंग के शूटर राहुल दुबे को झारखंड हाईकोर्ट कोर्ट ने बेल दे दी है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अम्बुज नाथ की कोर्ट ने 25-25 हजार के दो निजी मुचलकों पर उसे बेल दी है. राहुल दुबे को ओरमांझी में भारत माला प्रोजेक्ट की साइट पर लेवी के लिए फायरिंग करने के आरोप में रांची पुलिस ने इसी वर्ष अप्रेल महीने में हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया था. उसकी गिरफ्तारी ओरमांझी थाना क्षेत्र से हुई थी. इसके बाद राहुल दुबे ने अपनी जमानत के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. राहुल पर रामगढ़, रांची और हजारीबाग जिले में एक दर्जन से ज्यादा संगीन मामले दर्ज हैं. आरोपी की ओर से अधिवक्ता अमन कुमार राहुल ने बहस की.

अबुआ झारखंड पार्टी सभी सीटों पर लड़ेगी चुनाव, तीन प्रत्याशियों की घोषणा

रांची। अबुआ झारखंड पार्टी की संसदीय समिति की बैठक स्व. एनई होरो के आवासीय कार्यालय सिरोमटोली में हुई. बैठक में केंद्रीय अध्यक्ष रिलन एमन होरो की अध्यक्षता में झारखंड की सभी 81 विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ने का निर्णय लिया गया. प्रथम चरण में तीन विधानसभा सीट के प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की गयी. खूंटी से सोमा मुंडा, तोरपा रिलन एनम होरो, कोलेबिरा से विश्राम बागे को प्रत्याशी बनाया गया है.

यौन शोषण के आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

लातेहार। महुआडांड़ थाना क्षेत्र के के पकरीटोली निवासी विवेक दास को पुलिस ने यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया गया. उक्त गांव की एक महिला ने उसके साथ तीन साल तक शादी का झांसा देकर लगातार यौन शोषण करने का आरोप लगाया था. जब भी शादी की बात करती थी तो विवेक हमेशा टाल-मटोल करता था. शादी का दबाव बनाने पर घर को आग लगाने और उनके साथ मारपीट करने की धमकी देता था. पीड़िता ने बताया कि उसके माता-पिता की मौत हो चुकी है. वह अपने छोटे भाई के साथ रहती है. उसने कहा कि विवेक के कहने पर उसने चार बार गर्भपात भी करा चुकी है.

1985 के बाद रांची से नहीं जीती कांग्रेस, फिर भी पार्टी कर रही दावे पर दावे

कौशल आनंद। रांची

कभी पूरे बिहार और देश में एकछत्र राज करने वाली पार्टी कांग्रेस झारखंड में कितने बुरे दौर से गुजर रही है, उसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है रांची जैसी महत्वपूर्ण सीट पर वह 1985 के बाद कभी नहीं जीती. फिर भी हर बार कांग्रेस रांची सीट से दावा करते रहती है. रांची सीट पर कांग्रेस की स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 2014 में कांग्रेस अकेले दम पर चुनाव लड़ी. रांची से निवर्तमान रांची महानगर अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह चुनाव लड़े, जो महज 7935 हजार मत प्राप्त कर सके, जबकि इनके प्रतिद्वंद्वी झामुमो की महुआ माजी 36897 हजार मत लाकर दूसरे स्थान पर रहीं. 1985 में अंतिम बार कांग्रेस के विधायक रांची से जयप्रकाश गुप्ता (अब दिवंगत) रहे.

- हटिया से 2009 और सिल्ली से 1995 में अंतिम बार कांग्रेस प्रत्याशी ने जीत दर्ज की थी
- 2014 में कांग्रेस रांची से लड़ी अकेले, लेकिन मात्र 7935 वोट लाकर सुरेंद्र सिंह जमानत तक जब्त करा चुके हैं

1972	:	देवदत्त साहू
1977	:	नन्नी गोपाल मित्रा
1980	:	ज्ञान रंजन
1985	:	जय प्रकाश गुप्ता
1990	:	गुलशन लाल आजमानी
2000	:	यशवंत सिन्हा
2005	:	2005 से अब तक रांची से सीपी सिंह लगातार पांच टर्म विधायक रहे.

हटिया से गोपाल शरणनाथ शाहदेव और सिल्ली से केशव महतो कमलेश के बाद इन सीटों से कांग्रेस से कोई भी विधायक नहीं बन सका

गोपाल शरण नाथ शाहदेव

यही हाल हटिया विधानसभा का भी रहा है. हटिया से 2005 और 2009 में अंतिम बार गोपाल शरण नाथ शाहदेव जीते. इसके बाद हटिया से कांग्रेस को जीत नसीब नहीं हुई. अगर सिल्ली की बात करें तो वर्तमान कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के बाद वहां से कांग्रेस का कोई विधायक नहीं बना. महतो सिल्ली से कांग्रेस के अंतिम विधायक साबित हुए. वे 1995 में कांग्रेस के विधायक रहे.

केशव महतो कमलेश

रांची और हटिया से कांग्रेस के किसी भी दावेदार ने नहीं खरीदा पर्चा

रांची व हटिया सीट से कांग्रेस के दावेदारों की सूची काफी लंबी है. इन सीटों पर शुक्रवार से नामांकन की प्रक्रिया और पर्चा खरीदने का काम शुरू हो गया. इन दोनों सीटों पर 13 नवंबर को वोट डाले जाएंगे. मगर कोई भी दावेदार अब तक पर्चा नहीं खरीदा है. रांची सीटों के दावेदारों को भी पता है कि रांची सीट गठबंधन के झामुमो के खाते में जाएगी.

दो दिवसीय कला महोत्सव आर्ट-81 का शुभारंभ

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मतदान आवश्यक है : के. रवि कुमार

संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से दो दिवसीय कला महोत्सव आर्ट–81 का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ. जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम रांची में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त वरुण रंजन ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया.81 आर्ट फेस्टिवल में पूरे देश के अलग-अलग स्थानों, मसलन नेपाल, उत्तर प्रदेश, ओडिशा आदि के 81 कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं. साथ ही झारखंड के प्रसिद्ध कलाकार, युवा और विद्यार्थी आदि भी शामिल हैं.

मौके पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि आप सभी कला प्रेमियों के माध्यम से सभी वोटरों को कनेक्ट करना 81 आर्ट फेस्टिवल का उद्देश्य है. कला के माध्यम से हमारे युवा मतदाताओं को एक संदेश भी देना है. उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ एवं मजबूत लोकतंत्र के लिए जरूरी है कि अधिक से अधिक संख्या में लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करें. साथ ही उन्होंने कहा कि समय के साथ झारखंड में वोटिंग प्रतिशत में बढ़ोतरी हुई है और हम निश्चित तौर पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे. अलग-अलग राज्यों से आए कलाकारों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आपके बेहतरीन स्लोगन और कला को हम अपने चुनाव जागरूकता अभियान में भी शामिल करेंगे. उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सपरिवार इस कार्यक्रम में आकर शिरकत करें. आम आगंतुक अपने मतदाता जागरूकता से संबंधित संदेश रिकॉर्ड करा सकते हैं, उनमें से चयनित किए गए संदेशों का उपयोग स्वीप कार्यक्रमों में किया जा सकेगा. 81 कला महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव ,सहायक निर्वाचन पदाधिकारी देवदास दत्ता, उप निदेशक जनसंपर्क आनंद सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे.

चुनाव को प्रभावित करने वाले सभी कारकों पर रखें पैनी नजरः के. रवि कुमार

संवाददाता। रांची

शुक्रवार को राज्य के सभी प्रवर्तन एजेंसियों के वरीय अधिकारियों के साथ निर्वाचन सदन में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने समीक्षा बैठक की. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विधानसभा निर्वाचन 2024 में केवल कैश ही नहीं, बल्कि अन्य वस्तुओं के प्रलोभन से भी मतदाताओं को लुभाने का प्रयास किया जा सकता है. इन सभी गतिविधियों पर सभी प्रवर्तन एजेंसियां समन्वय स्थापित करते हुए त्वरित कार्रवाई करें. सभी प्रत्याशियों को सामान अवसर प्रदान करने एवं राज्य में स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए सभी को सम्मिलित रूप से प्रयास करना होगा. उन्होंने कहा कि आरबीआई के पदाधिकारी सभी संदिग्ध लेनदेन व बल्क ट्रांजैक्शन पर ध्यान रखें. किसी भी संदिग्ध लेनदेन की सूचना मुख्यालय से साझा करते हुए बैंक एकाउंट को सीज करें. उन्होंने यातायात, वन विभाग, एयरपोर्ट आथोरिटी, मद्य निषेध विभाग, ईडी, कस्टम विभाग, आयकर विभाग आदि के पदाधिकारियों को निर्वाचन के दौरान मुस्तैदी से कार्य करते हुए अवैध गतिविधियों पर पूर्णतः रोक लगाने का निर्देश दिया.

आचार संहिता उल्लंघन मामले में विधायक भानु पर प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता। धुरकी

थाना क्षेत्र अंतर्गत उड़नदस्ता की टीम के दंडाधिकारी सह डंडई बीडीओ देवलाल करमाली के शिकायत पर आदर्श आचार संहिता उल्लंघन मामले में विधायक भानु प्रताप शाही समेत धुरकी सांसद प्रतिनिधि, मंडल अध्यक्ष, अंबाखोरेया पंचायत के मुखिया पति समेत आधा दर्जन कार्यकर्ता पर धुरकी थाना में एफआईआर दर्ज किया गया. आदर्श आचार संहिता उल्लंघन मामले में भवनाथपुर विधायक भानु प्रताप शाही सहित अन्य कार्यकर्ताओं पर धुरकी थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया है. इस संबंध में जानकारी देते हुए थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार ने बताया कि उड़नदस्ता टीम के दंडाधिकारी डंडई बीडीओ देवलाल करमाली द्वारा लिखित शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है. थाना प्रभारी ने बताया कि विधायक व उनके कार्यकर्ताओं द्वारा क्षेत्र के अम्बा खोरेया के बाल चौरा के पास बिना अनुमति के नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया था. जिस कारण विधायक भानु प्रताप शाही, मुखिया प्रतिनिधि हरि लाल सिंह, सांसद प्रतिनिधि सुदर्शन गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि अखिलेश यादव, रामप्रवेश गुप्ता, भाजपा कार्यकर्ता मदन राम के अलावे 100 से 150 महिला एवं पुरुष कार्यकर्ता पर प्राथमिकी दर्ज की गई है.

एक्टर देवेश खान के बेटे के रिसेप्शन में पहुंचे डॉ महुआ माजी, अली खान

रांची। बॉलीवुड एक्टर देवेश खान के सुपुत्र शोएब उर रहमान के रिसेप्शन पार्टी में नामचीन हस्तियों ने शामिल होकर पार्टी की रौनक बढ़ाई. इस अवसर पर मुंबई से आये बॉलीवुड एक्टर अली खान व राज्यसभा सांसद महुआ माजी खास मेहमान थे. चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदधारी भी शामिल हुए. रिसेप्शन पार्टी में बॉलीवुड एक्टर अली खान के साथ लोगों ने खूब सेल्फी ली. रांची की राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी के साथ भी काफी तस्वीर खिंचवाई. उन्होंने दूल्हा व दुल्हन को आशीर्वाद दिया. मौके पर एक्टर देवेश खान, कुमार गहलोत, मो सिराज, आनंद जालान, कविता होरो, मो कबीरूल्लाह, डॉ जमील, मो खलील, जमीलूर रहमान , मो इम्तियाज, बुलंद अख्तर आदि शामिल थे.

झारखंड विधानसभा चुनाव : पहले दिन तीन प्रत्याशियों ने किया नामांकन

संवाददाता। रांची

विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण के लिए नॉमिनेशन की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हुई. पहले दिन कुल तीन लोगों ने नॉमिनेशन पर्चा दाखिल किया. प्रथम चरण में झारखंड के कुल 43 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को मतदान होगा. अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा ने निर्वाचन सदन में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि जमशेदपुर पश्चिमी, रांची और कांके विधानसभा क्षेत्र से एक-एक व्यक्ति ने नामांकन पत्र भरा है. प्रथम चरण के चुनाव के लिए 25 अक्टूबर तक नामांकन होगा. नामांकन अवकाश के दिन को छोड़कर प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक होगा. उन्होंने बताया कि राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद अब तक सवा करोड़ रुपये के अवैध सामान और नकदी की जब्ती की गयी है. उसमें सर्वाधिक 26.51 लाख की जब्ती पलामू जिले से हुई है. जबकि, रांची और चतरा जिले से 15 लाख रुपये से अधिक के अवैध सामान और नकदी की जब्ती हुई है. 10 लाख रुपए से अधिक की जब्ती वाले जिलों में सरायकेला खारसावां और हजारीबाग शामिल हैं. डॉ. नेहा अरोड़ा ने बताया कि सवा करोड़ की जब्ती में सर्वाधिक 64.12 लाख की जब्ती झारखंड पुलिस ने की है. उसके बाद 28.28 लाख वाणिज्य कर विभाग और 24.03 लाख की जब्ती आबकारी विभाग ने की है.

हिंदू मठ-मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की रखी मांग

राजभवन में राज्यपाल को ज्ञापन सौंपते विहिप के प्रतिनिधि.

संवाददाता। रांची

- विहिप के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रांत का एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मिलकर हिंदू मठ-मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की मांग की. साथ ही झारखंड में अवैध मत्तांतरण, रोहिंग्या व बांग्लादेशी घुसपैठ सहित कई समस्याओं पर चिंता व्यक्त की गयी, जो जनजातीय सहित पूरे सनातन-हिंदू समाज के लिए एक चुनौती बनती जा रही है. इस अवसर पर राज्यपाल को प्रतिनिधिमंडल ने विहिप द्वारा चलाये जा रहे रामायण ज्ञान परीक्षा से संबंधित पाठ्यपुस्तक सुबोध रामायण व विश्व हिंदू परिषद की त्रैमासिक पत्रिका अरण्यभूमि भेंट की. प्रतिनिधिमंडल में क्षेत्र मंत्री वीरेंद्र विमल (झारखंड- बिहार), क्षेत्र सहमंत्री डॉ बीरेंद्र साहू (झारखंड- बिहार), झारखंड प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत व प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र शामिल थे.

कांडी में गला काटकर वृद्ध की हत्या

संवाददाता। कांडी (गढ़वा)

थाना क्षेत्र के कान्हा ढोंढ़ गोसांग गांव निवासी एक वृद्ध की गला काट कर हत्या कर दी गई. घटना गुरुवार की है. मृतक की पहचान चूल्हन रजवार के रूप में की गई. हत्या का कारण भूमि विवाद बताया जाता है. ज्ञात हो कि रात में चूल्हन की झोपड़ी से कुछ दूर रहने वाले रामचंद्र मिस्त्री ने चूल्हन को चिल्लाते सुना. उस वक्त मिस्त्री पेशाब करने के लिए अपने घर से बाहर निकले थे. उन्होंने चिल्लाने की आवाज सुन कर गोसांग गांव में स्थित चूल्हन के घर में फोन किया. कहा कि चूल्हन के चिल्लाने की आवाज आ रही है. लग रहा है जैसे कोई उन्हें मार रहा है. जानकारी मिलने के बाद पत्नी मूलिया देवी कई लोगों के साथ मौके पर पहुंची. वहां देखा कि चूल्हन की मृत्यु हो चुकी थी. उनका गला कटा हुआ था. पीछे का मांस मात्र लगा हुआ था. इस स्थिति को देखकर पत्नी एवं परिजन रोने चिल्लाने लगे.

जानकारी के अनुसार चूल्हन का पुराना घर पलामू जिले के मोहम्मदगंज थाना अंतर्गत कादल गांव में था. वहां उनकी कुछ जमीन है. वे वर्षों पहले आकर कांडी के गोसांग गांव में बस गए थे. बुधवार को कादल गांव में गोतिया से चल रहे भूमि विवाद को लेकर चूल्हन की बहस हुई थी. वह कुछ जमीन जोतवा कर घर लौटे थे. चूल्हन ने लौट कर बताया था कि गोतिया के लोगों ने कहा है कि जमीन के पैदा खायला रहे देबउ तब न. रोते चिल्लाते हुए चूल्हन की पत्नी मूलिया देवी ने कहा कि उन्हीं लोगों ने पति का सिर काट कर हत्या कर दी. स्थानीय चौकीदार ने कांडी थाना को रात में ही घटना की सूचना दी.

व्यय प्रेक्षक ने एमसीएमसी कोषांग का किया निरीक्षण

लातेहार। व्यय प्रेक्षक सुनी मैथ्यूज ने शुक्रवार को सूचना भवन के जिला जनसंपर्क कार्यालय में संचालित एमसीएमसी (मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मोनिटरिंग कमेटी) कोषांग का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होने एमसीएमसी कोषांग के तहत किए जा रहे मॉनिटरिंग, प्रतिदिन के प्रेस कतरन, सोशल मीडिया व पेड न्यूज के मोनेटरिंग सहित अन्य बिंदुओं की जानकारी ली. उन्होने कोषांग के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों के दायित्व व कर्तव्यों की जानकारी दी. निरीक्षण के क्रम में व्यय प्रेक्षक एमसीएमसी कोषांग में हो रहे कार्यों पर संतोष जाहिर किया. उन्होने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश का अनुपालन करने की बात कही.

हाईकोर्ट ने कहा- आदेश का पालन हो, वरना रोक देंगे सचिव की सैलेरी

विधि संवाददाता। रांची

बड़हरवा कॉलेज, साहिबगंज में लेक्चरर पद पर कार्यरत अनिल कुमार सरकार एवं अन्य की अवमानना याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति डॉ. एसएन पाठक की कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि 6 दिसंबर 2024 तक अगर हाईकोर्ट की एकल पीठ के आदेश का पालन नहीं किया जाता है, तो उच्च शिक्षा सचिव एवं निदेशक के वेतन निकासी पर 6 दिसंबर के बाद से रोक लग जाएगी. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने पैरवी की.

दरअसल, फोर्थ फेज के तहत अंगीभूत बड़हरवा कॉलेज, साहिबगंज में लेक्चरर पद पर कार्यरत प्रार्थियों अनिल कुमार सरकार एवं अन्य की सेवा का समायोजन अग्रवाल कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर एसकेएम यूनिवर्सिटी द्वारा किया गया था. लेकिन प्रार्थियों अनिल कुमार सरकार एवं अन्य जो लेक्चरर पद पर काम कर रहे हैं. उन्हें पंचम एवं छठे वेतनमान का लाभ नहीं दिया जा रहा था. जिसे लेकर उनकी ओर से हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल की गई थी. हाईकोर्ट की एकल पीठ ने प्रार्थियों की याचिका स्वीकृत करते हुए वर्ष 2022 में राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि प्रार्थियों को पंचम और छठे वेतनमान का लाभ दिया जाए. इसके बाद एकल पीठ के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने हाइकोर्ट की खंडपीठ में अपील दाखिल की थी. सरकार की इस अपील को हाईकोर्ट ने वर्ष 2024 में खारिज कर दिया था. इसके बावजूद प्रार्थियों को पंचम एवं छठे वेतनमान का लाभ नहीं दिया गया. इसी दौरान प्रार्थियों की ओर से हाईकोर्ट में अवमानना याचिका भी दाखिल की गई. जिस पर कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए एकल पीठ के आदेश का पालन करने का निर्देश दिया. आदेश का पालन नहीं होने पर 6 दिसंबर के बाद उच्च शिक्षा सचिव एवं निदेशक के वेतन निकासी पर रोक लगाने का निर्देश दिया.

कोर्ट की खबरें

आईएएस पूजा सिंघल की बेल पर हाईकोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

रांची। सस्पेंडेड आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड हाईकोर्ट ने ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. अब हाईकोर्ट में पूजा सिंघल की बेल पर 22 नवंबर को सुनवाई होगी. इससे पहले रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने 26 सितंबर को पूजा सिंघल को बेल देने से इंकार करते हुए उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी थी. ईडी ने पांच मई 2022 को पूजा सिंघल के 25 ठिकानों पर छापेमारी की थी. इसके बाद ईडी ने पूजा सिंघल और सीए सुमन सिंह को गिरफ्तार किया था. दोनों से हुई पूछताछ में ईडी को बेहिसाब पैसे और अन्य जगहों पर इन्वेस्टमेंट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली थी. ईडी की छापेमारी के दौरान सुमन सिंह के आवास और कार्यालय से 19.31 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुआ था.

हाईकोर्ट ने खनन सचिव को सशरीर उपस्थित होने का दिया निर्देश

संवाददाता। रांची

निशांत अभिषेक एवं अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने खनन सचिव को 25 नवंबर को सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है. कोर्ट ने सेवा संपुष्टि का आदेश दिया था, लेकिन आदेश का अनुपालन नहीं किया गया. सुनवाई के दौरान प्रार्थियों की ओर से कोर्ट में कहा गया कि यह अदालत के आदेश की अवहेलना है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डॉ एसएन पाठक की कोर्ट में हुई. प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार और अपराजिता भारद्वाज ने बहस की.

पेज एक का शेष ...

आजसू के उपाध्यक्ष उमाकांत रजक ...

हेमंत की कार्यशैली से प्रभावित किया -हाजरा : केदार हाजरा ने कहा कि झारखंड और आदिवासी समाज के भाइयों को आगे बढ़ाने के लिए झामुमो में शामिल होने का फैसला लिया है. खुद को हेमंत सोरेन के कार्यशैली से प्रभावित बताया.

बाल विवाह वाले कानून पर असर...

इस अधिनियम ने 1929 के बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम का स्थान लिया. पीठ ने कहा, बाल विवाह पर रोकथाम की रणनीति अलग-अलग समुदायों के हिसाब से बनाई जानी चाहिए. यह कानून तभी सफल होगा, जब बहु-क्षेत्रीय समन्वय होगा. कानून प्रवर्तन अधिकारियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण की आवश्यकता है. हम इस बात पर जोर देते हैं कि इस मामले में समुदाय आधारित दृष्टिकोण की आवश्यकता है. कोर्ट का कहना था कि इन मामलों की रोक के लिए कानून के पालन के साथ ही जागरूकता और शिक्षा की भी जरूरत है.

प्रतीकों के बदलने के मायने

दुनिया के मशहूर उपन्यासकार ताल्सताय ने इंसाफ के मकसद को स्पष्ट करते हुए उसे सर्वग्राही बनाने की बात की है. अर्थात न्याय केवल प्रतीकों में बंधा कोई शब्द भर नहीं है, बल्कि इसकी ठोस जमीन सच्चाई है. प्रतीकों के खेल में अब तक इस देश की राजनीति ही उलझी हुई थी, अब न्यायपालिका भी इसका हिस्सा बन गई है. न्याय की देवी की मूर्ति में जो फेरबदल किए गए और इसके पीछे जो तर्क दिए गए, वे इस बात का प्रमाण हैं कि न्याय व्यवस्था को त्रुटिहीन और पूरी तरह से दुरुस्त करने की कोशिश की जगह भावनात्मक बातों को अधिक महत्व दिया जा रहा है. गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के जजों की लाइब्रेरी में न्याय की देवी की नयी मूर्ति लगायी गयी है. देश के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के आदेश पर नयी मूर्ति बनी है, जिसमें पुरानी मूर्ति से अलग वेशभूषा और प्रतीक बने हैं. सफेद रंग की मूर्ति में आंखों से पट्टी हटा दी गई है, उसका परिधान भारतीय कर दिया गया है और हाथ में तलवार की जगह संविधान की किताब दी गई है.

> न्याय की देवी की मूर्ति में जो फेरबदल किए गए और इसके पीछे जो तर्क दिए गए, वे इस बात का प्रमाण हैं कि न्याय व्यवस्था को त्रुटिहीन और पूरी तरह से दुरुस्त करने की कोशिश की जगह भावनात्मक बातों को अधिक महत्व दिया जा रहा है.

कहा जा रहा है कि इस बदलाव से यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि कानून अंधा नहीं होता. समझा जा सकता है कि देश में हाल के वर्षों में हुए कई बदलावों के पीछे कई बरसों की कोशिश रही है. नेहरू मेमोरियल म्यूज़ियम एंड लाइब्रेरी का नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय सोसाइटी में बदलना, इंडिया गेट पर नेता जी की मूर्ति, जम्मू-कश्मीर से 370 की वापसी, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, संसद में सेंगोल की स्थापना या इंडियन पीनल कोड, आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता, बीएनएस का लागू होना, ऐसे ही फैसलों की चंद मिसालें हैं. अब तक न्याय की जो मूर्ति देश में हुआ करती थी, वे यूनानी देवी जस्टिया की तरह होती थीं, जिनके नाम पर ही जस्टिस यानी न्याय शब्द बना है. इस मूर्ति की आंखों पर पट्टी का मतलब था कि कानून किसी का ओहदा, धर्म, जाति न देखकर सबके साथ एक जैसा व्यवहार करता है. वहीं अभी जिस तलवार को हिंसा का प्रतीक बताकर हटाया गया है, दरअसल उसके जरिए यह संप्रेषित किया गया था कि कानून के पास ताकत है और वह गलत करने वालों को सजा दे सकता है. पुरानी मूर्ति में तराजू भी देवी के एक हाथ में होता था, उसे नयी मूर्ति में बरकरार रखा गया है, जो यह दिखाता है कि अदालत में कोई भी फैसला तर्क की तुला पर ही किया जाएगा. नयी मूर्ति में तराजू अब भी रखा गया है, यह गनीमत है, वर्ना इसे भी किसी आधुनिक डिवाइस से बदला जा सकता था कि तराजू की जगह तौलने-मापने के आधुनिक साधन हमारे पास उपलब्ध हैं. वैसे न्याय की मूर्ति में तब्दीली आने के साथ ही एक खबर आई है, कर्नाटक हाईकोर्ट ने अपने एक फ़ैसले में कहा है कि मस्जिद में भगवान राम की प्रशंसा में नारे लगाने में कुछ ग़लत नहीं है. देश किस तरफ बढ़ रहा है, यह अब साफ नजर आ रहा है. लोकतंत्र, संविधान और न्याय की रक्षा करना सर्वोच्च अदालत का प्राथमिक कर्तव्य है.

सुभाषित

सा भार्या या प्रियं ब्रूते स पुत्रो यत्र निवृत्तिः।
तन्मित्रं यत्र विश्वासः स देशो यत्र जीव्यते॥

जो हर समय मधुर और प्रिय वाणी में बात करती है, वही अच्छी पत्नी है. जिससे सुख की प्राप्ति हो, वही अच्छा पुत्र है. जिस पर विश्वास किया जा सके, वहीं सच्चा मित्र है. ठीक इसी प्रकार जहां से जीविकोपार्जन हो सके, वही अपना देश है.

खुशी से मर जाते जो एतबार होता

5 अक्टूबर को चुनाव आयोग ने झारखंड और महाराष्ट्र में चुनाव का ऐलान कर आचार संहिता लागू कर दी. हैरानी है, 81 सीटों वाले झारखंड में 13 नवंबर और 20 नवंबर को दो चरणों में, जबकि 288 सीटों वाले महाराष्ट्र में एक ही दिन 20 नवंबर को वोटिंग का ऐलान है. महाराष्ट्र में 72 घंटे में फैसला न हुआ तो राष्ट्रपति शासन क्योंकि 23 नवंबर को रिजल्ट आएगा और 26 नवंबर को शिंदे सरकार का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा.

तिरे वादे पे जिए हम, तो ये जान झूठ जाना.
कि खुशी से मर न जाते अगर एतबार होता..

गालिब का यह शेर सियासत-अवाम पर भी सटीक बैठता है. अवाम को चुनाव का इंतजार रहता है. चुनाव आते-आते सियासत घोषणाओं का हिमालय खड़ा कर देती है. उसमें आधा-तिहा पूरे भी हो जाते हैं, लेकिन झारखंड जैसे राज्य में अमूमन आधे विधायक चुनाव हार जाते हैं. चुनाव के ऐन पहले सरकारी सेवकों के संघटन हड़ताल पर आमादा हो जाते हैं. उनको मनाया-पटाया जाता है. इस चुनावी साल में झारखंड की इंडिया ब्लॉक वाली सरकार साल भर पहले एमपी इलेक्शन के दौरान लागू लाडली बहना योजना से सीख लेते हुए गैरबजटीय मंईयां सम्मान योजना ले आई. इसके तहत 18 से 50 साल तक की महिलाओं को हजार रुपये प्रतिमाह दिया जाने लगा. भाजपा को लगा कि मामला हाथ से निकला, तो बिना देर किये उसने अपनी सरकार बनने पर गोगो (मां) दीदी योजना लागू कर महिलाओं को 2100 रुपये प्रतिमाह देने की न केवल गारंटी दी, अपितु वह इन एडवांस फॉर्म भी भरवाने लगी. फिर क्या था, झामुमो नेतृत्ववाली सरकार ने 14 अक्टूबर को कैबिनेट निर्णय लेकर दिसंबर से मंईयां सम्मान निधि 2,500 रुपये प्रतिमाह करने का ऐलान कर दिया. फिलहाल इस योजना से 53 लाख महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं. दिसंबर से जब बढ़ा लाभ मिलने लगेगा तो राज्य पर सालाना महज 15,900 करोड़ का अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा. गरीबी की ओर झांकिए मत. यह राज्य देश के अमूमन 40 फीसद खनिज भंडार वाला है. ऐसे अमीर राज्य के लिए 15,900 करोड़ शायद कोई मायने नहीं रखता. लाख करोड़ से अधिक बजट वाला यह राज्य है जनाब! वोट चीज ही ऐसी है. उसके लिए कोई भी बोली लगाई जा सकती है. बोली तभी महत्व रखती है, जब आप सेवा करने योग्य यानी सरकार रहें.

• देश-काल

श्याम किशोर चौबे

हेमंत सरकार के नये फैसले के अगले दिन 15 अक्टूबर को चुनाव आयोग ने झारखंड और महाराष्ट्र में चुनाव का ऐलान कर आचार संहिता लागू कर दी. हैरानी है, 81 सीटों वाले झारखंड में 13 नवंबर और 20 नवंबर को दो चरणों में, जबकि 288 सीटों वाले महाराष्ट्र में एक ही दिन 20 नवंबर को वोटिंग का ऐलान है. महाराष्ट्र में 72 घंटे में फैसला न हुआ तो राष्ट्रपति शासन क्योंकि 23 नवंबर को रिजल्ट आएगा और 26 नवंबर को शिंदे सरकार का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा. झारखंड में पूर्वापेक्षा महीना भर पहले होनेवाले इस चुनाव में प्रथम चरण के मतदान के लिए जिन 43 सीटों की घोषणा की गई है, उनमें रांची जिले के केवल सिल्ली और खिजरी में दूसरे चरण में वोटिंग शेड्यूल है. चुनाव आयोग ने अपना काम कर दिया. माथापच्ची करें वे, जिनको चुनाव लड़ना-लड़वाना है. विशुद्ध रूप से राजनीति और वेलफेयर स्टेट पर सोचें तो प्रायः साल भर पहले राजस्थान में भी चुनाव हुआ था. मौका ताड़कर राजस्थान की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने 500 रूपये में घरेलू गैस सिलिंडर देने का ऐलान किया. भाजपा ने 450 रुपये में ही गैस सिलिंडर देने की तत्काल गारंटी दी, बशर्ते सेवा की गारंटी मिले. गारंटी मिल गई तो उसने बीपीएल और उज्ज्वला लाभान्वितों के अलावा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के लाभान्वितों को इसी पहली सितंबर से साल में एक बार 450 रुपये में गैस सिलिंडर देना शुरू कर दिया. सरकार पर ज्यादा नहीं, सालाना दो सौ करोड़ का अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा. बाकी जनरल परिवार इनके-उनके समर्थक हैं और अति समर्थ हैं. सो, वे सोच सकते हैं, होई त दियाई. उसके भी पहले कर्नाटक में हुए चुनावों में कांग्रेस ने सेवा की गारंटी मिलने पर गृह लक्ष्मी, शक्ति, गृह ज्योति, अन्न भाग्य और युवा निधि योजना चलाने की गारंटी दी थी. बेंगलुरू के सीनियर पत्रकार लक्ष्मण वेंकट कुची कहते हैं, कर्नाटक में कांग्रेस सरकार महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की भी सुविधा दे रही है, लेकिन.... वे यहीं आकर थोड़ा रुकते हैं और कहते हैं कि ये योजनाएं सरकार की अर्थव्यवस्था पर भारी गुजर रही हैं. लक्ष्मण की सोच पर सोचें तो यही हाल हिमाचल और तेलंगाना का भी है. तीसरे दशक की प्रायः सभी सरकारें खासकर महिलाओं को प्रत्यक्ष/परोक्ष आर्थिक लाभ पहुंचानेवाली अलग-अलग नामों से ऐसी योजनाएं चला रही हैं.

शुक्रिया उस केजरीवाल को, जिन्होंने दिल्ली चुनावों के दौरान मुफ्त बिजली-पानी का ऐलान कर राजनीति को नया नजरिया दिया था. उसके बाद यह चुनावी हथकंडा ही बन गया. जो-जो न मुफ्त मिल जाय. झारखंड को इस चुनाव का इंतजार इसीलिए था. वह दिली इच्छा पूरी होने का समय आ गया आखिरकार. एकरूप शिक्षा और एकरूप स्वास्थ्य सुविधा न तो अवाम का मुद्दा है, न ही सरकारें देनेवाली हैं. एक देश, एक चुनाव की चर्चा जरूर है. ऐसा हुआ तो सभी राज्यों में जीने-खाने के लिए एक साथ मुफ्त के दाने-दुनके बिखेर दिये जाएंगे. उधर केंद्र की मोदी सरकार ने लोकसभा चुनाव के दौरान की गई घोषणा पर अमल करते हुए 81.5 करोड़ लोगों को मुफ्त पांच किलो अनाज देने की योजना का विस्तार अगले चार साल के लिए कर दिया है. जीवनोपयोगी शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य और हर किसी को रोजी-रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के बजाय सदाव्रत लुटानेवाली अपनी सरकारें गालिब चचा के एक शेर पर बखूबी अमल कर रही हैं, भले ही हर दिन कर्ज का बोझ बढ़ाती जाएं, दिवालिया हो जाएं.

कर्ज की पीते थे मय, लेकिन समझते थे कि हां.
रंग लाएगी हमारी फाकामस्ती एक दिन..

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | **डॉ. मयंक मुरारी**

सृष्टि में विराजमान शक्ति

द्वैतभाव से भ्रम पैदा होता है. एकात्म की उच्च स्थिति में जगत के परम रहस्य की अनुभूति होती है. भगवान राम वनवास काल में माता सीता के वियोग में विलाप कर रहे हैं. शिवजी इस स्थिति को देखा तो उनके हृदय में बहुत भारी आनंद उत्पन्न हुआ, वहीं माता सती को संशय होता है. जो मायारहित है, वह जन्म-मरण के बंधन से कैसे बंध सकता है? यह संशय ही द्वैत है. जब राम पूछते हैं कि वृषकेतु अर्थात् शिवजी कहां है? तब उनको अद्वैत का बोध होता है. द्वैतभाव सदैव पुरुष और प्रकृति का माया रचता है. माता सती के संशय से ही माता पार्वती का श्रद्धा का जन्म होता है. माता खुद ही शिव की वामांगी होती हैं, तो महादेव प्रिया कहते हैं. उनको प्रेमपूर्ण स्थान मिलने पर माता खुद शिव से बहुत करुण स्वर में कहती है कि हे देवताओं के स्वामी ! मैं बहुत ही आर्तभाव से पूछती हूं. आप मुझपर दया करके श्रीराम की कथा कहिए. (रामचरितमानस). यह अद्वैत की ओर आरोहण है. अर्द्धनारीश्वर के रूप का अस्तित्व के स्वरूप में रूपांतरण है. महाकाल और आदिशक्ति की उत्पत्ति नहीं होती है. यह हिरण्यगर्भ यानी ब्रह्म का द्वैतभावों में रूपांतरण है. महाकाल को शिव कहा गया है, जो ऊर्जा का अक्षत भंडार है. यह कोई विध्वंस या निर्माणकारी शक्ति नहीं है. यह केवल शक्तिपुंज का घनीभूत स्वरूप है. वह सर्वकालिक है. वह भोजन में शक्ति है. नींद में ऊर्जा संग्रहित करता है और जागरण में खर्च करता है. वह शक्तिपुंज प्राणायाम से जागता है, ध्यान से ऊर्ध्वगामी होता है. भय से वह सिकुड़ता है, वासना में नीचे गिरता है. प्रेम में विस्तृत होता है और समाधि में उस अनंत विराट के साथ एकाकार होता जाता है. वह शक्ति है. वह ऊर्जा है. वह महाकाल भी है और वही महादेव भी है. वह शक्ति है. महादेवी है. इस विराट में सब शिव है. जगत में सारा रूप, सारी प्रकृति और सारी वस्तुएं केवल ऊर्जा का रूपांतरण है. इस कारण श्रीकृष्ण कहते है कि हम ही परम है. जगत की रचना के साथ काल की उत्पत्ति होती है. परंतु महाकाल उस रचना के पूर्व भी अपने में पुरुष और प्रकृति के स्वरूपों को खुद में छिपाए रहता है. संपूर्ण अस्तित्व के रचनापूर्व वह हिरण्यगर्भ भी अर्द्धनारीश्वर गुणों के साथ होता है. देवी शब्द देव से आया है जिसका अर्थ स्पेस होता है. इसलिए देवी ऐसी स्थान है जो अस्तित्व के तीन मौलिक शक्तियों को अपने अंदर समाहित करता है.

क्यों प्रदूषण का शिकार हो रहीं हमारी नदियां

भारत की 22 नदियों और उसकी सहायक जलधाराओं में दो या उससे अधिक हानिकारक धातुओं के मौजूद होने की पुष्टि हुई है. इन नदियों से 37 निगरानी स्टेशनों से लिए पानी के नमूनों में आर्सेनिक, कैडमियम, क्रोमियम, तांबा, लोहा, सीसा, पारा और निकल जैसी जहरीली धातुओं का स्तर सुरक्षित सीमा से अधिक पाया गया है. यह जानकारी अगस्त 2024 में प्रकाशित एक रिपोर्ट में सामने आई है. इस बारे में केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) द्वारा किए एक अध्ययन से पता चला है कि भारत की 81 नदियों और उसकी सहायक जलधाराओं में एक या उससे अधिक हानिकारक धातुओं (हैवी मेटल्स) का स्तर बहुत अधिक है. इस रिपोर्ट में भारत की दस नदी घाटियों के पानी में नौ हानिकारक धातुओं की जांच की गई. इसके जो नतीजे सामने आए हैं, उनसे पता चला है कि 14 नदियों के 30 स्टेशनों पर आर्सेनिक मौजूद है, जबकि 11 नदियों में 18 जगहों पर पारा और 16 नदियों के 16 निगरानी स्टेशनों से लिए पानी के नमूनों में क्रोमियम की मौजूदगी की पुष्टि हुई है. सीडब्ल्यूसी द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी से दिसंबर 2022 के बीच भारत के 328 नदी निगरानी स्टेशनों में से 141 में एक या उससे अधिक हानिकारक धातुओं का स्तर खतरनाक रूप से अधिक था. मतलब की 43 फीसदी स्टेशनों में जल गुणवत्ता की स्थिति खराब थी. रिपोर्ट के मुताबिक 13 राज्यों के 99 जिलों में 81 नदियों और सहायक जलधाराओं पर स्थापित स्टेशनों ने आर्सेनिक, कैडमियम, तांबा, लोहा, सीसा, पारा और निकल जैसी एक या उससे ज्यादा हानिकारक धातुओं के बेहद अधिक होने का खुलासा किया है. उदाहरण के लिए दिल्ली में यमुना नदी के पल्ला यू/एस डब्ल्यूक्यूएमएस स्टेशन से लिए नमूने में पारे का स्तर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा से नौ गुना अधिक था.

• पर्यावरण

किरण पांडेय

गौरतलब है कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने पानी में पारे के लिए एक माइक्रोग्राम प्रति लीटर की सीमा तय की है. 'स्टेटस ऑफ ट्रेस एंड टॉक्सिक मेटल इन रीवर्स ऑफ इंडिया' नामक इस रिपोर्ट में भारी धातुओं की व्यापक मौजूदगी का पता चला है. वहीं कई स्टेशनों पर आर्सेनिक, कैडमियम, क्रोमियम, तांबा, लोहा, सीसा, पारा और निकल जैसी जहरीली धातुओं का स्तर तय सीमा से कहीं ज्यादा था. रिपोर्ट ने इस बात की भी पुष्टि की है कि 141 स्टेशनों में से 74 फीसदी यानी 104 स्टेशनों पर एक न एक हानिकारक धातु भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा से कहीं ज्यादा पाई गई. वहीं इनमें से 49 स्टेशनों पर केवल लोहे का स्तर तय सीमा से अधिक था. नौ नदियों और उनकी सहायक जलधाराओं पर मौजूद 17 स्टेशनों पर आर्सेनिक का स्तर सुरक्षित सीमा से कहीं अधिक पाया गया. इनमें से 76 फीसदी यानी 13 स्टेशन उत्तर प्रदेश में गंगा और गोमती नदियों पर स्थित थे. इसी तरह आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के तेरह जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों पर सीसे का स्तर सुरक्षित सीमा से अधिक पाया गया. इसमें चंबल और टोंस नदियों पर स्थित स्टेशन शामिल हैं, जो यमुना की सहायक नदियां हैं. केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष कुशविंदर वोहरा ने रिपोर्ट में कहा है कि, "नदियों का जल प्राकृतिक स्रोतों के साथ-साथ अब मानवीय गतिविधियों के कारण बढ़ रही जहरीली धातुओं से भी दूषित हो रहा है." उनके मुताबिक पानी में इन धातुओं की सुरक्षित सीमा से ज्यादा मौजूदगी पौधों और जानवरों के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं, क्योंकि यह धातुएं नॉन-बायोडिग्रेडेबल प्रकृति की होती है. मतलब की आसानी से खत्म नहीं होती हैं.

> रिपोर्ट में सामने आया है कि उत्तराखंड, केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक के सात जिलों में आठ जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों पर तीन जहरीली धातुएं भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा से ऊपर पाई गई हैं. इन स्टेशनों में हरिपुर, होन्नाली, कल्लुप्पारा, कर्णप्रयाग संगम डी/यू/एस, कीर्तिनगर यू/एस, मलक्कारा, सिंगासदनपल्ली और उत्तरकाशी शामिल हैं.

रिपोर्ट में सामने आया है कि उत्तराखंड, केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक के सात जिलों में आठ जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों पर तीन जहरीली धातुएं भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा से ऊपर पाई गई हैं. इन स्टेशनों में हरिपुर, होन्नाली, कल्लुप्पारा, कर्णप्रयाग संगम डी/यू/एस, कीर्तिनगर यू/एस, मलक्कारा, सिंगासदनपल्ली और उत्तरकाशी शामिल हैं. उत्तराखंड के उत्तरकाशी स्टेशन पर, जो भागीरथी नदी (गंगा की एक सहायक नदी) पर स्थित है, आर्सेनिक, सीसा और लोहे का स्तर सुरक्षित सीमा से ऊपर पाया गया. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

जब कार्यस्थल पर सताने लगे तनाव

कार्यस्थल पर तरह-तरह के तनाव से हमें गुजरना पड़ता है, लेकिन अगर हम थोड़ी बहुत कोशिश करें तो इससे बच सकते हैं. वही करें जो आपके शरीर के लिए अच्छा हो. वही आपके दिमाग के लिए भी अच्छा होगा. अपने शरीर की देखभाल करें. शारीरिक व्यायाम अच्छा महसूस करने और तनाव से छुटकारा दिलाने में मदद करता है. जब हम शारीरिक रूप से मजबूत और फिट होते हैं तो हमें कठिन परिस्थितियों से निपटने के लिए शारीरिक और मानसिक ऊर्जा मिलती है. सक्रिय रहें. प्रकृति के साथ रहना मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा साबित होता है. अगर आप घर के बाहर नहीं कर सकते तो डांस या स्ट्रेचिंग करें, या घर के काम में मदद करें. पौष्टिक आहार लें, रात को निर्धारित समय पर सोने का प्रयास करें. कोशिश करें कि कम से कम आठ या नौ घंटे की नींद पूरी हो. भले ही आपका दिन काफी व्यस्त हो और आपका मन न हो, फिर भी नहाएं, ब्रश करें, अपने बालों में कंघी करें और तैयार हो जाएं. गहरी सांस लेना सीखें और इसका अभ्यास करें. सकारात्मक विचार रखें, सकारात्मक भावना रखें. जिस तरह से हम परिस्थितियों के बारे में सोचते हैं, वह हमारे महसूस करने के तरीके को प्रभावित करता है. जब हम केवल नकारात्मकता पर ध्यान देते हैं तो हमें बुरा लगता है. जब हम बुरा महसूस करते हैं तो हम केवल चीजों का नकारात्मक पक्ष ही देख पाते हैं. यह एक अंतहीन चक्र है! आप हमेशा सकारात्मक नहीं हो सकते हैं, लेकिन चीजों में अच्छाई ढूंढना नकारात्मक भावनाओं को कम करती है और हमें अपनी समस्याओं का समाधान करने में सहायक होती है. कठिन समय में अपनी ताकत और पिछली सफलताओं को याद करें तो यह करना आसान हो जाएगा. क्या आप जानते हैं कि दूसरों के प्रति दयालु होने से हमें भी खुशी मिलती है? दूसरों की मदद करना, परेशानी का हल ढूंढने के लिए स्वास्थ्य के लिए हानिकारक वस्तुओं के सेवन से बचें. जब आप कठिनाई का अनुभव कर रहे हों तो अपना ख्याल रखने के लिए स्वस्थ तरीका खोजना महत्वपूर्ण है. शराब पीने, सिगरेट या मारिजुआना का सेवन करने, बहुत ज्यादा खाने, अपने आपको दोस्तों और परिवार से दूर रखने, खतरनाक संबंधों और गतिविधियों में शामिल होने जैसे प्रलोभनों से खुद को बचाना वैसा ही तरीका हो सकता है.

• मनोविज्ञान

रेनू गहलोत रॉय

> प्रकृति के साथ रहना मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा साबित होता है. अगर आप घर के बाहर नहीं कर सकते तो डांस या स्ट्रेचिंग करें, या घर के काम में मदद करें. पौष्टिक आहार लें, रात को निर्धारित समय पर सोने का प्रयास करें. कोशिश करें कि कम से कम आठ या नौ घंटे की नींद पूरी हो. भले ही आपका दिन काफी व्यस्त हो और आपका मन न हो, फिर भी नहाएं, ब्रश करें, कंघी करें और तैयार हो जाएं.

ऐसा नहीं करने से आपकी समस्याएं बढ़ेंगी, उनका हल नहीं निकलेगा. इसके बजाए गहरी सांस लेने का अभ्यास करें. जितना हो सके परिवार और दोस्तों के संपर्क में रहें. जब हमें बुरा लगता है तो हम अक्सर दूसरे लोगों से मिलने से कतराते हैं, लेकिन यह सोच सही नहीं है. इसके बजाए कोशिश करें और सुनिश्चित करें कि आप उन लोगों के साथ समय बिताते हैं, जो आपका समर्थन करते हैं और आप पर भरोसा करते हैं. उनके साथ अक्सर मिलना जुलना सुनिश्चित करें. यदि हमें ज्यादा कुछ बात नहीं भी करनी हो, फिर भी हम जिन लोगों को पसंद करते हैं और उन पर भरोसा करते हैं, उनके साथ मिलकर किसी गतिविधि को करने से हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर अच्छा असर पड़ता है. सोशल मीडिया, ईमेल, फोन का उपयोग करें या पत्र लिखें. जब आप किसी से संपर्क नहीं कर पा रहे हों तो उस समय के बारे में सोचें, जो समय आपने एक साथ बिताया था. समस्या का समाधान करें. हमारे दिमाग में समस्याएं बड़ी हो सकती हैं. खासकर तब, जब हम उन्हें नज़रअंदाज़ कर देते हैं. जैसे-जैसे वे बढ़ती हैं, हम उनका सामना करने में स्वयं को कम सक्षम महसूस करने लगते हैं और यह तब हमारे महसूस करने के तरीके को प्रभावित करता है. हमें अपनी समस्याओं का सामना करना ही चाहिए. यदि आप किसी समस्या का सामना कर रहे हैं और यह नहीं जानते कि इसे कैसे हल किया जाए, तो इन सरल चरणों का प्रयास करें-समस्या को लिखें. जितना संभव हो उतना सटीक और संक्षिप्त लिखें. विचार विमर्श करें. समस्या के कई समाधानों के बारे में सोचें. इस स्तर पर यह न सोचें कि समाधान अच्छे हैं या बुरे. इसके बाद यह सोचें कि आप खुद क्या करते या वे लोग क्या करते, जो आपकी मदद कर सकते हैं. **(ये लेखिका के निजी विचार हैं)**

मीडिया में अन्यत्र

क्या खत्म हो सकता है गूगल ऐप का वर्चस्व?

गूगल को अपने एंड्रॉइड प्लेटफॉर्म को तीसरे पक्ष के ऐप स्टोर एवं वैकल्पिक भुगतान विकल्पों के लिए खोलने को मजबूर करने वाली अमेरिकी जिला न्यायाधीश जेम्स डोनाटो द्वारा जारी हालिया निषेधाज्ञा अल्फाबेट की सहायक कंपनी और टेनसेंट समर्थित एपिक गेम्स के बीच चल रहे कानूनी विवाद में एक महत्वपूर्ण मोड़ को इंगित करती है. भुगतान शर्तों का उल्लंघन करने के लिए गूगल द्वारा एपिक के लोकप्रिय गेम फोर्टनाइट को प्ले स्टोर से हटा दिए जाने के बाद 2020 में शुरू हुए इस अविश्वास संबंधी मुकदमे का एंड्रॉइड ऐप इकोसिस्टम के कामकाज पर दूरगामी प्रभाव पड़ा है. एपिक ने उपयोगकर्ताओं को सीधे प्रकाशक को भुगतान करने की व्यवस्था करके गूगल के नियमों को दरकिनार कर दिया था, जिससे लड़ाई शुरू हो गई. नवंबर से प्रभावी होने वाला न्यायाधीश डोनाटो का फैसला गूगल को उन तमाम चलनों को रोकने का आदेश देता है, जिनमें सीमित प्रतिस्पर्धा है. मसलन, कंपनियों को अपने मंच (मार्केटप्लेस) पर विशेष रूप से ऐप लॉन्च करने के लिए भुगतान करना या नए उपकरणों पर गूगल प्ले को प्रीइंस्टॉल करना. यह गूगल को अपने प्ले स्टोर पर प्रतिद्वंद्वी ऐप स्टोर को प्रदर्शित करने और ऐप डेवलपर्स को वैकल्पिक भुगतान प्रणाली दिखाने की इजाजत देने का भी आदेश देता है. तीन सालों के लिए, यह निषेधाज्ञा अपने मंच (मार्केटप्लेस) को संचालित करने के गूगल के तौर-तरीकों को नया आकार देगी. इससे एंड्रॉइड इकोसिस्टम में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के लिए गुंजाइश बनेगी. लेकिन गूगल का तर्क है कि ये बदलाव उपयोगकर्ता की गोपनीयता एवं सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा करेंगे और अपने ऐप को बढ़ावा देने की डेवलपरों की क्षमता को सीमित कर सकते हैं. हालांकि, यह निषेधाज्ञा गूगल को सुरक्षा पर कुछ नियंत्रण बनाए रखने की इजाजत देती है. लेकिन अदालत का यह फैसला एक स्पष्ट संदेश देता है - अब गूगल के लिए एंड्रॉइड ऐप के मंच (मार्केटप्लेस) को नियंत्रित करने के तौर-तरीकों में बदलाव करने का वक्त है.लड़ाई के मूल में "गूगल टैक्स" है, जो 15 फीसदी-30 फीसदी का एक कमीशन है जिसे गूगल कंपनी ऐप डेवलपरों से प्ले स्टोर के ऐप के जरिए किए गए लेनदेन के लिए लेती है. इससे गूगल को हर साल अरबों डॉलर मिलते हैं. सुनवाई के दौरान, यह पता चला कि गूगल ने स्पॉटीफाई और टिंडर के मालिक मैच ग्रुप सहित प्रमुख डेवलपरों के साथ विशेष सौदे किए थे, जिसमें उन्हें कम कमीशन का भुगतान करने की इजाजत दी गई थी. इससे ऐप के मार्केटप्लेस में अनुचित व्यवहार संबंधी दावों को और बढ़ावा मिला. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा | **डॉ. विनय कुमार पाण्डेय**

ठाट/थाट

गर लाटरी उठ जाए तो क्या ठाट से गुज़रे, ये ख़्वाब है अंधों का जो पूरा नहीं होता. इस शेर में उर्दू के जानेमाने शायर रऊफ रहीम साहब ने वैसे लोगों पर कटाक्ष किया है, जो घोर दरिद्रता की स्थिति में भी ठाट-बाट का सपना देखते रहते हैं. कुछ लोग होते भी ऐसे हैं, जो हर हाल में अपना ठाट बनाये रखना चाहते हैं और कभी-कभी ठाट के चक्कर में अपना और भी अधिक नुकसान करा लेते हैं. वैसे ठाट उतना बुरा भी नहीं होता. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार ठाट हिंदी का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है, इसका सबसे अधिक प्रयोग सजधज, शान-शौकत आदि अर्थों में किया जाता है, लेकिन इसके और भी कई अर्थ होते हैं. जैसे रोक या रक्षा के काम आनेवाला बांस का ढांचा और सितार के तार को ठाट ही कहा जाता है. ठाट के साथ जब बाट शब्द की दोस्ती हो जाती है तब शब्द युग्म बनता है ठाट-बाट. ठाट-बाट का मतलब है तड़क-भड़क, वैभव, सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य का प्रदर्शन, आडंबर. इससे मिलता-जुलता शब्द है ठाठ. इसका मतलब है ऐसी बनावट या रचना जो तड़क-भड़क, वैभव, शोभा, सजावट आदि दिखाने के उद्देश्य से तैयार की गयी हो, आडंबर, किसी प्रकार की लंबी-चौड़ी बनावट, सुख-समृद्धि, आयोजन, व्यवस्था, प्रबंध, पैंतरा. एक मुहावरा है ठाट बदलना, जिसका मतलब है भेष बदलता. थाट शब्द का सीधा संबंध संगीत शास्त्र से है. इसे कुछ लोग ठाट भी कहते हैं, लेकिन यह थाट के रूप में ही अधिक जाना जाता है. संगीत शास्त्र के अनुसार थाट हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में रागों के विभाजन की पद्धति है. सप्तक के १२ स्वरों में से ७ क्रमानुसार मुख्य स्वरों के उस समुदाय को ठाट या थाट कहते हैं जिससे राग की उत्पत्ति होती है. इसका प्रचलन पं॰ भातखंडे जी ने प्रारम्भ किया. सप्तक के 12 स्वरों में से 7 क्रमानुसार मुख्य स्वरों के उस समुदाय को थाट कहते हैं, जिससे राग उत्पन्न होते है.

किस पार्टी के टिकट पर लड़ता कौन चुनाव

सच पूछो तो न विधायक बनने में कुछ रखा है और न सांसद बनने में ! दोनों ही पद व्यर्थ हैं. सत्य की खोज में व्यक्ति कभी विधायक बनता है ,उसके बाद विधायकी छोड़कर सांसद बन जाता है . फिर सांसदी छोड़कर फिर विधायक का चुनाव लड़ता है ,मगर शांति नहीं मिलती. शांति का असली निवास मंत्री पद है. जिसकी सरकार है , उस की पांचों उंगलियां घी में हैं. वरना चाहे विधायक हो या सांसद, कोई पूछने वाला नहीं है. आदमी सड़क पर अकेला घूमता है और घर पर दो परांठे खा कर सो जाता है तथा अपने को भाग्यवान मानता है. सदन में भाषण देने के अतिरिक्त सांसद और विधायक के पास अधिकार नाम की कोई चीज नहीं है . जनता के क्या काम बेचारा करा सकता है? वह खुद बेचारी की स्थिति में होता है. विपक्ष के विधायक और सांसद की तो और भी दुर्गति है . न उसकी सरकार सुनती है ,न प्रशासन सुनता है . जनता उसके पास शुरू के एक-दो साल तक समस्याओं का पुलंदा लेकर जाती है और निराश होकर लौट आती है . फिर उसके बाद जाना बंद कर देती है . बेचारा विधायक सुबह से शाम तक मक्खी मारता है . और वह कर भी क्या सकता है ? किसी का बाल भी बांका करने की उसकी स्थिति नहीं होती. सत्ता पक्ष में भी अगर कोई विधायक या सांसद बन गया तो कौन सा तीर मार लेगा ? सत्ता केवल मंत्री पद में ही निहित होती है . या तो मंत्री या फिर बाकी सब संतरी. स्थिति यही है.

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

जनता बेचारी शुरू के कुछ आम चुनावों में यही समझती रही कि हम विधायक और सांसद जिसको चुनेंगे, वह हमारा भाग्य विधाता बन जाएगा और हमारा भला करके हमें स्वर्ग जैसी सुविधाएं प्रदान करा देगा . लेकिन धीरे-धीरे जनता भी समझदार होती रही और नेतागण उसको मूर्ख नहीं बना पा रहे. आज सबके सामने स्थिति साफ है. मतदाता समझ चुका है कि उसे विधायक या सांसद नहीं चुनना होता है ,बाकायदा सीधे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के लिए बटन दबाना पड़ता है . जिसको जो पसंद है वह अपनी पसंद के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को चुन ले . लोकतंत्र में सारी शक्ति सरकार के हाथों में है . जैसा सरकार चाहेगी, वैसा देश और प्रदेश बनेगा. किस पार्टी में मिल रहा किसको कितना भाव, किस पार्टी के टिकट पर लड़ता कौन चुनाव, इस विषय पर भावुक होने की जरूरत नहीं है. इस बात पर भी ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है कि चुनाव में टिकट किसे मिला अथवा किस पार्टी के टिकट पर कौन व्यक्ति चुनाव लड़ रहा है? किसी का कोई महत्व नहीं है. सब शतरंज के मोहरे हैं. असली ताकत सरकार में है. जब मतदान वाले दिन वोट देने जाओ तो यह पहले सोच लो कि तुम्हें किस पार्टी की सरकार बनानी है? मुख्यमंत्री किसे बनाना चाहते हो? तथा देश के प्रधानमंत्री के रूप में तुम्हारी पसंद क्या है? बाकी सब तो पार्टी का व्हिप जारी होता है और वह नियमानुसार सारे काम तुम्हारे चुने हुए विधायक और सांसद से करा लेगा.

हस्ताक्षर

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

इस बात में दो मत नहीं कि न हिंदू बनेगा, न मुसलमान बनेगा की बात करने वाला हिंदी सिनेमा मस्जिदों, दरगाहों पर तो सहज रहता, मंदिरों को दिखाने के नाम पर असहज हो जाता. मंदिर के लिए फिल्मिस्तान के मंदिर से काम से चल जाता, दरगाह तो अजमेर शरीफ का ही चाहिए. जब भी खूबसूरत लोकेशन की आवश्यकता होती है, हिंदी सिनेमा के जेहन में आमतौर पर मकबरों का ही ख्याल आता है. जबकि सौंदर्य की दृष्टि से हों, धरोहर की दृष्टि से हों, पौराणिक महत्व की दृष्टि हों या फिर आस्था की दृष्टि से भारत में सौ से अधिक ऐसे मंदिर होंगे, जिनका सौंदर्य और स्थापत्य अतुलनीय माना जा सकता है.

परदे पर नहीं दिखे मंदिरों के स्थापत्य

हिंदी सिनेमा को जब भी खूबसूरत लोकेशन की आवश्यकता होती है, उसके जेहन में आमतौर पर मकबरों का ही ख्याल आता है. एक ताजमहल की भव्यता ही 500 से भी अधिक फिल्मों में दिखायी गयी. कभी सिनेमा में मुंबई की पहचान ही हाजी अली से होती थी. सुभाष घई की फिल्म 'परदेस' 'आई लव माई इंडिया...' के लिए ही याद नहीं किया जाता, "दो दिल मिल रहे हैं..." के लिए भी याद किया जाता है. इस गाने में पूरे विस्तार से फतेहपुर सिकरी के मस्जिद की भव्यता दिखाई गई है, जिसका निर्माण अकबर ने सलीम चिश्ती के लिए करवाया था, जिसने उसके पिता बनने की भविष्य की थी. सलीम चिश्ती के नाम पर ही अकबर ने अपनी पहली संतान का नाम भी सलीम रखा था. मस्जिद के उत्तर में सलीम चिश्ती की दरगाह भी है. कहते हैं इसका निर्माण मक्का की मस्जिद के नकल पर किया गया था. कोई शक नहीं कि न हिंदू बनेगा, न मुसलमान बनेगा की बात करने वाला हिंदी सिनेमा मस्जिदों, दरगाहों पर तो सहज रहता, मंदिरों को दिखाने के नाम पर असहज हो जाता.

परदे पर उपेक्षित अतुलनीय सौन्दर्य और स्थापत्य के मंदिर

जबकि सौंदर्य की दृष्टि से हों, धरोहर की दृष्टि से हों, पौराणिक महत्व की दृष्टि हों या फिर आस्था की दृष्टि से भारत में सौ से अधिक ऐसे मंदिर होंगे, जिनका सौंदर्य और स्थापत्य अतुलनीय माना जा सकता है. दुनिया भले ही नजरें चुरा रही हो, अपनी कारीगरी से वे हजारों साल बाद भी देखने वालों को विस्मित कर रही हैं. 50 रुपए के नोट पर छपे

'हम्पी के मंदिर' की ही बात करें, विजयनगर साम्राज्य के समृद्धि और स्थापत्य के प्रतीक के रुप में इस मंदिर को देखा जा सकता है. यूनेस्को ने भी इसे वर्ल्ड हेरिटेज में शामल किया है. द्रविड स्थापत्य शैली में बना भगवान शिव का यह मंदिर अपनी भव्यता और महीन कारीगरी के लिए आज भी चकित करता है. कर्नाटक में ही 'होयसलेश्वर मंदिर' के अद्भुत स्थापत्य की कल्पना बगैर देखे नहीं की जा सकती. सोपस्टोन से बना यह मंदिर अपनी मूर्तियों, महीन नक्काशी, विस्तृत चित्र श्रृंखला के साथ-साथ अपने इतिहास, प्रतिमा विज्ञान, उत्तर भारतीय और दक्षिण भारतीय लिपियों में शिलालेखों के लिए विश्व भर के पुरातत्व प्रेमियों को आकर्षित करता है.

हिंदू धर्म से जुड़ी पहचान को लेकर भ्रम

हिंदी सिनेमा का मंदिरों से एक हद तक परहेज इसी अर्थ में समझा जा सकता है कि किसी मकबरे की शूटिंग के लिए वे पूरे क्रू के साथ हजार किलोमीटर की यात्रा कर सकते, लेकिन नजदीक के मंदिर को वे महत्व देना नहीं चाहते. क्या कमाल है मंदिर के लिए फिल्मिस्तान के मंदिर से काम से चल जाता, मस्जिद तो अजमेर शरीफ का ही जाहिए. वास्तव में हिंदी फिल्मकारों के कई पूर्वाग्रहों में एक यह भी है कि सूफी, कव्वाली, मकबरा, दरगाह जैसे इस्लाम से जुड़ी चीजें तो आम दर्शकों को स्वीकार्य होंगी, लेकिन हिंदू धर्म से जुड़ी पहचान उनकी छवि खराब कर देंगे. वे भूल जाते हैं कि यही दर्शक हैं जिसने 'शोले' के साथ 'जय संतोषी मां' को भी सरमाथे पर बिठाया था.

देख नहीं पाती या देखना नहीं चाहती!

आश्चर्य कि मंदिरों के स्थापत्य को सिनेमा ने भरसक छिपाए रखने की कोशिश की. खजुराहो मंदिर, कोणार्क मंदिर, कांची मंदिर, दिलवाड़े का मंदिर, एलोरा का कैलाश मंदिर, मीनाक्षी मंदिर, तंजावुर मंदिर, रामेश्वरम, सोमनाथ देश के हर क्षेत्र में अपने अप्रतिम सौंदर्य और हजारों वर्षों के भारतीय स्थापत्य और ज्ञान की विरासत अपने में समेटे मंदिर उपस्थित हैं. हिंदी सिनेमा की सीमा, वह नहीं देख पाती, या देखना नहीं चाहती. ऐसे में अभिषेक वर्मन की फिल्म '2 स्टेट्स' की याद आना स्वभाविक है, जिसके अंतिम दृश्यों में महाबलीपुरम का आठवीं शताब्दी में निर्मित तटीय मंदिर कहानी को पूर्णता देता है, जहां नायक कृष (अर्जुन कपूर) और नायिका अनन्या (आलिया भट्ट) का विवाह हो रहा होता है. एक सामान्य से विवाह के दृश्य को एक प्राचीन ऐतिहासिक मंदिर की उपस्थिति कितना भव्य बना देती है, आने वाले दिनों में हिंदी सिनेमा शायद यह समझने को तैयार हो सके.

अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद बोली मलाइका

न गिला है और न कोई पछतावा!

हाल के कुछ महीने मलाइका अरोड़ा के लिए बेहद मुश्किल भरे रहे हैं. पिछले महीने उनके सिर से पिता अनिल मेहता का हाथ हट गया, वहीं लंबे समय से प्रेमी अर्जुन कपूर से उनके ब्रेकअप की खबरें भी सामने आईं. इस बीच उन्होंने एक मैग्जीन को दिए इंटरव्यू के दौरान कुछ ऐसा कहा जिससे फैंस को लग रहा है कि बातें अर्जुन कपूर का लेकर ही कही गई है. हमेशा लाइमलाइट में रहने वाली मलाइका अरोड़ा ने जब अरबाज खान के साथ शादी के 19 साल बाद तलाक लिया, उससे पहले से ही अर्जुन कपूर के साथ डेटिंग की खबरें सामने आने लगी थीं. इस साल की शुरुआत में ही अर्जुन कपूर के साथ इनके ब्रेकअप की खबरे आईं. हालांकि अर्जुन और मलाइका ने खुद इस बाबत कभी खुल कर कुछ नहीं कहा. लेकिन मलाइका ने अर्जुन को बर्थडे विश भी नही किया था ना ही एक्टर की बर्थडे पार्टी में शामिल हुई थीं. वहीं पब्लिकली भी दोनों एक दूसरे को नजरअंदाज करते हुए नजर आए. लेकिन मलाइका के पिता की मौत के समय मुश्किल घड़ी में अर्जुन कपूर और अरबाज खान समेट पूरा परिवार एक्ट्रेस का सहारा बने दिखे थे.

अब ग्लोबलस्पा मैगज़ीन को दिए इंटरव्यू में उन्होंने अपने फैसलों को लेकर बात की है. कहा कि उन्होंने जो भी फैसला लिया है, चाहे वह पर्सनल हो या प्रोफेशनल, उन्होंने किसी न किसी तरह से उनकी लाइफ को प्रभावित किया है. मलाइका ने कहा, "मेरा मानना है कि पर्सनल और प्रोफेशनल रूप से मैंने जो भी ऑप्शन चुना है, उसने मेरी लाइफ को एक कारण से आकार दिया है. मैं बिना किसी पछतावे के जी रही हूं और खुद को भाग्यशाली महसूस करती हूं कि चीजें वैसे ही सामने आई हैं, जैसी होनी चाहिए थीं.

धमाकेदार ट्विस्ट से भरपूर होगा

'ये रिश्ता क्या कहलाता है'

टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में इस हफ्ते दर्शकों का खासा मनोरंजन होगा. ट्विस्ट की बारात सी आएगी. ये ट्विस्ट चारू की शादी, अभिरा की प्रेग्नेंसी और करवाचौथ के व्रत से जुड़े हुए होंगे. इन ट्विस्ट की वजह से जहां अभिरा और अरमान की जिंदगी में नई परेशानियां आएंगी, वहीं अभिरा और पौद्दार परिवार के रिश्ते में सुधार भी होगा. इतना ही नहीं अभिरा से 36 का आंकड़ा रखने वाली विद्या भी उसका साथ देगी. लेकिन अरमान, अभिरा से नाराज हो जाएगा. शो में कुछ समय के लिए एक नए लड़के की एंट्री होगी जो चारू को देखने पौद्दार हाउस आएगा. इस समय अभिरा उससे कहेगी कि शादी के बाद भी चारू नौकरी करेगी. इसपर लड़के वाले भड़क जाएंगे.

दिखाया जाएगा कि अरमान अभिरा के संग अपने पहले करवाचौथ के

लिए बेहद उत्साहित है, लेकिन प्रेग्नेंसी के कारण अभिरा करवाचौथ का व्रत रखने से इंकार कर देगी. ऐसे में अरमान का दिल टूट जाएगा. अरमान को उदास देख अभिरा अपनी प्रेग्नेंसी से जुड़ी जटिलता के बारे में उसे बताएगी. तब अरमान अभिरा को बच्चा नहीं रखने की बात कहेगा. दूसरी ओर विद्या, अभिरा की प्रेग्नेंसी की खबर सुन खुश हो जाएगी.

प्यार का साक्षी बना चांद

करवा चौथ पर्व की पवित्रता, आस्था, भव्यता और खूबसूरती...ये सभी सुनहरे पर्दे पर साकार होती रही है. बॉलीवुड में इसका ट्रेंड खासतौर पर 1980 से शुरू माना जाता है. 1980 में रिलीज हुई और जितेंद्र, रेखा- मौसमी चैटर्जी अभिनित फिल्म 'मांग भरो साजना' में करवा चौथ को फिल्माया गया था. इसके बाद कई फिल्मों में करवा चौथ के बहाने दाम्पत्य व प्रेम संबंध को बॉलीवुड ने पर्दे पर अभिव्यक्ति दी. आइए, आज कुछ ऐसी ही फिल्मों की बात करें जिसमें करवा चौथ पर्व का खूबसूरती व अहमियत से फिल्माया गया.

'बाबुल'

निर्देशक रवि चोपड़ा की फिल्म 'बाबुल' का करवाचौथ सीन भी यादगार है. फिल्म में अपने पति सलमान का साथ सात जन्मों तक पाने के लिए पत्नी बनी रानी मुखर्जी करवाचौथ का व्रत रखती है.

कभी खुशी, कभी गम

कभी खुशी कभी गम में काजोल, शाहरुख, अमिताभ और जया बच्चन के ऊपर इस त्योहार को सोलिब्रेट करते दिखाया गया है. इस फिल्म में 'बोले चूड़ियां' गाना भी फिल्माया गया. इस गाने में फिल्म की पूरी स्टारकास्ट इस पर्व में शामिल होती है. फिल्म के इस सीन में तीन जोड़ियां करवा चौथ का व्रत रखती हैं. पहली बार करवाचौथ का एक फैमिली कनेक्ट भी इस फिल्म के सीन में दिखाई दिया.

हम दिल दे चुके सनम

इस फिल्म में करवाचौथ के अवसर पर एक खास गाना 'चांद छुपा बादल में' फिल्माया गया, जिसमें सलमान खान और ऐश्वर्या राय बच्चन नजर आए थे. यह गाना आज भी दर्शकों का पसंदीदा गाना है. इस गाने में फिल्म की सभी शादीशुदा महिलाएं अपनी पति के लिए करवाचौथ का व्रत रखती हैं और इस त्योहार को सभी के साथ मनाती हैं.

बागबान

बागवान में करवाचौथ का दृश्य बेहद भावुक कर देने वाला है जिसे देख कर किसी के भी आंखों में आंसू आ जाए. फिल्म में एक बुजुर्ग जोड़े की करवाचौथ से जुड़ी भावनाओं को बेहद खूबसूरत तरीके से पेश किया गया है. पति पत्नी के प्रेम में भीगे इस पर्व के दिन बुजुर्ग जोड़ा (अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी) एक दूसरे से दूर थे. पिता अलग बेटे के घर तो मां दूसरे बेट के घर. करवा चौथ के दिन दोनों बेहद भावुक थे और एक दूसरे का साथ शिद्दत से चाहते थे. ऐसे में फोन दोनों करवा चौथ मनाते हुए दोनों की बातचीत दर्शकों को रुला देती है. चांद देखने के बाद एक दूसरे से फोन पर बात करते हुए अपना व्रत खोलते हैं.

'हम आपके हैं कौन'

इस फिल्म में सलमान खान और माधुरी दीक्षित की जोड़ी को काफी पसंद किया गया है. वहीं इस मूवी में दोनों के बीच फिल्माया गया करवा चौथ का दृश्य बेहद खूबसूरत है और आज भी दर्शकों के दिल में जगह बनाए हुए है.

रील लाइफ

बिन फेरे हम तेरे वाला करवा चौथ

इश्क-विश्क

फिल्म में अमृता राव ने बिना शादी किए शाहिद कपूर के लिए व्रत रखा था और चोरी-छुपे व्रत तोड़ा था.

हम दिल दे चुके सनम

फिल्म में ऐश्वर्या ने बिना शादी किए सलमान के लिए व्रत रखा था.

बीवी नंबर 1

इस फिल्म में करिश्मा कपूर सलमान खान की पत्नी के रोल में थीं. वहीं सुष्मिता गर्लफ्रेंड के रोल में नजर आई थीं. सलमान ने सुष्मिता का व्रत खुलवाया था, जो कि करिश्मा ने देख लिया था.

'दिल वाले दुल्हनियां ले जाएंगे'

आदित्य चोपड़ा की इस फिल्म में काजोल अपने घर वालों से छुप कर अपने प्रेमी शाहरुख खान के लिए करवा चौथ का व्रत रखती है और शाहरुख खान के हाथ से व्रत तोड़ने के लिए वह बेहोश होने का नाटक भी करती है.

रियल लाइफ

इस साल पहला करवा चौथ मनाएंगे ये सितारे

इंडस्ट्री के कई ऐसे जोड़े हैं, जो इस साल रियल लाइफ में पहली बार करवा चौथ मनाएंगे. आइए, ऐसे ही जोड़ों की करें बात...

जैकी भगनानी-रकुल प्रीत सिंह

गोवा में समंदर किनारे एक दूसरे के संग सात फेर लेने वाले जैकी भगनानी व रकुल प्रीत सिंह ने इस साल कई त्योहार पहली बार साथ मनाया. अब करवा चौथ का शिद्दत से इंतजार कर रहे हैं. यह उनका पहला करवा चौथ होगा.

सोनाक्षी सिन्हा-जहीर इकबाल

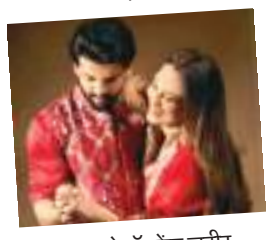

लंबे समय से बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल से जून महीने में कोर्ट मैरिज करते समय सोनाक्षी सिन्हा का उत्साह देखने वाला था. फिर डेट नाइट से हनीमून तक, कई जगह पर अपने अंदाज से जोड़े दिखते रहे. अब फैंस को इंतजार है प्यार में डूबे इस जोड़े को साथ करवा चौथ मनाते देखने का.

अदिति राव हैदरी-सिद्धार्थ

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने सितंबर मास में सिद्धार्थ संग साथ 400 साल पुराने रंगनायक स्वामी मंदिर में ड्रीम मैरिज की है. अब दोनों पति-पत्नी के रूप में अपना पहला करवा चौथ मनाएंगे.

कृति खरबंदा और पुलकित सम्राट

कृति खरबंदा और पुलकित सम्राट ने मार्च में शादी की. दोनों की बेहद रोमांटिक तस्वीरें सोशल मीडिया पर आती रही हैं. यह जोड़ा भी इस साल पहला करवा चौथ मनाने के लिए उत्साहित है. फैंस को इनके पहले करवा चौथ की तस्वीरों का इंतजार है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

जीत का श्रेय पाकिस्तान टीम के चयन और पिच की स्थिति को दिया गया

पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 152 रनों से हराया, सीरीज 1-1 से बराबर

एजेंसी। मुल्तान

पाकिस्तान ने मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड पर 152 रनों की शानदार जीत के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबर कर ली. यह जीत पाकिस्तान के स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मिली, जिन्होंने दोबारा इस्तेमाल की गई पिच का पूरा फायदा उठाया और चौथे दिन लंच से पहले इंग्लैंड को 144 रनों पर आउट कर दिया. इस नतीजे के बाद अगले हफ्ते रावलपिंडी में रोमांचक सीरीज का निर्णायक मुकाबला होगा, जिसमें सीरीज 1-1 से बराबर होगी. 297 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए, बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को ढेर कर दिया, जिन्होंने चौथे दिन सुबह गिरे आठ में से सात विकेट चटकाए, दूसरी पारी में 8-46 और मैच में कुल मिलाकर 11-147 के आंकड़े हासिल किए. मैच में नौ विकेट लेने वाले साजिद खान को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला. नोमान ने ऑफ स्पिनर साजिद खान के साथ मिलकर, जिन्होंने दोनों पारियों में नौ विकेट लिए, इंग्लैंड की स्पिन के सामने कमजोरियों को उजागर किया. दोनों ने मिलकर 20 विकेट आपस में बांटने का दुर्लभ कारनामा किया, ऐसा टेस्ट इतिहास में केवल सात बार हुआ है.

पाकिस्तान की जीत का श्रेय उनके चयन और पिच की स्थिति को दिया गया. पहले टेस्ट में शर्मनाक हार के बाद, जहां इंग्लैंड ने रिकॉर्ड तोड़ 823-7 रन बनाकर पारी घोषित की, पाकिस्तान ने आमूलचूल परिवर्तन किए. उन्होंने पूर्व कप्तान बाबर आजम, तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह को बाहर कर दिया, और दोबारा इस्तेमाल की गई मुल्तान की पिच पर स्पिन-बहुल

आक्रमण का विकल्प चुना. इस कदम ने लाभ दिया क्योंकि नोमान और साजिद ने तीखे टर्न और अप्रत्याशित उछाल का पूरा फायदा उठाते हुए इंग्लैंड को घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया. चौथे दिन की शुरुआत में ही निर्णायक मोड़ आ गया जब इंग्लैंड ने 36-2 से खेलना शुरू किया, उसे अभी भी एशिया में अपने अब तक के सर्वोच्च स्कोर का पीछा करने के लिए 261 रन और चाहिए थे. स्पिन का सामना करने के लिए इंग्लैंड का दृष्टिकोण आक्रामक लग रहा था, लेकिन यह पाकिस्तान के हाथों में चला गया. ओली पोप दिन की आठवीं गेंद पर आउट हो गए, उन्होंने साजिद को रिटर्न कैच दिया और उसके बाद से टीम का पतन तेजी से हुआ. इंग्लैंड के सबसे अनुभवी बल्लेबाजों में से एक जो रूट नोमन की गेंद पर स्वीप करने की कोशिश में एलबीडब्ल्यू आउट हो गए, जबकि हैरी ब्रूक एलबीडब्ल्यू आउट हो गए. आमतौर पर भरोसेमंद माने जाने वाले जेमी स्मिथ ने मिड-ऑन पर आसान कैच थमा दिया और अचानक इंग्लैंड का स्कोर 87-6 हो गया, जिससे टीम मुश्किल में पड़ गई. कप्तान बेन स्टोक्स ने कुछ समय तक प्रतिरोध किया, हर मौके पर स्वीप और रिवर्स स्वीप किया. उन्होंने ब्रायडन कार्स के साथ मिलकर 31 गेंदों पर 37 रन जोड़े, जिसमें कार्स ने साजिद की गेंद पर लगातार दो छक्के लगाने से पहले एलबीडब्ल्यू के फैसले को पलट दिया. हालांकि, स्टोक्स के आक्रामक इरादे की वजह से उनका पतन हुआ, क्योंकि उन्होंने नोमान पर हमला किया, इस प्रक्रिया में उनका बल्ला छूट गया और विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान ने उन्हें स्टंप कर दिया. पुछल्ले बल्लेबाजों ने जल्दी ही क्रीज छोड़ दी, कार्स की गेंद स्लिप में चली गई और जैक लीच की गेंद शॉर्ट लेग पर जा पहुंची. शोएब बशीर अगली ही गेंद पर सिली पॉइंट पर कैच आउट हो गए, जिससे पाकिस्तान की जीत पक्की हो गई और इंग्लैंड की पाकिस्तान में लगातार चार मैच जीतने की लय टूट गई.

पाकिस्तान की सफलता केवल उनके स्पिनरों की वजह से नहीं थी, क्योंकि उन्होंने कामरान गुलाम के बेहतरीन डेब्यू शतक की बदौलत खुद को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था. बाबर आजम की जगह गुलाम ने पाकिस्तान की पहली पारी में अहम शतक बनाया और उन्हें 366 रन तक पहुंचाया. इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने शुरुआत में अच्छी प्रतिक्रिया दी और एक समय 211-2 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थे, लेकिन नाटकीय पतन के कारण वे 291 रन पर आउट हो गए और पाकिस्तान को 75 रन की बढ़त मिल गई. इंग्लैंड को फील्डिंग में चूके मौकों का भी मलाल होगा. पाकिस्तान की दूसरी पारी के दौरान, जब खेल अभी भी संतुलन में था, विकेटकीपर जेमी स्मिथ और जो रूट ने ब्रायडन कार्स की गेंद पर एक ही ओवर में सलमान आगा का दो बार कैच छोड़ा. सलमान ने 63 रन बनाए, जिससे पाकिस्तान ने लगभग अजेय लक्ष्य निर्धारित किया. कठिन परिस्थितियों और टॉस हारने के नुकसान के बावजूद, इंग्लैंड ने मैच में अपने पल बिताए. पहली पारी में बेन डकेट का शतक एक आकर्षण था, लेकिन दोनों पारियों में मध्य-क्रम का पतन चिंता का विषय होगा.

संक्षिप्त स्कोर

पाकिस्तान 366 और 221 (सलमान आगा 63, सऊद शकील 31, शोएब बशीर 4-66, जैक लीच 3-67) ने इंग्लैंड को 291 और 144 (बेन स्टोक्स 37, बायडन कार्स 27, नोमान अली 8-46, साजिद खान 2-93) को 152 रनों से हराया.

बेंगलुरु टेस्ट : टीम इंडिया के धुरंधरों का आया तूफान

तीसरे दिन के खेल में बने 453 रन

एजेंसी। बेंगलुरु

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट बेंगलुरु में खेला जा रहा है. न्यूजीलैंड की टीम ने पहली पारी में 402 रन बनाए. रचिन रवींद्र ने शानदार शतक जड़ा तो वहीं, टिम साउदी ने 65 रन की पारी खेली. दूसरे दिन डेवोन कॉन्वे ने शानदार 91 रन की पारी खेली थी. न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन के खेल में 180 रन बनाए थे और 3 विकेट गंवाए थे. तीसरे दिन उन्होंने यही से बैटिंग शुरू की. तीसरे दिन के खेल में न्यूजीलैंड ने 180 रन से बल्लेबाजी शुरू की. रचिन रवींद्र और डेरिल मिचेल पारी की शुरुआत करने उतरे. डेरिल मिचेल 49 गेंदों में 18 रन बनाकर आउट हो गए. इसके बाद टॉम ब्लंडेल ने 5, ग्लेन फिलिप्स ने 14 तो वहीं, मैट हेनरी ने 8 रन बनाए. रचिन लास्ट तक बने रहे और उन्होंने 134 रन की पारी खेली. रचिन रविंद्र के शतक के बाद टिम साउदी ने भी अपना अर्धशतक पूरा किया. उन्होंने 57 गेंदों में अपना पचासा पूरा किया. इस तरह न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 402 रन बनाए और 356 रन की लीड ली. भारत के लिए रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव ने तीन-तीन विकेट लिये.

विराट-सरफराज ने खेली धमाकेदार पारी

रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल के आउट होने के बाद विराट कोहली और सरफराज खान क्रीज पर आए. दोनों ने गजब की बल्लेबाजी की और टीम के स्कोर को तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 231 रन तक पहुंचाया. सरफराज खान ने 42 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया. वह चौथे दिन भारत की पारी की शुरुआत करेंगे. वहीं, विराट कोहली ने 70 रन बनाए. लेकिन वह 9000 रन पूरे करके लौटे. लेकिन वह ग्लेन फिलप्स की गेंद पर आउट हो गए. तीसरे दिन के खेल में देखें तो कुल 453 रन बने.

कीवी बल्लेबाज रचिन रवींद्र ने भी बनाया रिकॉर्ड

- 2012 के बाद भारत में टेस्ट शतक जड़ने वाले कीवी बैट्समैन बने

बेंगलुरु। रचिन रवींद्र शुक्रवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान भारतीय धरती पर टेस्ट शतक बनाने वाले 2012 के बाद से न्यूजीलैंड के पहले बल्लेबाज बन गए. रचिन रवींद्र ने बेंगलुरु टेस्ट में शानदार बल्लेबाजी की. उन्होंने 123 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया. उनकी इस पारी की बदौलत न्यूजीलैंड मजबूत स्थिति में दिख रही है, जबकि पहली पारी में बुरी तरह फ्लॉप होने के बाद भारतीय बल्लेबाजों को अब बड़ी जंग लड़नी होगी. हालांकि, न्यूजीलैंड ने सुबह के सत्र में चार विकेट खो दिए, लेकिन बेंगलुरु से ताल्लुक रखने वाले रविंद्र ने 11 चौकों और दो छक्कों की मदद से शानदार शतक जड़कर टीम की लय को बनाए रखा. 21 वर्षीय रविंद्र का टेस्ट क्रिकेट में दूसरा शतक था, उन्होंने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला शतक लगाया था. भारत में 12 साल बाद ऐसा हुआ है जब न्यूजीलैंड के किसी बल्लेबाज ने टेस्ट शतक जड़ा है. आखिरी बार रॉस टेलर ने 2012 में 113 रन की पारी खेली थी. साथ ही इस पारी के साथ, रवींद्र भारत में टेस्ट शतक बनाने वाले न्यूजीलैंड के 21वें खिलाड़ी बन गए.

रोहित शर्मा ने अर्धशतक जड़ा

न्यूजीलैंड के 10 विकेट गिरने के बाद भारत की दूसरी पारी में बैटिंग करने की बारी आई. भारत के लिए रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ओपनिंग करने के लिए उतरे. दोनों ने शानदार शुरुआत दिलाई. लेकिन ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सके. रोहित शर्मा ने शानदार अर्धशतक जड़ा और वे 52 रन बनाकर आउट हो गए. वहीं, जायसवाल ने 35 रन बनाए.

बेंगलुरु टेस्ट में दूसरी पारी में टीम इंडिया को संभाला

टेस्ट क्रिकेट में विराट ने पूरे किए 9000 रन

एजेंसी। बेंगलुरु

विराट कोहली जब-जब मैदान पर उतरते हैं तो कुछ ना कुछ ऐसा जरूर होता है जो फैंस का दिल जीत लेता है. इस बार किंग कोहली ने बेंगलुरु टेस्ट की दूसरी पारी में अर्धशतक जड़ा है और इसके साथ ही उनके टेस्ट में 9000 रन भी पूरे हो गए हैं. विराट कोहली ने 197 टेस्ट पारी में 9000 रनों का आंकड़ा छुआ. विराट कोहली के 9000 टेस्ट रन तो खास हैं ही साथ ही इस खिलाड़ी का बेंगलुरु टेस्ट में अर्धशतक भी बेहद खास है. वो इसलिए क्योंकि बेंगलुरु में टीम इंडिया मुसीबत में है और इसी घड़ी में विराट के बल्ले से अर्धशतक निकला. दिग्गजों की फेहरिस्त में शामिल हुए विराट विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट में 9000 रन बनाने वाले चौथे भारतीय हैं. राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर ये कारनामा पहले कर चुके हैं. वैसे इन दिग्गजों में विराट कोहली ने सबसे ज्यादा पारियां खेलकर 9000 का आंकड़ा छुआ है. द्रविड़ ने 176 पारियों में 9000 टेस्ट रन पूरे किए थे. सचिन ने 179 पारियों में ये कारनामा किया था. गावस्कर को 192 पारियां लगी और विराट ने 197 पारी में 9000 टेस्ट रन पूरे किए. विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 2042 रन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाए हैं. इसके अलावा इंग्लैंड के खिलाफ उनके नाम 1991 रन हैं. साउथ अफ्रीका, श्रीलंका और वेस्टइंडीज के खिलाफ भी उनके एक हजार से ज्यादा रन हैं.

विराट कोहली के स्पेशल 15000 रन

विराट कोहली की बात करें तो ये खिलाड़ी भारत के लिए नंबर 3 पर 15000 इंटरनेशनल रन बनाने वाला पहला भारतीय बन गया है. अब तक सिर्फ पॉन्टिंग, संगकारा और केन विलियमसन ने ही ये कारनामा किया है. विराट कोहली का बेंगलुरु में अर्धशतक लगाना बेहद खास है क्योंकि इस खिलाड़ी ने पूरे 11 महीने बाद टेस्ट में अर्धशतक जड़ा है. विराट कोहली पिछली 8 पारियों से जूझ रहे थे लेकिन बेंगलुरु में उन्हें सफलता मिल ही गई.

सबसे तेज 9000 टेस्ट रन किसके नाम?

टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 9000 रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड कुमार संगकारा के नाम है. उन्होंने 172 पारियों में ये कारनामा किया था. स्टीव स्मिथ ने 174 पारियों में 9000 टेस्ट रन पूरे किए थे. राहुल द्रविड़ तीसरे स्थान पर हैं.

टी20 मैच में वापसी पर जेवियर बार्टलेट की नजर

एडिलेड। उभरते तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट की नजरें ऑस्ट्रेलिया की तरफ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी पर हैं. इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड दौरे में मांसपेशियों में खिंचाव के कारण उनका अभियान जल्दी खत्म हो गया था. 25 वर्षीय खिलाड़ी अपने अंतरराष्ट्रीय मैचों की संख्या में इजाफा करने के लिए उत्सुक हैं, क्योंकि वह पूरी तरह से फिट होने के लिए काम कर रहे हैं. सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 के दौरान बार्टलेट की साइड स्ट्रेन की शुरुआत हुई थी, जो कि इंग्लिश धरती पर उनके पहले अंतरराष्ट्रीय मैच के सिर्फ 3.4 ओवर बाद हुई थी. चोट के कारण वह टी20 सीरीज के बाकी मैच और उसके बाद पांच मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए. बार्टलेट के लिए यह निराशाजनक क्षण था, जिन्होंने फरवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे मैचों में लगातार चार विकेट चटकाकर धमाल मचाया था.

डेनियल कोलिंस ने टाला रिटायरमेंट, कहा-

मैं 2025 में टूर पर वापस आऊंगी

- विश्व नंबर-9 टेनिस खिलाड़ी ने रिटायरमेंट की योजना स्थगित की

एजेंसी। नयी दिल्ली

विश्व नंबर-9 टेनिस खिलाड़ी डेनियल कोलिंस ने अपनी रिटायरमेंट की योजना को स्थगित कर दिया है और अमेरिकी खिलाड़ी ने घोषणा की है कि वह अगले साल फिर से टूर पर लौटेंगी. इस वर्ष की शुरुआत में कोलिंस ने कहा था कि 2024 उनके टूर का अंतिम सीजन होगा लेकिन अब उन्होंने 2025 में टूर पर लौटने का फैसला किया है. कोलिंस ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, तो, डैनिमल स्टोरी अपने निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है. मैं 2025 में फिर से टूर पर आऊंगी. पोस्ट में लिखा गया है, हालांकि जीवन में कोई गारंटी नहीं है,

लेकिन मैं 2024 के अपने सफर को बनाए रखने और तब तक खेलना जारी रखने की उम्मीद करती हूं जब तक कि मैं ऐसा कर सकूं. अभी के लिए एकमात्र गारंटी कुछ और रोमांचक मैच होंगे. इसमें आगे कहा गया है, मैं अपने सभी प्रशंसकों को धन्यवाद देती हूं, जो इस दौरान मुझे प्रोत्साहित करते रहे हैं. साथ ही, मैं अपने टूर के सबसे करीबी दोस्तों को भी धन्यवाद देती हूं, जिन्होंने हर कदम पर मेरा साथ दिया. 30 वर्षीय कोलिंस के लिए मौजूदा सत्र काफी अच्छा रहा है क्योंकि 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनलिस्ट ने मार्च और अप्रैल में मियामी और चार्ल्सटन में लगातार दो टूर्नामेंट जीते हैं. उन्होंने एक पोस्ट में कहा, मैं अपने एंडोमेट्रियोसिस और अन्य स्वास्थ्य चुनौतियों से जुड़ी कुछ समस्याओं से जूझ रही हूं. जबकि मैं इस साल अपने टेनिस करियर को एक अच्छे नोट पर समाप्त करने और अपने जीवन के अगले अध्याय को शूरू करने के लिए बहुत उत्साहित थी,

नॉर्डिक ओपन : एलेजांद्रो डेविडोविच के खिलाफ जीत हासिल की

वावरिंका सबसे उम्रदराज क्वार्टर फाइनलिस्ट बने

एजेंसी। स्टॉकहोम

स्टेन वावरिंका स्टॉकहोम टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे उम्रदराज क्वार्टर फाइनलिस्ट बन गए. उन्होंने नॉर्डिक ओपन में एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के खिलाफ 6-4, 3-6, 7-5 से जीत हासिल की. 39 वर्षीय वावरिंका निर्णायक सेट में दो बार ब्रेक से पिछड़ गए, लेकिन दो घंटे, 12 मिनट में आगे बढ़ने के लिए कुछ साहसिक प्रदर्शन किया. वावरिंका ने कहा, मैं इस मैच को जीतकर बहुत खुश हूं, आज यह एक कठिन प्रतिद्वंद्वी था, लेकिन स्तर अच्छा था और यहां दो मैच जीतना बहुत अच्छा था. यह एक अद्भुत माहौल है, पूरा घर भरा हुआ है. इतना शोर मचाने के लिए आप सभी का धन्यवाद. एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार, वावरिंका का सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त आंद्रेई रुब्लेव से होगा, जिन्होंने एलेक्जेंडर मुलर पर 6-4, 6-1 से जोरदार जीत दर्ज की. रुब्लेव ने पूरे मुकाबले में पलक नहीं झपकाई, जिसके दौरान उन्होंने 17 विनर्स लगाए और अपने सामने आए सभी तीन ब्रेक पॉइंट बचाए. इससे पहले, मिओमिर केकमनोविच ने निकोलस जैरी के साथ एक रोमांचक मुकाबले में अपना धैर्य बनाए रखा, जो अंत तक चला.

सर्बियाई ने कड़े मुकाबले में 6-4, 4-6, 7-6(2) से जीत दर्ज की. तीसरे वरीयता प्राप्त ग्रिगोर दिमित्रोव ने क्वेंटिन हेलिस के खिलाफ 7-6(1), 6-3 की जीत के साथ दिन का समापन किया और एटीपी 250 में अपनी 18वीं मैच जीत दर्ज की - जो सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे अधिक है. 2013 में स्टॉकहोम में अपना पहला टूर-लेवल खिताब जीतने वाले बुल्गारियाई खिलाड़ी का क्वार्टर फाइनल में अगला मुकाबला स्विस डोमिनिक स्ट्राइकर से होगा. दिमित्रोव, जो वर्तमान में रेस टू ट्यूरिन में दसवें स्थान पर हैं, का लक्ष्य सीजन के अंत में आगे बढ़ना और 2017 में सीजन का फाइनल जीतने के बाद पहली बार एटीपी फाइनल के लिए क्वालीफाई करना है.

बेबाक राय

ऑस्ट्रेलिया 2009 के बाद पहली बार महिला टी20 विश्व कप फाइनल से चूकने जा रहा

एक खराब रात हमारी टीम को परिभाषित नहीं करती: एलिसा

एजेंसी। दुबई

ऑस्ट्रेलिया की चोटिल कप्तान एलिसा हीली ने जोर देकर कहा है कि एक खराब रात उनकी टीम को परिभाषित नहीं करेगी, क्योंकि दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका से आठ विकेट से हार के बाद लगातार चौथी बार महिला टी20 विश्व कप खिताब जीतने की उनकी उम्मीदें धराशायी हो गईं. एलिसा ने पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि हमने जो माहौल बनाने में कामयाबी हासिल की है और हमारी टीम के अंदर जो विश्वास है कि कोई भी मैदान पर जाकर मैच जीत सकता है, मुझे

लगता है कि वह इस विश्व कप में दिखा. मुझे लगता है कि एक खराब रात जरूरी नहीं कि हमारी टीम को परिभाषित करे. उन्होंने कहा, हां, हम ट्रॉफी जीतना चाहेंगे, लेकिन ऐसा नहीं है. मुझे लगता है कि इस पूरे टूर्नामेंट में बहुत सारी सकारात्मक चीजें हुई हैं और जिस तरह से लड़कियां बढ़ रही हैं, सीख रही हैं और बेहतर बनना चाहती हैं, वह इतनी कम उम्र में टीम की परिपक्वता को दर्शाता है. दक्षिण अफ्रीका के अनुशासित गेंदबाजी प्रदर्शन ने ऑस्ट्रेलिया को 134/5 पर रोक दिया. इससे पहले एनेके बॉश ने 48 गेंदों पर नाबाद 74 रन बनाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली और 17.2 ओवर में प्रोटियाज के लिए एक शानदार लक्ष्य हासिल किया और महिला टी20 विश्व कप में अपने दूसरे सीधे फाइनल में प्रवेश किया. इसका यह भी मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया 2009 के बाद पहली बार महिला टी20 विश्व कप फाइनल से चूकने जा रहा है. एलिसा को ग्रुप ए में पाकिस्तान पर जीत के दौरान पैर में लगी चोट के कारण सब कुछ किनारे से देखने के लिए मजबूर होना पड़ा और सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया पर हावी होते देखकर वह दुखी हो गई. एलिसा ने कहा, कल रात यह निर्णय लेना बहुत कठिन था कि हम (मुझे खेलने का मौका देंगे) या नहीं और मैंने टीम के निर्णय लेने की कोशिश की और जोखिम लेने के बजाय खुद को शांत रखा. यह देखना कठिन था कि आप वास्तव में वहां जाकर मदद नहीं कर सकते. शुक्रवार को शारजाह में न्यूजीलैंड के खिलाफ़ दूसरे सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज के खेलने के साथ, एलिसा ने यह कहा कि एक नई महिला टी20 विश्व कप चैंपियन होने का मौका बहुत आकर्षक है और महिला क्रिकेट के लिए अच्छा है. उन्होंने कहा, इस टूर्नामेंट के संभावित रूप से नए विजेता की संभावना विश्व खेल के लिए बेहद रोमांचक है. दुनिया भर में क्रिकेट खेलने के लिए अब निवेश और अवसर हैं, अलग-अलग परिस्थितियां और साल के सभी समय ने विश्व खेल के लिए बहुत बढ़िया काम किया है.हम देख रहे हैं कि टीमों को इससे वाकई फायदा मिल रहा है, जो कि शानदार है. इसलिए अगर यह न्यूजीलैंड-दक्षिण अफ्रीका फाइनल होता है, तो उस ट्रॉफी का नया विजेता देखना वाकई शानदार होगा.

ओरी के साथ फोटो हो रही वायरल

राधिका मर्चेंट की बर्थडे पार्टी में पहुंचे धौनी

एजेंसी। मुंबई

पिछले दिनों अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी ने खूब सुर्खियां बटोरी थी. इस शादी में बॉलीवुड से लेकर क्रिकेट की दुनिया तक के बड़े चेहरे पहुंचे. वहीं, अब राधिका मर्चेंट ने धूमधाम से अपना बर्थडे सेलीब्रेट किया. इस बर्थडे पार्टी में पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धौनी पहुंचे. माही के अलावा भी कई मशहूर चेहरे नजर आए. अब सोशल मीडिया पर राधिका मर्चेंट के बर्थडे में महेंद्र सिंह धौनी की तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं. सोशल मीडिया पर माही का फोटो तेजी से वायरल हो रहा है. इसके अलावा सोशल मीडिया यूजर्स लगातार कमेंट्स

कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. राधिका मर्चेंट की बर्थडे पार्टी में महेंद्र सिंह धौनी के अलावा बॉलीवुड की दुनिया के कई मशहूर चेहरे दिखे. तस्वीरों में धौनी ओरी के साथ नजर आ रहे हैं और उनकी फोटो वायरल हो रही है.

ब्रीफ खबरें

लापता छात्रा का शव शुक्रवार को बरामद हुआ

कटिहार । जिले के अमदाबाद थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना घटी. खट्टी भवानीपुर पंचायत के छोटा नीताई टोला निवासी मेघा कुमारी (8वर्ष) बुधवार को महानंदा नदी में स्नान करने के दौरान लापता हो गई थी. एसडीआरएफ टीम और स्थानीय ग्रामीणों ने उनकी तलाश की, लेकिन बुधवार से गुरुवार शाम तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया था. शुक्रवार सुबह मेघा का शव महानंदा नदी के किनारे पाया गया. स्थानीय ग्रामीणों की मदद से बच्ची के शव को उनके घर तक लाया.

सहायिका हत्याकांड में शामिल तीन धराए

पूर्वी चंपारण । पुलिस ने आंगनबाड़ी सहायिका हत्याकांड में शामिल तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अभियुक्तों में संग्रामपुर थाना क्षेत्र जितेन्द्र कुमार उर्फ जोखूलाल, केसरिया थाना क्षेत्र के मुस्लिम आलम व कल्याणपुर थाना क्षेत्र के विकास कुमार शामिल है. उल्लेखनीय है कि बीते 4 अक्टूबर को संग्रामपुर थाना क्षेत्र के नरूलहां भटवलिया गांव में आंगनबाड़ी सहायिका सीमा देवी की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी. इस संदर्भ में छह नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध कांड दर्ज कराया गया. कांड के उद्भेदन के लिए एसपी के निर्देश पर अरेराज डीएसपी के नेतृत्व एसआईटी का गठन किया गया.

युवक की गोली मार कर हत्या, इलाके में सनसनी

नवादा । नवादा जिले के काशीचक थाना क्षेत्र के बौरी गांव में शुक्रवार को एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई. सुबह हुई हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई है. हत्या के बाद मामला की जांच पुलिस कर रही है. युवक 24 वर्षीय रोशन कुमार है. वह बाजार से घर लौट रहा था इसी दौरान तीन बदमाशों ने गोली मारी है. जहां घटनास्थल पर ही युवक की मौत हो गई है. वहीं मृतक के भाई राहुल कुमार ने आरोप लगाया है कि 5 महीना पूर्व हम प्रेम विवाह किए थे. तब से लड़की के परिवार के लोग नाराज थे और उसके भाई ने जान मारने की धमकी भी दिया था.

मथुरा के हादसे में गया के पांच लोगों की मौत

गया । गया जिले के कोंच थाना क्षेत्र के हिछापुर बीघा के रहने वाले 2 परिवार के 5 लोगों की यूपी के मथुरा में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है. घटना गुरुवार की है. सभी लोग हरियाणा के पलवल जिले के होडल स्थित ईंट भट्ठा पर काम करने के लिए पिकअप वैन से जा रहे थे. उसी समय अचानक बिजली के खंभे से वाहन जा टकराया. वाहन में बैठे लोग बचने के लिए सभी लोग कूदने लगे. इसी बीच पिकअप वैन चालक गाड़ी को पीछे ले लिया और घटना स्थल पर ही 5 लोगों की मौत हो गई है. इनमें 35 वर्षीय गौरी देवी, उसकी 2 साल की बेटी कोमल, 28 वर्षीय कुंती देवी, उनकी दो साल की बेटी प्रियंका, मोनी देवी की मौत हो गई है. वहीं करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए है.

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भागलपुर से की हिंदू स्वाभिमान यात्रा की शुरुआत, बोले-

हिंदुओं के अस्तित्व को बचाने के लिए निकाली गई है यात्रा

संवाददाता । भागलपुर

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को भागलपुर से हिंदू स्वाभिमान यात्रा की शुरुआत कर दी है. सबसे पहले गिरिराज सिंह शुक्रवार को बूढ़ानाथ मंदिर पहुंचे. जहां उन्होंने बाबा भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर वहां से यात्रा की शुरुआत की. इसके बाद गिरिराज सिंह जिला स्कूल स्थित सभा स्थल पहुंचे जहां उनका स्वागत बीजेपी के जिला अध्यक्ष संतोष कुमार साह, कहलगांव के विधायक पवन यादव सहित कार्यकर्ताओं ने त्रिशूल भेंट कर किया. इस दौरान काफी संख्या में महिलाएं कलश सर पर रखकर सभा स्थल पर पहुंची और हिंदू एकता को लेकर जमकर नारेबाजी की गई. सभा को संबोधित करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि तेजस्वी यादव ने अपना दौरा इसीलिए रद्द किया ताकि हिंदू स्वाभिमान यात्रा में लोग शामिल हो सकें.

उन्होंने कहा कि हिंदू स्वाभिमान यात्रा में राजद हिंदू, भारतीय जनता पार्टी के हिंदू, कम्युनिस्ट पार्टी के हिंदू, जदयू के हिन्दू और लोजपा के हिंदू शामिल हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि यह हिंदुओं के अस्तित्व को बचाने

की यात्रा है. इसके साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर भी उन्होंने निशान साधा. उन्होंने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर ने बंटवारे के समय कहा था कि मुसलमान को पाकिस्तान भेज दिया जाए और हिंदुओं को पाकिस्तान से वापस यहां बुला लिया जाए लेकिन पंडित जवाहरलाल नेहरू ने ऐसा नहीं करने दिया. जिसको लेकर बाबा साहब ने कहा था कि देश में कभी समरसता नहीं हो सकती है.

उन्होंने कहा कि हिन्दू किस देश में है. पाकिस्तान में ही नहीं रहे हमारे भाई बट के बांग्लादेश भी गए. वहां भी नहीं बचे. मैं आपसे प्रार्थना करने आया हूं हमारे मंदिर टूट गई, हमारी बेटियां लुट गई, अब हम 70% पर आ गए हैं. जहां तीन मस्जिद थी अब 20 लाख हो गई है. क्या दुर्गा पूजा के आयोजन के लिए परमिशन लेना पड़ेगा, रूट जानना पड़ेगा, क्या इसी के लिए देश का बंटवारा हुआ था. या फिर यह सोची समझी साजिश है. जब बांग्लादेश में मंदिरों को तोड़ दिया जाता है तब किसी का नींद नहीं खुलती है. जब कोई यात्रा निकलता हो वोट बटोरने के लिए तब तो कोई नहीं बोलता. कोई मुसलमान को इकट्ठा करने के लिए यात्रा निकालते तो किसी को पेट में दर्द नहीं होता. 1947 से अब तक ताजिया निकलता है. हमने तो ताजिया में लाठी भांजी साथ दिया. कभी एक पत्थर नहीं फेंका लेकिन दुर्गा पूजा के दौरान क्या हो रहा है, सभी देख रहे हैं. सभा में काफी संख्या में लोगों की उपस्थिति देखी गई. उधर इस यात्रा को लेकर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे.

बिहार में जहरीली शराब से मरनेवालों की संख्या बढ़ी

सीवान में 28 तो छपरा में 7 की जान गई, 25 से अधिक भर्ती

संवाददाता । पटना

छपरा और सीवान में जहरीली शराब से हो रही मौतों की संख्या बढ़ रही है. शुक्रवार की सुबह तक की रिपोर्ट के अनुसार सीवान में सबसे अधिक 28 लोगों की मौत की पुष्टि जिला प्रशासन की ओर से की गई है. वहीं छपरा में सात मौतों की पुष्टि की गई है. कई लोग अभी भी जिलों में भर्ती हैं. पटना की बात करें तो पीएमसीएच में 25 से अधिक लोगों का इलाज चल रहा है. छपरा में जिन सात लोगों की मौत की पुष्टि जिला प्रशासन की ओर से की गई है वे सभी मशरक थाना क्षेत्र के ही रहने वाले हैं. बीते तीन से चार दिनों के बीच हुई इस घटना के बाद अब प्रशासन अलर्ट मोड में है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीते गुरुवार को ही सख्त निर्देश दिया है कि जांच के बाद कड़ी कार्रवाई की जाए.

सीवान में अब तक 28 लोगों की जान गई : जहरीली शराब से मौत का मामला सबसे अधिक सीवान के भगवानपुर प्रखंड की कौरिया व माघड़ पंचायत में तीन से चार दिनों के अब तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है. जिला प्रशासन ने इसकी पुष्टि की है.

मोतिहारी : शराब फैक्ट्री का उद्भेदन

पूर्वी चंपारण । एसपी स्वर्ण प्रभात ने सिवान व छपरा में हुए जहरीली शराब कांड के बाद जिले के सभी थानाध्यक्ष को शराब कारोबारियों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाने का सख्त निर्देश दिया है. जिसके बाद रघुनाथपुर थाना पुलिस ने मोतिहारी शहर से सटे मंजूराहा गांव में छापेमारी कर शराब बनाने वाली फैक्ट्री का उद्भेदन किया है. साथ ही संचालक मनोज कुमार राय सहित एक अन्य कारोबारी विनय राम को पकड़ा है.

छपरा में एसआईटी ने एक आरोपी को दबोचा

छपरा । छपरा में जहरीली शराब से कई लोगों की मौत हो चुकी है. छपरा पुलिस की एसआईटी टीम ने एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया है, जो भगवानपुर हाट थाना क्षेत्र के बिलासपुर गांव का निवासी है. गिरफ्तार आरोपी रजनीकांत जहरीली शराब की सप्लाई चैन में एक कड़ी का काम करता था. मिली जानकारी के अनुसार रजनीकांत ने शराब की सप्लाई की बात कबूल की है.

सीवान में आठ लोगों का इलाज चल रहा है. वहीं गंभीर रूप से जो बीमार थे वैसे करीब 13 लोगों को पीएमसीएच (पटना) रेफर कर दिया गया है. हालांकि कई लोग ऐसे भी हैं जिनकी तबीयत ठीक हो गई है. करीब 30 लोगों को इलाज के बाद उन्हें घर भेज दिया गया है. जिन शवों का पोस्टमार्टम हो जा रहा उसे पुलिस उनके परिजनों को सौंप दे रही है. मंगलवार से मौतों का सिलसिला शुरू हुआ जिसके बाद संख्या बढ़ती जा रही है. गांव के लोगों का कहना है कि मौत के जो आंकड़े हैं वह ज्यादा हैं. कौरिया तख्त गांव में प्रदीप मांझी का शव जलाया जा रहा था. वहां उनके परिजनों में काफी ज्यादा आक्रोश था. परिजनों ने आरोप लगाया कि कौरिया वैश्य टोला में जब एक शराब बेचने वाले को बुधवार को पुलिस-प्रशासन ने पकड़ा तो उसने बड़े-बड़े अधिकारियों के सामने खुलकर बोला कि थाना तीन हजार महीना लेकर शराब बेचवाता है. यह भी कहा कि चौकीदार ही यह सब धंधा करता था. पीता भी था और बेचने वालों से पैसा भी लेता था.

औरंगाबाद में दो बसों और ट्रक में टक्कर

दो महिलाओं की मौत, 12 लोग घायल

संवाददाता । औरंगाबाद

औरंगाबाद के दाउदनगर में दाउदनगर-गया पथ पर मंडल उप कारा के पास शुक्रवार की दोपहर तीन वाहनों के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई. इसमें दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. बताया जाता है कि दाउदनगर से एक निजी बस तेज गति से गोह की ओर जा रही थी. इसी दौरान दाउदनगर मंडल उप कारा के पास बस की सामने से तेज गति से आ रहे दूसरे बस से टक्कर हो गई. टक्कर के बाद पीछे से आ रहे तेज गति में आ रहे हाइवा ने भी बस में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी.

टक्कर में तीनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए. हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक दर्जन से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए. मरने वालों में दो महिलाएं शामिल हैं.

हादसे के बाद मौके पर जेसीबी लाकर दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को खड़ा किए जाने के बाद घायलों को बस से निकाला गया. हादसे की सूचना मिलते ही दाउदनगर थानाध्यक्ष फहीम आजाद खान एवं एसआई आरती कुमारी सदल बल मौके पर पहुंचीं और जांच में जुट गईं. इधर,आनन-फानन में पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को इलाज के लिए दाउदनगर के अनुमंडल अस्पताल लाया. यहां कुछ को प्रारंभिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया. शेष का दाउदनगर अनुमंडल अस्पताल में इलाज चल रहा है. मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त करने के साथ ही मृत महिलाओं के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेजा है.

बेगूसराय में दो मासूम सगे भाइयों का शव मिला, बवाल

बेगूसराय । बेगूसराय के लाखो थाना क्षेत्र के अयोध्या बाड़ी गांव में गुरुवार की देर शाम उस वक्त सनसनी फैल गई जब दो सगे भाइयों का शव एक गड्ढे से बरामद हुआ. बताया जाता है कि दोनों बच्चे बुधवार की दोपहर से ही अपने घर से लापता थे. दोनों भाइयों की हत्या का आरोप उनके पिता पर लग रहा है.

दरअसल, सिकंदर यादव और खुशबू देवी की शादी 2015 में हुई थी, लेकिन पति-पत्नी का विवाद शुरू हो गया. मामला न्यायालय तक पहुंच गया. सिकंदर यादव और खुशबू देवी के तीन पुत्र थे. सिकंदर यादव और खुशबू देवी के बीच हमेशा मारपीट भी होती थी. जब दोनों के बीच विवाद गहरा गया तो खुशबू देवी अपने मायके चली गई. कई बार दोनों के बीच सामाजिक बातचीत कर मामले को ठीक करने की कोशिश की गई, लेकिन बात बनी नहीं. खुशबू देवी के परिवार वाले न्यायालय चले गए और सिकंदर यादव के ऊपर दहेज का मामला दर्ज करवाया.

कोर्ट में पेशी के दौरान अपराधी पर फायरिंग एक अपराधी गिरफ्तार

गोपालगंज । गोपालगंज सिविल कोर्ट में शुक्रवार को दिनदहाड़े अपराधियों ने गोलियां चलाई, जिसमें पेशी के लिए आया कुख्यात अपराधी विशाल सिंह को गोली लगी. नगर थाना के भोजपुरवा गांव के गुलाब हुसैन कोर्ट आए थे. कोर्ट परिसर में आते ही अपराधियों ने फ़ायरिंग की जिससे उसके पेट में गोली लगी. घायल को सदर अस्पताल लाया गया, जहां उसे चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया. इस मामले में दो अपराधी को गिरफ्तार किया गया है.

कारोबार

एफआईआई ने बाजार से निकाले 67834 करोड़

नयी दिल्ली । विदेशी संस्थागत निवेशकों यानी एफआईआई ने भारतीय शेयर बाजारों से किसी एक महीने में निकासी का साढ़े चार साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. इन्होंने अक्तूबर में अब तक 67,834 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं. यह मार्च, 2020 के 61,973 करोड़ रुपये के बाद सबसे ज्यादा है. डिपॉजिटरी आंकड़ों के मुताबिक, इस महीने में एफआईआई ने हर दिन शेयर बेचे हैं. अगर बिकवाली का यही रुझान बना रहा तो ये निवेशक कोरोना की सारी बिकवाली का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं.

अदाणी एंटरप्राइजेज जुटाएगा 4200 करोड़

नयी दिल्ली । अदाणी एंटरप्राइजेज अपनी विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए क्यूआईपी के जरिए क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट 50 करोड़ डॉलर यानी करीब 4, 200 करोड़ रुपये जुटाए हैं. एईएल ने एक बयान जारी कर बताया है कि उसने क्यूआईपी को सफलता पूर्वक पूरा कर लिया है. अदाणी एंटरप्राइजेस लिमिटेड के इक्विटी शेयरों की फेस वैल्यू 1 रुपये प्रति शेयर है. क्यूआईपी के जरिए कुल 1,41,79,608 इक्विटी शेयरों को 2,962 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के निर्गम मूल्य पर आवंटित किया गया था.

120 करोड़ होगी स्मार्ट फोन यूजर की संख्या

नयी दिल्ली । भारत में 2030 तक स्मार्टफोन यूजर्स की संख्या 100 करोड़ का आंकड़ा पार करने जा रही है. एक नई रिपोर्ट के अनुसार, देश में 2030 तक 120 करोड़ स्मार्टफोन कनेक्शन होने का अनुमान है, जिनमें से आधे यूजर्स 5जी स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर रहे होंगे. वैश्विक मोबाइल नेटवर्क बॉडी जीएसएमए के अनुसार, देश में 2030 तक 64.1 करोड़ से अधिक 5जी सब्सक्राइबर्स होने का अनुमान है, जिनकी संख्या 49% की दर से बढ़ रही है. भारत में अगले छह वर्षों में 5जी फोन सब्सक्राइबर्स की संख्या में तेजी से वृद्धि होगी और डेटा का इस्तेमाल भी तेजी से बढ़ेगा 5जी सब्सक्राइबर्स की संख्या में इस उछाल से डेटा खपत में भी भारी वृद्धि होगी.

चीन को भारत ने दी पटखनी, शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में खुलासा

भारत विश्व का सबसे बड़ा दोपहिया वाहन बाजार

संवाददाता । नयी दिल्ली

भारत चीन को पछाड़ दुनिया का सबसे बड़ा दोपहिया वाहन बाजार बन गया है. शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है. ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती मांग, अनुकूल मानसून की स्थिति और ग्रामीण विकास के लिए सरकार की पहल जैसे कारकों की वजह से भारत सबसे बड़ा दोपहिया बाजार बन कर उभरा है. काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 2024 की पहली छमाही में दोपहिया वाहनों की बिक्री में सालाना आधार पर 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है.

दोपहिया वाहनों की बिक्री में भारत ही नहीं, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, लैटिन अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीका में भी वृद्धि देखी गई. हालांकि, चीन और दक्षिण पूर्व

टॉप 10 वैश्विक दोपहिया वाहन निर्माताओं ने 2024 की पहली छमाही के दौरान 75% से अधिक बिक्री की.

एशिया (एसईए) में दोपहिया वाहनों की बिक्री में गिरावट दर्ज हुई. वरिष्ठ विश्लेषक सौमेन मंडल ने कहा कि भारत के दोपहिया वाहन बाजार में इस वर्ष की पहली छमाही में 22 प्रतिशत का जबरदस्त उछाल देखा गया है. उन्होंने कहा, इस मजबूत प्रदर्शन से भारत चीन से आगे निकल गया और दुनिया का सबसे बड़ा दोपहिया बाजार बन गया.

भारत में इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर दोपहिया वाहनों में मजबूत दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज हुई. वहीं, चीन में 125 सीसी से कम क्षमता वाले दोपहिया वाहन लोकप्रिय बने हुए हैं, लेकिन ग्राहक रोजाना इस्तेमाल के लिए मोटरसाइकिल और स्कूटर की जगह ई-साइकिल का विकल्प चुन रहे हैं. इस बदलाव के कारण चीनी दोपहिया वाहन बाजार में, खास तौर पर इलेक्ट्रिक सेगमेंट में अस्थायी मंदी आई हुई है. दक्षिण पूर्व एशिया में, इंडोनेशिया, वियतनाम, फिलीपींस, थाईलैंड और मलेशिया जैसे प्रमुख बाजारों में भू-राजनीतिक व्यापार तनाव और कठोर ऋण मानदंड दोपहिया वाहनों की बिक्री में गिरावट की वजह बने हैं. इसके अलावा, आर्थिक अनिश्चितता के बीच ग्राहकों के सतर्क रवैये ने दोपहिया वाहनों की बिक्री को प्रभावित किया है.

टॉप 10 वैश्विक दोपहिया वाहन निर्माताओं ने 2024 की पहली छमाही के दौरान 75 प्रतिशत से अधिक बिक्री की. होंडा ने वैश्विक दोपहिया वाहन बाजार का अगुवा बना हुआ है, जिसके बाद हीरो मोटोकॉर्प, यामाहा, टीवीएस मोटर और याडिया का स्थान रहा.

टॉप 10 ब्रांड में टीवीएस मोटर सालाना आधार पर 25 प्रतिशत वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाला ब्रांड रहा . वहीं, याडिया में सालाना आधार पर 29 प्रतिशत की गिरावट के साथ सबसे अधिक गिरावट आई और कंपनी पांचवें स्थान पर खिसक गई. रिसर्च के उपाध्यक्ष नील शाह ने कहा कि विद्युतीकरण बढ़ रहा है और हमारा अनुमान है कि 2030 तक बिकने वाले 10 में से 4 दोपहिया वाहन इलेक्ट्रिक होंगे. उन्होंने कहा, दोपहिया वाहन सेगमेंट में एम्बेडेड सेलुलर कनेक्टिविटी को अपनाने में भी तेजी दिख रही है.

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया बोले-

भारत का कंटेंट क्रिएशन मार्केट 480 अरब डॉलर तक पहुंचा

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत के कंटेंट क्रिएशन मार्केट का तेजी से विस्तार हो रहा है. केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का कहना है कि भारत दुनिया की कंटेंट क्रिएशन राजधानी बनने की ओर अग्रसर है. 2035 तक कंटेंट क्रिएशन बाजार मौजूदा 30 अरब डॉलर से बढ़कर 480 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है. राष्ट्रीय राजधानी में 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024' के दौरान एक पैनल चर्चा को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने सूचना तक पहुंच की स्वतंत्रता पर जोर दिया. इसी के साथ उन्होंने डिजिटल क्रांति को लेकर 6जी जैसी नेक्स्ट जनरेशन टेक्नोलॉजी को अपनाए जाने की महत्ता पर प्रकाश डाला.

ईवाई की हाल ही में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष भारतीय कंटेंट इंडस्ट्री का आकार 30.6 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है. विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि कंटेंट क्रिएशन में एआई राजस्व स्रोतों का विस्तार करने, लागत कम करने और नए बाजारों में प्रवेश करने का एक अवसर है. विशेष रूप से टियर 2 और 3 शहरों में कंटेंट कंजप्शन का

पैटर्न डेवलप हो रहा है. उन्होंने कहा कि एआई रियल टाइम में बातचीत की सुविधा प्रदान करता है, इसलिए क्रिएटिव इकॉनोमी तेजी से बढ़ने वाली है. एआई ह्यूमन क्रिएटिविटी की जगह लेने के बजाय उसके पूरक के रूप में काम करेगा. एआई क्षेत्रीय कंटेंट को बढ़ावा दे रहा है. भारत में करीब 95 प्रतिशत यूट्यूब का इस्तेमाल क्षेत्रीय भाषाओं में किया जा रहा है. जो कि बीते कुछ वर्षों में इंग्लिश-स्पीकिंग ट्रेंड से एक नए शिफ्ट को दर्शाता है. उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि एआई-संचालित सामग्री शिक्षा और जागरूकता बढ़ाने में मदद कर सकती है और सही जानकारी पहुंचाने में अहम भूमिका निभा सकती है.

नकदी संकट से जूझ रही फिनटेक फर्म लेंडिंगकार्ट, वैल्यूएशन घटा

नयी दिल्ली । फिनटेक फर्म लेंडिंगकार्ट नकदी संकट से जूझ रही है. कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की जून तिमाही में 24.87 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 25.63 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था. कंपनी द्वारा घाटे की वजह मार्जिन कम होना है. वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में लेंडिंगकार्ट का ऑपरेटिंग मार्जिन 12.62 प्रतिशत था, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 31.62 प्रतिशत था. हालांकि, कंपनी की बिक्री चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में सालाना आधार पर 18.57 प्रतिशत बढ़कर 272.93 करोड़ रुपये रही.

भारत 5जी नेटवर्क स्थापित करने बाद 6जी में भी तेजी से आगे बढ़ रहा

मुंबई । रिकॉर्ड समय में सफलतापूर्वक 5जी नेटवर्क स्थापित करने के बाद भारत अब 6जी टेक्नोलॉजी में तेजी से आगे बढ़ रहा है. शुक्रवार को एक्सपर्ट्स की ओर से यह बयान दिया गया. संचार मंत्रालय के उप महानिदेशक सुमनेश जोशी ने कहा कि आज, हर किसी के पास एक बैंक खाता है जो वित्तीय ऋण या सूक्ष्म ऋण, सूक्ष्म बीमा, म्यूचुअल फंड और यहां तक कि शेयर-संबंधित उत्पादों जैसी नवीन सेवाओं के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम बनाता है. एसोचैम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, जोशी ने कहा कि हमें अपनी ओर से बनाए गए इकोसिस्टम का फायदा उठाना है.

शेयर बाजार

तीन दिन की गिरावट के बाद शेयर बाजार में लौटे खरीदार

निवेशकों ने 1 दिन में कमाए 1.05 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी । नई दिल्ली

लगातार 3 दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज रिकवरी के मूड में नजर आया. शुक्रवार के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी. बाजार खुलने के बाद गिरावट और बढ़ती चली गई लेकिन पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में खरीदारों ने अपना जोर बना दिया, जिससे शेयर बाजार की रफ्तार में तेजी आ गई. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत और निफ्टी 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए. शुक्रवार दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, मेटल, फाइनेंशियल, यूटिलिटी, रियल्टी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही. दूसरी ओर आईटी, ऑयल एंड गैस, टेक और एफएमसीजी इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए. ब्रॉडर मार्केट में शुक्रवार को मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ. दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार का अंत किया. शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई. बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 458.30 लाख

सेंसेक्स और निफ्टी ने निचले स्तर से की शानदार रिकवरी

करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया. पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 457.25 लाख करोड़ रुपये था. इस तरह निवेशकों को शुक्रवार के कारोबार से करीब 1.05 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया.

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,043 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें 1,932 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,004 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 107 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए. एनएसई में 2,494 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें से 1,183 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,311 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए. इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए. निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स शुक्रवार 257.35 अंक की गिरावट के साथ 80,749.26 अंक के स्तर पर खुला. कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण के ये सूचकांक अगले 15 मिनट में ही 597.36 अंक की कमजोरी के साथ 80,409.25 अंक के स्तर तक गिर गया. हालांकि इसके बाद तेजड़ियों ने बाजार में चौतरफा खरीदारी शुरू कर दी. लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 981.90 अंक उछल कर 384.54 अंक की मजबूती के साथ शुक्रवार के सर्वोच्च स्तर 81,391.15 अंक तक पहुंच गया.

एनएसई की 'स्टेट ऑफ स्टेट्स' रिपोर्ट में कहा

21 राज्यों की जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025 में 11.2 % रहने का अनुमान

एजेंसी । मुंबई

भारत के 21 बड़े राज्यों की जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 25 में 11.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है. हालांकि, इस दौरान इन राज्यों के पूंजीगत खर्च में कमी देखने को मिल सकती है और यह 6.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6.5 लाख करोड़ रुपये रह सकता है. यह जानकारी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) की ओर से जारी किए गए डेटा से मिली. यह 21 राज्य साथ मिलकर देश की 95 प्रतिशत अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करते हैं. वित्त वर्ष 25 में इन राज्यों की जीडीपी 326 लाख करोड़ रहने की उम्मीद है. पूंजीगत खर्च अनुपात में 6.2 प्रतिशत के साथ पंजाब सबसे निचले स्थान पर है. गुजरात 36.2 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर है. एनएसई की 'स्टेट ऑफ स्टेट्स' रिपोर्ट में कहा गया कि इन राज्यों की औसत जीडीपी वृद्धि दर 11.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि वित्त वर्ष 24 में यह आंकड़ा 11.8 प्रतिशत था. रिपोर्ट में बताया गया कि कुछ प्राप्तियां वित्त वर्ष 25 में 10.2 प्रतिशत की दर से बढ़कर 43.4 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है. पिछले वित्त वर्ष में अनुमानित वृद्धि 16.7 प्रतिशत थी. चालू वित्त वर्ष में राजस्व प्राप्तियां (कुल प्राप्तियों का 99 प्रतिशत होता है) में 10.6 प्रतिशत बढ़ोतरी का अनुमान है.

न्यूज अपडेट

जॉर्डन से इजराइल में घुसे हमलावर

यरूशलम। जॉर्डन से सीमा पार कर आए दो या तीन बंदूकधारियों ने शुक्रवार को 'डेड सी' के दक्षिण में दो इजराइली नागरिकों को घायल कर दिया. रिपोर्ट के अनुसार, एक घायल की हालत सामान्य है, जबकि दूसरा मामूली रूप से घायल है. इजराइल रक्षा बलों ने कहा कि बंदूकधारियों ने घटनास्थल पर भेजे गए इजराइली बलों पर गोलीबारी की. आईडीएफ ने कहा कि इजराइली सेना ने दो बंदूकधारियों को मार गिराया और तीसरे संभावित हमलावर की तलाश में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है.

शोपियां में गोलियों से छलनी शव मिला

श्रीनगर। जम्मू एवं कश्मीर के शोपियां जिले में शुक्रवार को पुलिस ने बिहार निवासी एक व्यक्ति का गोलियों से छलनी शव बरामद किया. पुलिस ने बताया कि शोपियां जिले के जैनपोरा क्षेत्र के वंडुना गांव में बिहार निवासी अशोक चौहान का गोलियों से छलनी शव बरामद किया गया. शव को चिकित्सकीय-कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए भेज दिया गया है. पुलिस ने पुष्टि की है कि यह आतंकवादी कृत्य है. हत्यारों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है.

सूडान में डेंगू बुखार के 2,500 मामले

खार्तूम। सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश के पांच राज्यों में डेंगू बुखार के 2,520 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 13 की मौत हो गई. खार्तूम, उत्तरी कोर्डोफन, कसाला, गेदारेफ और सिन्नर राज्यों में संक्रमण की सूचना मिली है. उन्होंने महामारी से निपटने के अभियान को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया. अप्रैल 2023 में सूडानी सशस्त्र बलों और रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच लड़ाई शुरू होने के बाद से, हैजा, मलेरिया और डेंगू बुखार जैसी महामारियां फैल गई हैं.

जापान-अमेरिका अभ्यास पर विवाद

टोक्यो। जापान भर में कई सिविल ग्रुप्स ने स्थानीय सरकारों को विरोध पत्र और संयुक्त याचिकाएं प्रस्तुत कीं. इनमें जापान और अमेरिका के बीच होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास का विरोध किया गया. जापान और अमेरिका 25 अक्टूबर से 1 नवंबर तक जापान के विभिन्न एयरपोर्ट और बंदरगाहों पर संयुक्त सैन्य अभ्यास करेंगे. 35 सिविल ग्रुप्स ने किताकियुशू शहर की सरकार को एक संयुक्त याचिकाएं प्रस्तुत कीं. इनमें सैन्य अभ्यास के लिए किताकियुशू एयरपोर्ट का इस्तेमाल रद्द करने की अपील की गई.

बढ़ते जा रहे लेप्टोस्पायरोसिस मामले

मनीला। फिलीपींस के स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों में कहा गया है कि यहां लेप्टोस्पायरोसिस के मामले लगातार बढ़ रहे हैं. जनवरी से 5 अक्टूबर तक स्वास्थ्य विभाग ने 5,835 मामले दर्ज किए, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है. इस बीच देश भर में 509 मौतें दर्ज की गई हैं. लेप्टोस्पायरोसिस एक जीवाणु संक्रमण है, जो आमतौर पर जानवरों के मूत्र से दूषित पानी के माध्यम से फैलता है. संक्रमित जानवरों के मूत्र या मूत्र-दूषित वातावरण के सीधे संपर्क में आने से यह वायरस फैलता है.

घरों पर लाल निशान का वीडियो वायरल

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच में हुई हिंसा के बाद अवैध अतिक्रमण की कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है. स्थल पर लाल क्रास के निशान के वीडियो वायरल हो रहे हैं, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि निशान बहुत पुराने हैं और समय-समय पर जहां आवश्यकता होती है, वहां निशान लगाए जाते हैं. जानकारों की मानें तो कुछ दिन पहले महसी के विभिन्न कस्बों में चौक चौराहों पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया था. कस्बे में सड़क की पटरियों पर अतिक्रमण का चिन्हांकन कर निशान लगाए जा चुके हैं.

दलितों को बांटने की साजिश : मायावती

लखनऊ। हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार ने पहली ही कैबिनेट बैठक में अनुसूचित जाति आरक्षण में उप-वर्गीकरण लागू करने का निर्णय लिया. इस पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरक्षण समाप्त करने वाला फैसला बताया. उन्होंने हरियाणा की भाजपा सरकार के फैसले पर नाराजगी जताते हुए कहा कि आरक्षण कोटे के भीतर कोटा की नई व्यवस्था लागू करने का फैसला दलितों को फिर से बांटने और उन्हें आपस में ही लड़ाते रहने का षड्यंत्र है.

तुर्की में बड़ा हादसा, 7 लोगों की मौत

अंकारा। तुर्की के मध्य अक्सराय प्रांत में शुक्रवार को एक बस के पलट जाने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए. रिपोर्ट में कहा गया कि घायलों में से कुछ की हालत गंभीर है, लेकिन अधिकारी अभी भी उन लोगों की पहचान करने में जुटे हैं, जिन्होंने अपनी जान गंवाई.अक्सराय के प्रांतीय गवर्नर मेहमत अली कुम्बुजोग्लू ने बताया कि टूरिस्ट बस अक्सराय शहर से 25 किलोमीटर दूर पलट गई. घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है और दुर्घटना की जांच शुरू कर दी गई है.

ताइवान के ऑफ़िस पर बिफरा चीन

नयी दिल्ली। मुंबई में ताइवान के नए ऑफ़िस खुलने पर चीन ने अपनी प्रतिक्रिया ज़ाहिर की है. भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट लिखते हुए कहा कि दुनिया में एक ही चीन है और ताइवान चीन का अभिन्न हिस्सा है. चीन अपने साथ राजनयिक संबंध रखने वाले किसी भी देश के ताइवान के साथ आधिकारिक संपर्क का कड़ा विरोध करता है. इसमें एक-दूसरे के यहां कार्यालय खोलना भी शामिल है. हमने इस मुद्दे को भारत के समक्ष गंभीरता से उठाया है.

सिनवार के मारे जाने की पुष्टि हमास ने की, 7 अक्टूबर के हमले के सूत्रधार की मौत को अमेरिका ने बताया 'अच्छा दिन'

इजराइल का 'दुश्मन नंबर वन' मारा गया

लगातार न्यूज नेटवर्क

इजराइल ने हमास लीडर याह्या सिनवार को बुधवार को मार गिराया. उसे पिछले एक साल से सिनवार की तलाश थी. इस ऑपरेशन से जुड़ी जो जानकारियां अब सामने आ रही हैं उसके मुताबिक इजराइली सैनिकों को यह पता भी नहीं था कि उन्होंने यहूदी राष्ट्र के 'दुश्मन नंबर वन' को मार गिराया. इजराइल ने गुरुवार रात याह्या सिनवार की मौत की आधिकारिक रूप से घोषणा की. हमास के एक वरिष्ठ सदस्य ने अपने गुट के नेता याह्या सिनवार की मौत की पुष्टि की है. अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हमास नेता याह्या सिनवार की हत्या को इजराइल के लिए 'अच्छा दिन' बताया.

इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) और शिन बेट सिक्योरिटी एजेंसी ने एक बयान में कहा कि 7 अक्टूबर के हमले और नरसंहार का सूत्रधार सिनवार, बुधवार को दक्षिणी गाजा के राफा में गोलीबारी में मारा गया. टाइम्स ऑफ इजराइल की 17 अक्टूबर की एक रिपोर्ट के मुताबिक सिनवार को सीधे तौर पर निशाना नहीं बनाया गया. सैनिकों ने जब गुरुवार सुबह घटनास्थल का निरीक्षण किया, तब उन्हें पता चला कि मुठभेड़ में मारे गए तीन आतंकवादियों में से एक सिनवार था. डीएनए और अन्य जांच के आधार पर पुष्टि की गई कि शव वास्तव में सिनवार का ही था. सिनवार की उंगली का एक हिस्सा जांच के लिए इस्तेमाल किया गया. उसके शव को निकाला गया और गुरुवार को इजराइल लाया गया. एक संयुक्त बयान में, आईडीएफ और शिन बेट ने कहा कि इजराइल की सैन्य गतिविधियों ने धीरे-धीरे सिनवार के संचालन क्षेत्र को सीमित कर दिया, जिसके कारण आखिरकार उसकी मौत हुई.

इजराइल के मुताबिक वह पिछले साल हुए 7 अक्टूबर के हमले का मास्टरमाइंड था. इस हमले में 1200 लोगों की मौत हुई थी जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था. इस हमले के बाद यहूदी राष्ट्र ने हमास के खिलाफ युद्ध का ऐलान कर दिया और फिलिस्तनी ग्रुप के कंट्रोल वाले गाजा पट्टी पर हमले शुरू कर दिए. इजराइल के सैनिक अभियान ने गाजा में भारी तबाही मचाई है. अलजजीरा की की रिपोर्ट के मुताबिक 7 अक्टूबर 2023 से अब तक गाजा में इजराइली हमलों में कम से कम 42,438 लोग मारे गए हैं और 99,246 घायल हुए हैं.

साल 2017 में मिस्र की सीमा पर याह्या सिनवार. सिनवार को 'खान यूनिस का कसाई' भी कहा जाता था। फाइल फोटो

याह्या सिनवार की मौत : ईरान ने बताया 'रोल मॉडल' हिजबुल्लाह ने कहा- जंग का नया चरण होगा शुरू

याह्या सिनवार की इजराइली हमले में मौत के बाद यूएन में ईरान के मिशन ने हमास लीडर को 'रोल मॉडल' बताया. वहीं हिजबुल्लाह ने इजराइल के खिलाफ युद्ध के 'एक नए और उग्र चरण में प्रवेश' का ऐलान किया. मिशन ने सिनवार के अंतिम क्षणों की ड्रोन फुटेज से ली गई एक स्टिल इमेज शेयर की और सिनवार की तुलना इराकी तानाशाह सद्दाम हुसैन से की. मिशन ने पोस्ट में कहा कि हालांकि, जब मुसलमान शहीद सिनवार को युद्ध के मैदान में खड़े हुए देखेंगे - युद्ध की पोशाक में और खुले में, दुश्मन का सामना करते हुए - तो प्रतिरोध की भावना मजबूत होगी. वह उन युवाओं और बच्चों के लिए आदर्श बनेगा जो फिलिस्तीन की मुक्ति की दिशा में उसके मिशन को आगे बढ़ाएंगे. जब तक कब्जा और हमला जारी है, तब तक प्रतिरोध जारी रहेगा, क्योंकि शहीद हमेशा जीवित और प्रेरणा का स्रोत रहेगा. मिशन ने सिनवार की जो तस्वीर शेयर की वो मौत से चंद सेकेंड्स पहले की है. तस्वीर में सिनवार सोफे पर बैठा हुआ है, उसका एक हाथ घायल है और सिर पर कपड़ा बंधा हुआ है जिससे उसका मुंह भी ढका है. वहीं, लेबनान के हिजबुल्लाह ने कहा कि वह इजराइल के खिलाफ अपने युद्ध में एक नया चरण शुरू कर रहा है, उसने कहा कि उसने सैनिकों को निशाना बनाने के लिए सटीक-निर्देशित मिसाइलों का इस्तेमाल किया. बुधवार देर रात एक बयान में ईरान ने 'इजराइली दुश्मन के साथ टकराव में एक नए और उग्र चरण' की घोषणा की. उन्होंने कहा कि सटीक-निर्देशित मिसाइलों का "पहली बार इस्तेमाल किया जा रहा है.

हमास बोला-फ़लस्तीनी लोगों की महत्वकांक्षाओं को पूरा करने के अपने रास्ते पर वह चलता रहेगा

हमास के एक वरिष्ठ सदस्य ने अपने गुट के नेता याह्या सिनवार की मौत की पुष्टि की है. एक वीडियो संदेश में हमास के डिप्टी लीडर ख़लील अल-हय्या ने कहा है कि उनका गुट फ़लस्तीनी लोगों की महत्वकांक्षाओं को पूरा करने के अपने रास्ते पर चलता रहेगा. उन्होंने ये भी कहा है कि सिनवार की मौत से हमास और मज़बूत ही होगा. उन्होंने ये भी कहा कि बीते साल सात अक्तूबर को इसराइल से बंधक बनाकर लाए गए लोगों को तब तक नहीं रिहा किया जाएगा, जब तक ग़ज़ा में इसराइली कार्रवाई ख़त्म नहीं होती और उनके सैनिक ग़ज़ा पट्टी से पूरी तरह पीछे नहीं हट जाते.

यह इजराइल और फिलिस्तीन के बीच राजनीतिक समझौते के लिए एक अच्छा 'अवसर' : जो बाइडेन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हमास नेता याह्या सिनवार की हत्या को इजरायल के लिए 'अच्छा दिन' बताया. उन्होंने कहा कि सिनवार की मौत ने इजराइल और फिलिस्तीन के बीच राजनीतिक समझौते के लिए एक 'अवसर' प्रस्तुत किया है. बाइडेन ने कहा कि यह इजराइल, अमेरिका और पूरी दुनिया के लिए 'अच्छा दिन' है. मेरे इजराइली दोस्तों के लिए, यह निस्संदेह राहत और यादों का दिन है, वैसा ही दिन जैसा कि 2011 में राष्ट्रपति ओबामा द्वारा ओसामा बिन लादेन को मारने का आदेश दिए जाने के बाद अमेरिका ने देखा था. दुश्मनी खत्म करने की अपील करते हुए बाइडेन ने कहा कि अब गाजा में हमास के सत्ता में न रहने और एक राजनीतिक समझौते के लिए मौका है जो इजराइलियों और फिलिस्तीनियों दोनों के लिए बेहतर भविष्य प्रदान करता है. याह्या सिनवार उन सभी लक्ष्यों को हासिल करने में एक बड़ी रुकावट था. यह बाधा अब मौजूद नहीं है, लेकिन हमारे सामने बहुत काम बाकी है. कहा कि आतंकवादी समूह हमास के नेता के रूप में सिनवार हजारों इजरायलियों, फिलिस्तीनियों, अमेरिकियों और 30 से अधिक देशों के नागरिकों की मौत के लिए जिम्मेदार था.

याह्या सिनवार : एक 'ग्लोबल टेरेरिस्ट', सतर्क व चालाक व्यक्ति

हमास नेता याह्या सिनवार का जन्म अक्टूबर 1962 में दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस शरणार्थी कैंप में हुआ था. खान यूनिस के स्कूलों में शिक्षा प्राप्त करने के बाद सिनवार ने गाजा की इस्लामिक यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया, जहां से उन्होंने अरबी भाषा में स्नातक की डिग्री हासिल की. इसके बाद साल 2011 में शादी की जिससे तीन बच्चे हैं.

सिनवार को पहली बार 1982 में 20 साल की उम्र में हिंसक गतिविधियों में शामिल होने के कारण गिरफ्तार किया गया. चार महीने तक प्रशासनिक हिरासत में रखा गया. रिहाई के एक सप्ताह बाद ही फिर से गिरफ्तार किया गया और बिना मुकदमे के छह महीने तक जेल में रखा गया. 1985 में एक बार फिर गिरफ्तार किया गया और आठ महीने की सजा सुनाई गई. साल 1988 में भी सिनवार की गिरफ्तारी हुई. उस पर दो इजराइली सैनिकों के अपहरण और हत्या के साथ ही इजरायल की मदद के संदेह में चार फिलिस्तीनियों की हत्या का आरोप लगाया गया. इस मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई. सिनवार ने इजराइल की जेलों में हमास कैदियों की सर्वोच्च नेतृत्व समिति का नेता बना, जहां भूख हड़ताल

पर बैठे बंदियों संग जेल अधिकारियों के संघर्ष को मैनेज करने का काम किया. सिनवार ने जेल में रहते हुए कई बार भागने की कोशिश की, लेकिन कोशिश असफल रहीं. इसी दौरान सिनवार ने अपने खाली समय का उपयोग पढ़ाई और लेखन में किया. हिब्रू सीखी और राजनीतिक, सुरक्षा और साहित्यिक क्षेत्रों में कई किताबें लिखीं और कुछ का अनुवाद किया. साल 2011 में इजराइली सैनिकों के बदले कैदियों की रिहाई समझौते के तहत रिलीज किया गया.

रिहाई के बाद, सिनवार को साल 2012 में हमास के राजनीतिक ब्यूरो के तौर पर चुना गया, जहां उन्होंने सुरक्षा मामलों की जिम्मेदारी संभाली. साल 2013 में हमास की सैन्य शाखा अल-कासम ब्रिगेड का नेतृत्व किया. 2017 में गाजा आंदोलन के राजनीतिक ब्यूरो का प्रमुख चुना गया, और 2021 में फिर से चार साल के लिए इसी पद पर दोबारा चुन लिया गया. सिनवार के घर पर कई बार बमबारी की गई. अमेरिका का घोषित 'ग्लोबल टेरेरिस्ट' एक सतर्क और चालाक व्यक्ति के रूप में जाना जाता रहा. इसकी पहचान सार्वजनिक रूप से बहुत कम बोलने वाले शख्स की रही. सिनवार को साल 2023 में 7 अक्टूबर को इजराइल पर हुए हमास के हमले का मुख्य आर्किटेक्ट माना जाता है. इस्माइल हानिया की तेहरान में हत्या के बाद अगस्त में हमास ने सिनवार को अपना नेता नियुक्त किया था.

अमेरिका की एक ग्रैंड जूरी की तरफ से मामले में तय किए गए आरोप

पूर्व रॉ अधिकारी विकास यादव ने पन्नू के मर्डर की रची साजिश

एजेंसी। न्यूयॉर्क

अमेरिकी अभियोजकों ने खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की कथित हत्या की नाकाम साजिश में रॉ के पूर्व सीनियर फील्ड अधिकारी विकास यादव के खिलाफ आरोप लगाए हैं. अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड ने गुरुवार को कड़े शब्दों में कहा कि आज के आरोप दर्शाते हैं कि न्याय विभाग अमेरिकियों को निशाना बनाने, उन्हें खतरे में डालने, प्रत्येक अमेरिकी नागरिक के अधिकारों को कमजोर करने की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं करेगा. यादव को 'एक भारतीय सरकारी कर्मचारी' बताते हुए उन्होंने कहा कि न्याय विभाग ऐसे किसी भी व्यक्ति को जवाबदेह ठहराने की पूरी कोशिश करेगा जो अमेरिकी नागरिकों को नुकसान पहुंचाने और चुप कराने की कोशिश करता है, चाहे वह किसी भी सत्ता के कितना भी करीब क्यों न हो.

यादव और उनके कथित सह-साजिशकर्ता निखिल गुप्ता के खिलाफ दायर आरोपों को गुरुवार को न्यूयॉर्क के संघीय दक्षिणी जिले की अदालत में उजागर किया गया. आरोप एक ग्रैंड जूरी की तरफ से तय किए गए, जो नागरिकों का एक पैनल है. यह पैनल अभियोजन पक्ष द्वारा मामले की शुरुआती प्रेजेंटेशन के बाद यह फैसला लेता है कि पहली नजर में मामला बनता है या नहीं. यादव पर गुप्ता के साथ तीन आरोप लगाए गए हैं. इनमें एक हत्यारे को किराए पर लेने की साजिश, 'मर्डर फॉर हायर' की साजिश, और मनी लॉन्ड्रिंग शामिल हैं. अभियोजन पक्ष की ओर से दायर आरोप-पत्र में ब्रिटिश कोलंबिया में कनाडा स्थित सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का संदर्भ दिया गया, जिसके कारण भारत और कनाडा के बीच संबंधों में गंभीर गिरावट आई.

दस्तावेज में सैन्य वर्दी पहने यादव की तस्वीर भी

अदालत के दस्तावेजों में सैन्य वर्दी पहने यादव की एक तस्वीर भी शामिल है. अभियोजकों द्वारा दायर 18-पेजों के डॉक्यूमेंट में किसी अन्य भारतीय अधिकारी का नाम नहीं है. न ही इसमें अलगाववादी समूह सिख फॉर जस्टिस के नेता गुरपतवंत सिंह पन्नून का नाम है, जो कथित तौर पर कथित साजिश का लक्ष्य था. इसमें केवल इतना कहा गया कि 'पीड़ित' 'एक वकील और राजनीतिक कार्यकर्ता है जो न्यूयॉर्क शहर में रहने वाला भारतीय मूल का अमेरिकी नागरिक है' और खालिस्तान की स्थापना के लिए 'पंजाब के अलगाव की वकालत करने वाले एक अमेरिकी-बेस्ड संगठन' का नेतृत्व करता है. इसमें कहा गया कि भारत सरकार ने 'पीड़ित' और उसके अलगाववादी संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया है.

रिपोर्ट: 2035 तक 3.84 मिलियन श्रमिकों की कमी से जूझेगा जापान

टोक्यो। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि जापान को 2035 तक 3.84 मिलियन श्रमिकों की कमी का सामना करना पड़ेगा. इसका मतलब है कि प्रतिदिन 17.75 मिलियन घंटे का नुकसान होगा. जिजी प्रेस ने पर्सोल रिसर्च एंड कंसल्टिंग कंपनी और चुओ यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट में दावा किया है कि '2023 की तुलना में श्रमिकों की कमी 1.85 गुना बढ़ने का अनुमान है.

ऐसा इसलिए क्योंकि देश में कामगारों के पक्ष में कार्यशैली सुधार नीति बनाई गई है. ये कार्य और जीवन के बीच सामंजस्य बिठाने के लिए किया गया है, इसकी वजह से ही व्यक्तिगत कार्य घंटों में कमी आई है. मजदूरों की जरूरत जो 2023 में 67.47 मिलियन थी वो 2035 में बढ़कर 71.22 मिलियन होने की उम्मीद है. इसमें महिलाएं, बुजुर्ग कर्मचारी और विदेशी नागरिक शामिल होंगे. इसके साथ ही विदेशी श्रमिकों की संख्या में भी वृद्धि होने का अनुमान है और ये 2.05 मिलियन से बढ़कर 3.77 मिलियन हो जाएगा. हालांकि, 2035 तक प्रति व्यक्ति औसत काम के घंटों में 8.8 प्रतिशत की कमी आने की उम्मीद है, जिसका मुख्य कारण कामगारों की ढलती उम्र और जापानी सरकार द्वारा कार्य शैली सुधार नियम है. श्रमिकों की कमी से निपटने के लिए रिपोर्ट में कार्यशैली सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया गया है.

पुलिस को सलमान के लिए मिला बिश्नोई गैंग का धमकी भरा संदेश

- 5 करोड़ दो या बाबा सिद्दीकी जैसा हश्र भुगतो, कड़ी की गई अभिनेता की सुरक्षा

एजेंसियां। मुंबई

मुंबई ट्रैफिक पुलिस को अभिनेता सलमान खान के लिए लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से धमकी मिली है. लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने मुंबई ट्रैफिक पुलिस के व्हाट्सएप नंबर पर मैसेज भेजा है. इसमें सलमान खान से पांच करोड़ रुपये की मांग की गई है. मैसेज भेजने वाले ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के हवाले से कहा है कि अगर सलमान खान जिंदा रहना चाहते हैं और लॉरेंस बिश्नोई गैंग से दुश्मनी खत्म करना चाहते हैं, तो उन्हें पांच करोड़ रुपए देने होंगे. इसे हल्के में लेने की गलती न करें. मैसेज में कहा गया कि अगर उन्होंने पैसे नहीं दिए, तो उनका हाल बाबा सिद्दीकी से भी बुरा होगा. मुंबई पुलिस ने कहा कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है. मामले में मुंबई पुलिस ने वर्ली पुलिस स्टेशन में मुकदमा दर्ज किया है. मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंबई पुलिस ने इस पूरे मामले में जांच शुरू कर दी है.

सलमान के फार्म की रेकी करते सुक्खा गिरफ्तार: इस धमकी भरे मैसेज के बाद महाराष्ट्र के रायगढ़ में सलमान खान के पनवेल फार्महाउस के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई. इससे पहले, गुरुवार को नवी मुंबई की पनवेल पुलिस ने हरियाणा के पानीपत से शूटर सुक्खा को गिरफ्तार किया था. सुक्खा पूर्व में सलमान खान के पनवेल फार्महाउस की रेकी करने और

गोली चलाने वाले आरोपियों के साथ शामिल था. गिरफ्तारी के बाद उसे नवी मुंबई में लाया गया है और उसके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है. पुलिस के अनुसार, सुक्खा एक बड़े आपराधिक नेटवर्क का हिस्सा है और इससे पहले भी कई गंभीर आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है. उसकी गिरफ्तारी के बाद, पुलिस अब यह जांच करेगी कि वह किसके साथ सांठगांठ में था और इस साजिश में अन्य कौन लोग शामिल थे. इस गिरफ्तारी के साथ ही, पुलिस ने सलमान खान की सुरक्षा को लेकर एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश किया है. जांच एजेंसियां तेजी से कार्रवाई कर रही हैं ताकि सभी संबंधित लोगों को पकड़ा जा सके. बता दें बीते दिनों ही मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी. इस हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है. अप्रैल महीने से ही सलमान लॉरेंस बिश्नोई गैंग के रडार पर हैं. इस मामले को लेकर अभिनेता 4 जून को मुंबई पुलिस के सामने एक बयान भी दर्ज करा चुके हैं. इस बयान के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई ने अपने गिरोह के सदस्यों की मदद से उनके घर के बाहर गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया.

बड़ी उपलब्धि भारतीय मूल के वैज्ञानिक के नेतृत्व में एक टीम ने की प्रोटीन के नए कार्य की खोज

उम्र संबंधी बीमारियों के इलाज के लिए खुले नए रास्ते!

एजेंसी। टोरंटो

भारतीय मूल के एक वैज्ञानिक के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की एक टीम ने प्रोटीन के नए फंक्शन की खोज की है, जिससे उम्र से संबंधित बीमारियों का इलाज किया जा सकता है. कनाडा के मैकमास्टर विश्वविद्यालय की टीम ने एक प्रोटीन का एक नया, अज्ञात कोशिका-सुरक्षात्मक कार्य खोजा है, जो उम्र संबंधी बीमारियों के इलाज के लिए नए रास्ते खोल सकता है और बुढ़ापे के दौरान व्यक्ति को स्वस्थ बनाए रखने की दिशा में काम करता है.

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज की पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, कोशिकाएं प्रोटीन को गलत तरीके से बना सकती हैं, और सफाई प्रक्रिया बाधित हो सकती है. इसके परिणामस्वरूप, प्रोटीन एक साथ चिपक सकते हैं, जिससे हानिकारक जमाव हो सकता है जो अल्जाइमर और पार्किंसन जैसी बीमारियों से जुड़ा है. शोध की देखरेख करने वाले प्रोफेसर भगवती गुप्ता ने कहा कि प्रोटीन इकट्ठा होने से यदि कोशिकाएं तनाव का अनुभव कर रही हैं तो एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम को इन प्रोटीनों को बनाना बंद करने का संकेत मिलता है. शोध टीम ने पाया कि एमएएनएफ नामक सुरक्षात्मक प्रोटीन का एक वर्ग कोशिकाओं को कुशल और स्वस्थ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. पहले के अध्ययनों से पता चला था कि एमएएनएफ कोशिकीय तनाव को कम करने में मदद करता है.

सेलुलर होमियोस्टेसिस में एमएएनएफ की भूमिका की खोज का उपयोग उपचार को विकसित करने में होगा

ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय में पोस्ट-डॉक्टरल फेलो शेन टेलर ने कहा कि एमएएनएफ मनुष्यों सहित सभी जानवरों में मौजूद है. हम मौलिक और यांत्रिक विवरण सीख रहे हैं, जिन्हें बाद में उच्च प्रणालियों में परखा जा सकता है. गुप्ता ने कहा कि सेलुलर होमियोस्टेसिस में एमएएनएफ की भूमिका की खोज से पता चलता है कि इसका उपयोग मस्तिष्क और शरीर के अन्य भागों को प्रभावित करने वाली बीमारियों के उपचार को विकसित करने के लिए किया जा सकता है, जो कोशिकीय प्रक्रियाओं को लक्षित करके, कोशिकाओं में इन विषाक्त गांठों को साफ करके और उनके स्वास्थ्य को बनाए रखकर किया जाता है.

सी एलिगेंस नामक सूक्ष्म कृमियों का अध्ययन : टीम ने यह समझने की कोशिश की कि यह कैसे होता है, इसके लिए उन्होंने सी एलिगेंस नामक सूक्ष्म कृमियों का अध्ययन किया. उन्होंने सी एलिगेंस में एमएएनएफ की मात्रा में हेरफेर करने के लिए एक प्रणाली बनाई. टीम ने पाया कि एमएएनएफ कोशिकाओं पर महत्वपूर्ण तरीके से काम करती है क्योंकि यह प्रोटीन को तोड़कर कोशिकाओं को स्वस्थ और अव्यवस्था मुक्त रखते में मदद करती है. एमएएनएफ के स्तर में वृद्धि से कोशिकाओं के भीतर एक प्राकृतिक सफाई प्रणाली भी सक्रिय हो जाती है.

न ईसी और न एससी निष्पक्ष; दोनों भाजपा की बी, सी व डी टीम : राउत

- कहा- विपक्ष को टॉरगेट करने में करते हैं सरकार का सहयोग

एजेंसियां। मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने के बाद शिवसेना (उद्धव ठाकरे) सांसद संजय राउत केंद्र सरकार और सत्तारूढ़ भाजपा पर हमलावर हो गए हैं. इसके साथ ही वह चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट पर भी हमला बोल रहे हैं.

राउत ने आरोप लगाया है कि न तो चुनाव आयोग और न ही सुप्रीम कोर्ट निष्पक्ष हैं. राउत ने चुनाव आयोग पर कटाक्ष करते हुए दावा किया कि वहां बैठे लोग पक्षपाती हैं.

शुक्रवार को समाचार एजेंसी एएनआई से उन्होंने कहा, चुनाव आयोग ने कुछ महत्वपूर्ण निर्णय दिए हैं, और हमें लगता है कि वे निर्णय महा विकास अघाड़ी के हितों के खिलाफ हैं, और वे फैसले एकनाथ शिंदे और भाजपा की मदद करेंगे. राउत यहीं नहीं रुके. उन्होंने कहा, चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट तटस्थ नहीं हैं. वे भाजपा की बी, सी और डी टीम हैं. राउत ने बीजेपी पर विपक्षी पार्टियों को टारगेट करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का गलत तरीके से इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया. उन्होंने इन कोशिशों की तुलना शिवसेना और एनसीपी के खिलाफ पॉलिटिकल एनकाउंटर से की. उन्होंने कहा, मेरे जैसे लोग जेल गए और वापस भी आ गए. हम जानते हैं कि टारगेट पर कौन है और बीजेपी क्या कर रही है. यह बीजेपी का बिश्नोई गैंग है. उनके हाथों में हथियार नहीं हैं, लेकिन उनके पास सीबीआई और ईडी है. इसका इस्तेमाल वह हम पर हमला करने के लिए कर रहे हैं. इसके बाद भी हम मजबूती से खड़े हुए हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)